जमीन के बदले नौकरी के मामले में लालू की याचिका पर फैसला सुरक्षित-7

पांच लाख टन गेहूं के आटे का निर्यात करेगी सरकार, 3 साल बाद प्रतिबंध में आंशिक ढील-10

हमारे पड़ोस में आतंकवादी ढांचे को बढ़ावा देने में मदद न करें: जयशंकर-11

भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल ने कहा- अच्छी शुरुआत बड़े स्कोर में बदलना होगा-12

आज का मौसम

21.0° अधिकतम तापमान

7.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 07.05

सूर्यास्त 05.41

अमृत विचार

बरेली

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

माघ शुक्ल पक्ष द्वितीया 02:42 उपरांत तृतीया विक्रम संवत 2082

मंगलवार, 20 जनवरी 2026, वर्ष 7, अंक 57, पृष्ठ 12+4 ■ मूल्य 6 रुपये

न्यूज ब्रीफ

लद्दाख में 5.7 तीव्रता का भूकंप, नुकसान नहीं

लेह। केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख के लेह जिले में सोमवार को 5.7 तीव्रता का भूकंप आया। हालांकि अधिकारियों के मुताबिक भूकंप के कारण किसी प्रकार का नुकसान होने की कोई सूचना नहीं है। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनसीएस) के अनुसार, भूकंप के झटके दिन में 11:51 बजे महसूस किए गए। एनसीएस ने एक्स पर एक पोस्ट में बताया कि भूकंप का केंद्र 171 किलोमीटर की गहराई में 36.71 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 74.32 डिग्री पूर्वी देशांतर पर स्थित था। अभी तक भूकंप से संबंधित किसी भी प्रकार की क्षति की कोई सूचना नहीं है।

पूर्व आईपीएस अमिताभ ठाकुर को जमानत मिली

देवरिया। धोखाधड़ी मामले में देवरिया जेल में बंद पूर्व आईपीएस अधिकारी अमिताभ ठाकुर को सोमवार को जिला जज की अदालत से जमानत मंजूर हो गई लेकिन उनकी पत्नी नूतन ठाकुर की अग्रिम जमानत अर्जी को अदालत ने खारिज कर दिया। डीजीसी क्राइम राजेश मिश्रा के मुताबिक अमिताभ ठाकुर के खिलाफ लखनऊ में भी मुकदमा दर्ज हैं और वहां की अदालत से जारी वारंट बी देवरिया जेल में तामील करा दिया गया है। उनकी रिहाई अभी आसान नहीं होगी।

मणिकर्णिका घाट पर विरोध, 16 हिरासत में

वाराणसी। बनारस के मणिकर्णिका घाट पर पुनर्विकास को लेकर चल रहे कार्यों के दौरान रानी अहिल्याबाई होलकर की मूर्ति तोड़े जाने के आरोप को लेकर सोमवार को दर्जनों लोगों ने घाट पर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। पुलिस ने उन्हें समझाने का प्रयास किया लेकिन प्रदर्शनकारियों ने पुलिसकर्मियों के साथ धक्कामुक्की की। इस पर पुलिस ने सभी को खदेड़ दिया। 16 लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। एसीपी डॉ. अतुल अंजान त्रिपाठी ने बताया कि प्रदर्शन करने वालों ने कोई अनुमति नहीं ली थी।

किश्तवाड़-अरुणाचल दो जवान हुए शहीद

देहरादून, अमृत विचार : सैन्य भूमि उत्तराखंड के दो वीर सपूत मां भारती की सेवा करते हुए शहीद हो गए। रुद्रप्रयाग निवासी 15 गढ़वाल राइफल्स में तैनात हवलदार रविंद्र सिंह के अरुणाचल प्रदेश में शहीद होने का सोमवार को दुखद समाचार मिला। वहीं, जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले के सिंहपोरा क्षेत्र में आतंकियों से लोहा लेते हुए जनपद बागेश्वर निवासी हवलदार गजेंद्र सिंह गढ़िया वीरगति को प्राप्त हुए। किश्तवाड़ में शनिवार को मुठभेड़ शुरू हुई थी। सेना ने यहां आतंकियों के एक ठिकाने का भी पता लगाया है।

पीठासीन अधिकारी चाहे जिस दल के हों, निष्पक्ष होना चाहिए

ओम बिरला का पीठासीन अधिकारी सम्मेलन में अनुशासन-जवाबदेही पर जोर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि विधायिका लोकतंत्र का वह मंच है, जहां जनता की आवाज शासन तक पहुंचती है और समाधान का रास्ता निकलता है। ऐसे में राज्य विधानमंडलों की कार्यवाही का घटता समय लोकतंत्र के लिए गंभीर चिंता का विषय है। राज्य विधानसभाओं की कार्यवाही के लिए एक निश्चित और पर्याप्त समय सुनिश्चित किया जाना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि सदन जितना अधिक चलेगा, उतनी ही अधिक सार्थक, गंभीर और परिणामोन्मुख चर्चा संभव होगी।

बिरला सोमवार को विधानसभा में आयोजित तीन दिवसीय 86वें अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारी सम्मेलन में पहले दिन बतौर मुख्य अतिथि यह भी कहा कि पीठासीन अधिकारी चाहे जिस भी राजनीतिक दल से आते हों, उनका आचरण दलगत राजनीति से हटकर न्यायपूर्ण, निष्पक्ष, संतुलित होना चाहिए। पीठासीन अधिकारी का व्यवहार केवल निष्पक्ष होना ही नहीं बल्कि निष्पक्ष दिखना भी चाहिए, ताकि सदन की गरिमा और जनता का विश्वास बना रहे। बिरला ने कहा कि सोशल मीडिया के इस दौर में जनप्रतिनिधियों के प्रत्येक आचरण पर जनता की पैनी निगाह रहती है। ऐसे में संसदीय शिष्टाचार, अनुशासन और सदन की प्रामाणिकता बनाए रखना कहीं ज्यादा जरूरी हो गया है। यह केवल नियमों से नहीं, बल्कि व्यवहार और परंपराओं के पालन से संभव है। सम्मेलन में 28 राज्यों, तीन केंद्र शासित प्रदेशों की विधानसभाओं व छह विधान परिषदों के पीठासीन अधिकारियों ने भाग लिया। यूपी विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने सम्मेलन में पीठासीन अधिकारियों के समक्ष प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का शुभकामना संदेश पढ़कर सुनाया।

लखनऊ विधान सभा में आयोजित सम्मेलन में बोलते लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला।

- कहा- सदन जितना अधिक चलेगा लोकतंत्र उतना ही होगा मजबूत

आज इन मुद्दों पर होगा मंथन

मंगलवार को सम्मेलन में विधायी प्रक्रियाओं में तकनीक व डिजिटल टूल्स के उपयोग, विधायकों का क्षमता निर्माण व प्रशिक्षण, जनता के प्रति विधायिका की जवाबदेही और संसदीय शिष्टाचार और सदन की गरिमा बनाए रखने के उपाय के मुद्दों पर मंथन होगा।

ये लोकतांत्रिक सहयोग का मजबूत मंच : राज्यपाल

इसके पहले सम्मेलन का उद्घाटन राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने किया। उन्होंने कहा कि अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारी सम्मेलन जैसे मंच राज्यों के बीच संवाद, सहयोग और सर्वोत्तम संसदीय प्रथाओं के आदान-प्रदान का सशक्त माध्यम हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि यह सम्मेलन विधायी संस्थाओं को और अधिक प्रभावी बनाएगा।

प्रोटोकॉल तोड़कर किया स्वागत, कई बड़े मुद्दों पर हुई बातचीत

मोदी के बुलावे पर दो घंटे के लिए नई दिल्ली पहुंचे यूएई के राष्ट्रपति

नई दिल्ली। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान एक दिन की आधिकारिक यात्रा पर सोमवार शाम यहां पहुंचे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रोटोकॉल तोड़कर हवाई अड्डे पर खुद उनका स्वागत किया। लगभग दो घंटे की आधिकारिक यात्रा पर भारत पहुंचे शेख नाहयान की इस बीच कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर मोदी से वार्ता हुई, जिसके बाद नाहयान स्वदेश लौट गए। राष्ट्रपति का पद संभालने के बाद नाहयान की यह तीसरी और पिछले एक दशक में पांचवीं यात्रा थी।

संक्षिप्त यात्रा में ये समझौते

- विदेश सचिव विक्रम मिसरी के मुताबिक दोनों पक्षों ने उन्नत परमाणु प्रौद्योगिकियों में साझेदारी की संभावनाओं का पता लगाने का फैसला किया।
- प्रति वर्ष पांच लाख मीट्रिक टन तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) की आपूर्ति के लिए किया गया दीर्घकालिक समझौता।
- संयुक्त अरब अमीरात की साझेदारी में भारत में 'सुपरकंप्यूटिंग क्लस्टर' स्थापित करने के लिए सहयोग करने का निर्णय लिया गया।
- वर्ष 2032 तक भारत और यूएई ने आपसी वार्षिक व्यापार के लिए 200 अरब अमेरिकी डॉलर का लक्ष्य भी निर्धारित किया।

बंगाल में तार्किक विसंगतियों की सूची प्रदर्शित करे चुनाव आयोग

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को निर्वाचन आयोग को निर्देश दिया कि वह पश्चिम बंगाल के ग्राम पंचायत भवनों, तालुका प्रखंड कार्यालयों और वार्ड कार्यालयों में ''तार्किक विसंगतियों'' की सूची में शामिल लोगों के नाम प्रदर्शित करे, साथ ही वहां उनके दस्तावेज और आपत्तियां भी स्वीकार की जाएं। कोर्ट यह भी कहा कि पश्चिम बंगाल में एसआईआर की प्रक्रिया पारदर्शी होनी चाहिए और इससे किसी को असुविधा नहीं होनी चाहिए।

राज्य में 2002 की मतदाता सूची से संतानों के संबंध में तार्किक विसंगतियों में माता-पिता के नाम का बेमेल होना और मतदाता और उनके माता-पिता के बीच आयु का अंतर 15 वर्ष से कम या 50 वर्ष से अधिक होना शामिल है। राज्य में 1.25 करोड़ मतदाताओं के तार्किक विसंगतियों की सूची में शामिल होने पर संज्ञान लेते हुए सीजेआई सूर्यकांत, न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की की पीठ ने कहा कि पश्चिम बंगाल में जारी एसआईआर से प्रभावित होने की संभावना वाले लोगों को अपने दस्तावेज या आपत्तियां प्रस्तुत करने की अनुमति दी जाए और इसके लिए पंचायत भवनों या ब्लॉक कार्यालयों के भीतर कार्यालय स्थापित किए जाएं।

पीठ ने निर्देश दिया कि सुचारू कामकाज के लिए प्रत्येक जिला, ईसीआई या राज्य सरकार द्वारा कर्मचारियों के लिए जारी किए गए निर्देशों का सावधानीपूर्वक पालन करे। कहा, पश्चिम बंगाल के डीजीपी यह सुनिश्चित करने के लिए बाध्य होंगे कि कानून-व्यवस्था की कोई समस्या न हो और सभी गतिविधियां सुचारू रूप से पूरी हों।

- एसआईआर पर सुप्रीम कोर्ट का निर्देश, 1.25 करोड़ मतदाता शामिल हैं सूची में
- मतदाताओं के दस्तावेज और आपत्तियां भी स्वीकार करनी होंगी आयोग को

कर्नल सोफिया पर आपत्तिजनक टिप्पणी का मामला

अब माफी स्वीकार नहीं, मंत्री पर केस चलाने की मंजूरी पर दो सप्ताह में फैसला करे सरकार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मध्य प्रदेश सरकार को ऑपरेशन सिंदूर के दौरान कर्नल सोफिया कुरैशी पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने वाले मंत्री कुंवर विजय शाह पर मुकदमा चलाने की मंजूरी देने का निर्णय दो सप्ताह के भीतर करने का निर्देश दिया है। सीजेआई सूर्यकांत, न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने कहा कि न्यायालय द्वारा गठित एसआईटी ने जांच पूरी कर अंतिम रिपोर्ट 19 अगस्त 2025 को सौंप दी है। आगे की कार्यवाही अब तक रुकी हुई है, क्योंकि बीएनएस की धारा 196 के तहत राज्य सरकार से मंजूरी की जरूरत है। यह धारा सांप्रदायिक घृणा या वैमनस्य को बढ़ावा देने से संबंधित है। बचाव पक्ष ने मंत्री के माफीनामे का जिक्र किया तो सीजेआई ने कहा, कोई भी माफी मांगने के लिए अब बहुत देर हो चुकी है।

चांदी की चमक ने रचा सुनहरा इतिहास... तीन लाख के पार

- सोना भी नए शिखर पर, 1,900 रुपये बढ़कर 1.48 लाख पर पहुंचा

नई दिल्ली, एजेंसी

राष्ट्रीय राजधानी में सोमवार को चांदी 10,000 रुपये के उछाल के साथ सुनहरा इतिहास रच दिया और तीन लाख रुपये किलोग्राम के रिकॉर्ड स्तर को पार कर गई। सोमवार को चांदी का कारोबार 3,02,600 रुपये प्रति किलोग्राम पर हुआ जो तीन लाख रुपये से ऊपर का पहला बंद भाव है। इसके साथ सोना भी 1,900 रुपये उछलकर 1.48 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम के नए शिखर पर पहुंच गया।

सर्राफा कारोबारियों के मुताबिक घरेलू और वैश्विक बाजारों में मांग के कारण चांदी में उछाल आया। शुक्रवार को चांदी 2,92,600 रुपये पर बंद हुई थी। सोना भी नए रिकॉर्ड स्तर तक पहुंच गया। शुक्रवार को सोने का भाव 1,46,200 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था।

एक सप्ताह में 14% चढ़ा भाव

चांदी के वायदा भाव में पिछले सप्ताह के दौरान करीब 14 प्रतिशत यानी 35,037 रुपये की तेजी आई है। इसकी कीमत 31 दिसंबर 2025 को 2,35,701 रुपये किलोग्राम थी। इसमें अबतक 68,499 रुपये यानी 29% की वृद्धि हुई है।

टैरिफ अनिश्चितता से लगे पंख

एचडीएफसी सिक्योरिटीज के विश्लेषक सौमिल गांधी के मुताबिक अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की ओर से यूरोपीय देशों पर टैरिफ लगाने की घोषणा के बाद निवेशकों में चिंता और बढ़ी है। बढ़ती अनिश्चितता के कारण उन्हें सुरक्षित निवेश विकल्पों की तलाश है। इसी कारण वे कीमती धातुओं में निवेश कर रहे हैं।

कमरे में अंगीठी जलाकर सोए रिटायर्ड बीडीओ की पत्नी समेत मौत

बरेली, अमृत विचार : सर्दी से बचने के लिए कमरे में अंगीठी जलाकर सोने की गलती सेवानिवृत्त बीडीओ और उनकी पत्नी पर भारी पड़ी। दोनों की दम घुटने से मौत हो गई।

- राजेंद्रनगर में हादसा, सुबह कमरे से धुंआ निकलते देखकर हुई जानकारी

राजेंद्रनगर निवासी 98 वर्षीय रिटायर्ड बीडीओ उमा शंकर सक्सेना और उनकी 78 वर्षीय पत्नी कामिनी देवी रविवार रात अपने कमरे में अंगीठी जलाकर सोए थे। सोमवार सुबह उनके पोते ने उनके कमरे से धुआं निकलता देखा तो शोर मचाया। परिजनों ने कमरा खोलकर देखा तो दोनों को बेसुध पाया। बेटे डॉ. आलोक सक्सेना ने बताया कि कमरे में वेंटिलेशन नहीं था। रात भर अंगीठी जलती रहने से दोनों की दम घुटने से मौत हो गई। परिजनों ने पुलिस को सूचना दिए बगैर उनका अंतिम संस्कार कर दिया गया। हालांकि प्रेमनगर थाना प्रभारी सुरेंद्र कुमार ने बताया कि घटना की सूचना मिलने के बाद चौकी इंचार्ज को जांच के लिए मौके पर भेजा गया है।

दुष्कर्म पीड़िता के पिता की मौत के मामले में सेंगर की सजा निलंबन की याचिका रद्द

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली हाईकोर्ट ने सोमवार को उन्नाव दुष्कर्म मामले की पीड़िता के पिता की हिरासत में मौत मामले में भाजपा के निष्कासित नेता कुलदीप सिंह सेंगर की 10 साल की सजा को निलंबित करने के अनुरोध वाली याचिका खारिज कर दी। न्यायमूर्ति रविंदर डुडेजा ने कहा, राहत देने के लिए कोई आधार नहीं है।

न्यायाधीश ने कहा कि सेंगर ने हालांकि लंबा समय जेल में बिताया है, लेकिन देरी के आधार पर राहत नहीं दी जा सकती, क्योंकि यह इसलिए हुआ क्योंकि उसने अपनी सजा के खिलाफ कई अपील दायर की थीं। उन्होंने कहा, न्यायालय इस बात से अवगत है कि अपीलकर्ता को साढ़े सात वर्षों से कैद में रहना पड़ा है और अपील की सुनवाई नहीं हो सकी, लेकिन अपील की सुनवाई में देरी के कारणों में से एक यह था कि अपीलकर्ता ने अंतरिम निलंबन, जमानत की अवधि बढ़ाने और सजा के नियमित निलंबन के लिए कई आवेदन दायर किए थे। अगर अपील के गुण-दोष पर तेजी से सुनवाई होती है, तो मकसद पूरा होगा। अदालत ने मामले की अगली सुनवाई तीन फरवरी के लिए सूचीबद्ध की।

- उन्नाव दुष्कर्म मामला : अदालत ने कहा- राहत देने का आधार नहीं

दुष्कर्म पीड़िता ने कहा- फैसले से सुकून मिला

दुष्कर्म पीड़िता ने अदालत के फैसले पर कहा कि इस फैसले से उन्हें सुकून मिला है। मेरे पिता की आत्मा को भी कुछ शांति मिली है। मैंने अब तक अपने पिता की तेरहवीं की रस्में नहीं की हैं। जब तक उनके हत्यारों को मौत की सजा नहीं मिलती, उनकी आत्मा को सच्ची शांति नहीं मिलेगी। उन्होंने कहा, सेंगर, उसके भाई अतुल सिंह सेंगर और इस साजिश में संलिप्त सभी लोगों को मौत की सजा मिलनी चाहिए। यह सिर्फ मेरी लड़ाई नहीं है, यह न्याय और सच्चाई की लड़ाई है, मैं इसे आखिरी सांस तक जारी रखूंगी।

निर्विरोध | पार्टी के शीर्ष पद के लिए एकमात्र उम्मीदवार के प्रस्तावकों में मोदी, शाह, राजनाथ, गडकरी, नड्डा शामिल

नितिन नवीन बने भाजपा के सबसे युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष

- पक्ष में दाखिल किए नामांकन के 37 सेट, सभी वैध पाए

नई दिल्ली, एजेंसी

नितिन नवीन का सोमवार को नामांकन के दिन ही भाजपा का अगला राष्ट्रीय अध्यक्ष बनना तय हो गया। पार्टी के शीर्ष पद के लिए हो रहे चुनाव में एकमात्र उम्मीदवार हैं। भाजपा के वरिष्ठ नेता और अध्यक्ष पद के चुनाव के लिए निर्वाचन अधिकारी के. लक्ष्मण के मुताबिक उनके पक्ष में नामांकन पत्रों के 37 सेट दाखिल किए गए जिन्हें वैध पाया गया।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के लिए नवीन की उम्मीदवारी का प्रस्ताव रखने वालों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी शामिल हैं। इसके अलावा पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा और केंद्रीय मंत्री अमित शाह, राजनाथ सिंह और नितिन गडकरी सहित कई वरिष्ठ भाजपा नेता भी उनके प्रस्तावक बने। लक्ष्मण ने बताया कि कार्यक्रम के अनुसार, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के नामांकन की प्रक्रिया सोमवार को अपराह्न दो बजे से चार बजे के बीच पूरी हो गई। उन्होंने कहा, नितिन नवीन के पक्ष में दाखिल सभी 37 नामांकन सेट वैध पाए गए हैं।

भाजपा अध्यक्ष की नामांकन प्रक्रिया में पहुंचे शाह, राजनाथ समेत कई वरिष्ठ नेता।

योगी समेत कई मुख्यमंत्री हुए शामिल

नामांकन प्रक्रिया शुरू होने से पहले उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत और मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव भी पार्टी मुख्यालय पहुंचे। इन मुख्यमंत्रियों ने नामांकन प्रक्रिया में हिस्सा लिया।

मोदी की मौजूदगी में आज संभालेंगे जिम्मेदारी

भाजपा के सबसे युवा अध्यक्ष बनने जा रहे नितिन नवीन को मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में पूर्णकालिक स्थाई अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सौंपी जाएगी। सोमवार को ही भाजपा मुख्यालय में नए अध्यक्ष की ताजपोशी को लेकर होने वाले कार्यक्रम के लिए तैयारियां शुरू हो गईं। पार्टी सूत्रों के अनुसार नितिन नवीन को आधिकारिक रूप से राष्ट्रीय अध्यक्ष घोषित किए जाने के अवसर पर पार्टी मुख्यालय में बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ताओं की भीड़ जुटने का अनुमान है। करीब 45 साल की उम्र में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने वाले नितिन नवीन पहले नेता हैं।

अमृत विचार

बरेली, मंगलवार, 20 जनवरी 2026

न्यूज ब्रीफ

कौशल प्रतियोगिता का दूसरा चरण शुरू

अमृत विचार, लखनऊ : इंडिया स्किल्स प्रतियोगिता-2026 के अंतर्गत राज्य स्तरीय कौशल प्रतियोगिता के दूसरे चरण की शुरुआत सोमवार से लखनऊ में हो गई। यह प्रतियोगिता 20 जनवरी तक आयोजित की जाएगी, जिसमें प्रदेश के सभी 18 मंडलों का प्रतिनिधित्व करने वाले 391 युवा प्रतिभागी भाग ले रहे हैं। कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल ने बताया कि इससे पूर्व प्रतियोगिता का पहला चरण 13 जनवरी को सफलतापूर्वक संपन्न हुआ था, जिसमें 451 युवाओं ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

एआई क्षेत्र की कंपनियां आज करेंगी मंथन

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश सरकार आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को शासन, उद्योग और स्किल डेवलपमेंट का मजबूत आधार बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाने जा रही है। प्रदेश में एआई आधारित नवाचार और भविष्य की जरूरतों के अनुरूप टैलेंट तैयार करने के उद्देश्य से 'एआई लेड इनोवेशन एंड कैपेसिटी बिल्डिंग कॉन्फ्रेंस' का आयोजन 20 जनवरी को लखनऊ के होटल सेंट्रम में किया गया है। यह जानकारी देते हुए आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग यादव ने बताया कि माइक्रोसॉफ्ट, गूगल, टीसीएस, एचसीएल, इंटेल सहित दिग्गज कंपनियां, शैक्षणिक संस्थान और स्टार्टअप्स एक मंच पर जुटेंगे।

दावोस में तेज हुआ यूपी का निवेश अभियान

अमृत विचार, लखनऊ : वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना के नेतृत्व में स्विट्जरलैंड के दावोस में आयोजित वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम (डब्ल्यूईएफ) में प्रदेश सरकार के प्रतिनिधिमंडल ने देश-विदेश के प्रमुख निवेशकों के साथ बैठक कर निवेश अवसरों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया। अंतर्राष्ट्रीय कंपनी लुई ड्रेफस सहित कई वैश्विक निवेशकों के साथ संवाद किया। प्रतिनिधिमंडल ने नैस्डेक में सूचीबद्ध वैश्विक डिजिटल सेवा प्रदाता सिफी टेक्नोलॉजीज के साथ निवेश संभावनाओं पर विस्तृत चर्चा की।

यूपी दिवस पर सजेगी सांस्कृतिक संध्या

अमृत विचार, लखनऊ : 'यूपी दिवस-2026' के अवसर पर प्रदेश की समृद्ध कला, संस्कृति और परंपराओं की भव्य झलक राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में देखने को मिलेगी। पर्यटन विभाग द्वारा 24 जनवरी को शाम से दिल्ली हाट में विशेष सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में प्रवासी उप्र. वासियों, 18 से 20 देशों के राजनयिकों, भारत सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों और प्रदेश के विशिष्टजन आमंत्रित हैं।

आगरा में नही रुक रहा उर्स का विरोध

आगरा, एजेंसी : आगरा में ताजमहल पर हुए उर्स का विरोध रुकने के नाम नहीं ले रहा है। सोमवार को आगरा लाल किला के सामने राष्ट्रीय बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। राष्ट्रीय बजरंग दल के कार्यकर्ता ताजमहल भगवा कम्बल लेकर जा रहे थे लेकिन पुलिस ने उनको रोक लिया। दरअसल राष्ट्रीय बजरंग दल ताजमहल को तेजोमहालय मंदिर मानते हैं और मंदिर को मानते हुए कार्यकर्ता भगवा कम्बल ले जा रहे थे। कार्यकर्ताओं का कहना है कि तेजोमहालय यानी ताजमहल में शिव भगवान को भगवा कम्बल अर्पित करने जा रहे थे। उनकी मांग थी कि जब उर्स की अनुमति है तो कम्बल की अनुमति भी मिलनी चाहिए।

बेघर की गई सीमा को मिला न्याय का भरोसा

जनता दर्शन में आई महिला ने मुख्यमंत्री योगी को सुनाया दुखड़ा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- सीएम ने पुलिस आयुक्त को उचित कार्रवाई करने के दिए निर्देश

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार सुबह 'जनता दर्शन' के दौरान प्रदेश भर से आए फरियादियों की समस्याएं सुनीं और उनके त्वरित समाधान के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए। इसी क्रम में लखनऊ निवासी महिला सीमा ने अपनी आर्थिक विपन्नता और पति द्वारा घर से निकाले जाने की पीड़ा मुख्यमंत्री के समक्ष रखी। मुख्यमंत्री ने मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस आयुक्त को तत्काल उचित कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

लखनऊ निवासी सीमा अपनी दो बच्चियों के साथ 'जनता दर्शन' में पहुंचीं। उन्होंने बताया कि ससुर के निधन के बाद पति और ससुराल वालों ने उन्हें घर से निकाल दिया है। दो छोटी बच्चियों के साथ वह दर-दर भटकने को मजबूर हैं। उन्होंने ससुराल में रहने का अधिकार दिलाने और बच्चों के लालन-पालन के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लगाई। मुख्यमंत्री ने प्रकरण का संज्ञान लेते हुए पुलिस आयुक्त को तुरंत आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए।

नन्ही अनन्या ने किया भाव-विभोर

मुख्यमंत्री योगी ने जनता दर्शन में अपने माता-पिता के साथ आए सभी बच्चों को चॉकलेट दी और मन लगाकर पढ़ाई करने को कहा। इस दौरान मां सीमा के साथ दो साल की नन्ही अनन्या भी आई थी। चॉकलेट पाकर बच्ची खिलखिला उठी। जब मुख्यमंत्री ने उससे चॉकलेट मांगी तो उसने बड़ी मासूमियत से चॉकलेट वापस सीएम की तरफ बढ़ा दी। यह देखकर मुख्यमंत्री का बाल प्रेम उमड़ पड़ा। इस दौरान नन्ही बच्ची की भाव भंगिमा और मुख्यमंत्री का संवाद देखकर वहां मौजूद हर व्यक्ति भाव-विभोर हो गया।

पुलिस व आर्थिक सहायता से जुड़े प्रकरण भी आए : 'जनता दर्शन' में पुलिस, बिजली विभाग और आर्थिक सहायता से जुड़े कई प्रकरण सामने आए। मुख्यमंत्री ने स्वयं प्रार्थना पत्र लेकर अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी मामलों की जांच कर समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जाए। इलाज के लिए आर्थिक सहायता मांगने वाले फरियादियों से अस्पताल का एस्टिमेट मंगाने को कहा। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार हर सुख-दुख में प्रदेशवासियों के साथ खड़ी है और हर उचित समस्या का समाधान कराया जाएगा।

जनता दर्शन में महिला फरियादी के साथ आई बच्ची अनन्या मुख्यमंत्री योगी से चॉकलेट पाकर खिलखिला उठी।

ओटीएस योजना में 4000 करोड़ रुपये मिला राजस्व

37 लाख से अधिक उपभोक्ताओं ने कराया पंजीकरण

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- कॉरपोरेशन अध्यक्ष ने दिए निर्देश क्षेत्र में कराई जाए मुनादी
- बकाया नोटिस देने के साथ पंपलेट वितरण करने को कहा

अमृत विचार : सोमवार को शक्ति भवन में आयोजित बैठक में यूपीपीसीएल के अध्यक्ष डॉ. आशीष गोयल ने कहा कि पहली दिसम्बर 2025 से पूरे प्रदेश में शुरू की गई बिजली बिल राहत योजना को उपभोक्ताओं का अच्छा समर्थन मिल रहा है। अब तक लगभग 37 लाख से अधिक उपभोक्ताओं ने योजना में लाभ के लिए पंजीकरण कराया है, जिससे कारपोरेशन को लगभग 4000 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ है।

उन्होंने आगे कहा कि यह उपलब्धि सराहनीय है, लेकिन अभी और अधिक प्रयास की आवश्यकता है। उन्होंने सभी वरिष्ठ अधिकारियों को निर्देश दिए कि दूसरा चरण खत्म होने को है, इसलिए सभी कर्मचारी, अधिकारी वे अपने-अपने क्षेत्रों के बकायेदार उपभोक्ताओं से व्यक्तिगत रूप से संपर्क करें, फोन कॉल के माध्यम से उन्हें योजना के लाभों की जानकारी दें। इसके साथ ही उन्होंने निर्देश दिए कि हर इलाके में मुनादी कराई जाए, बकाया नोटिस दिए जाने के साथ पंपलेट और सूचना पर्चियों का वितरण किया जाए। इसके लिए माइक्रो प्लान बनाकर कार्मिकों और फिनटेक एजेंसियों को सक्रिय रूप से लगाया जाए। डॉ. गोयल ने आगे कहा कि बिजली चोरी के मामलों में भी उपभोक्ताओं को योजना के माध्यम से मुकदमे और एफआईआर के निस्तारण की सुविधा के बारे में बताया जाए, ताकि वे कोर्ट कचहरी के चक्कर से बच सकें। उन्होंने साफ किया कि विद्युत चोरी से जुड़े प्रत्येक उपभोक्ता से संपर्क कर उन्हें योजना का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया जाए। जिन क्षेत्रों में अधिक संख्या में बकायेदार उपभोक्ता हैं, वहां विशेष रणनीति बनाकर कार्य किया जाए। गांवों और क्षेत्रों में शिविर लगाए जाएं, जहां अधिकारी अपने कार्मिकों के साथ जाकर पूरे गांव के बकायेदार उपभोक्ताओं का पंजीकरण सुनिश्चित करें।

बैठक करते कॉरपोरेशन अध्यक्ष डॉ. आशीष गोयल। अमृत विचार

ओटीएस योजना में पूर्वांचल डिस्कॉम रहा अव्वल

कॉरपोरेशन अध्यक्ष ने बताया कि ओटीएस योजना में पूर्वांचल डिस्कॉम का प्रदर्शन शानदार रहा है, जहां 13,76,621 उपभोक्ताओं ने पंजीकरण कराया है और लगभग 1590 करोड़ रुपये की वसूली हुई है।

कार्मिकों के लिए शुरू की गई प्रोत्साहन योजना

योजना के अंतर्गत कार्मिकों के लिए प्रोत्साहन योजना भी लागू की गई है। अच्छा प्रदर्शन करने वाले कार्मिकों और कलेक्शन एजेंसियों को प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी। योजना के खत्म होने के बाद डिस्कॉम की प्रगति की समीक्षा की जाएगी, जिसमें निर्धारित मानकों से बेहतर प्रदर्शन करने वाले 10 अधिशासी अभियंताओं, 20 उपखंड अधिकारियों और 30 अवर अभियंताओं को प्रशस्ति पत्र के साथ प्रोत्साहन धनराशि दी जाएगी।

युवराज मेहता की मौत की जांच करेगी एसआईटी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- नोएडा की घटना का मुख्यमंत्री योगी ने लिया संज्ञान, दिए निर्देश
- एडीजी जोन मेरठ के नेतृत्व में तीन सदस्यीय एसआईटी गठित, 5 दिन में सौंपेगी रिपोर्ट

अमृत विचार: प्रदेश के नोएडा सेक्टर-150 में 27 वर्षीय सॉफ्टवेयर इंजीनियर युवराज मेहता की मौत ने प्रशासनिक लापरवाही और व्यवस्था की संवेदनहीनता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। हादसे का मुख्यमंत्री ने संज्ञान लिया है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर घटना की निष्पक्ष और विस्तृत जांच के लिए मेरठ जोन के एडीजी के नेतृत्व में तीन सदस्यीय विशेष जांच टीम (एसआईटी) का गठन कर दिया गया है, जो पांच दिनों के भीतर अपनी रिपोर्ट मुख्यमंत्री को सौंपेगी।

मुख्यमंत्री के आदेश पर गठित एसआईटी में मंडलायुक्त मेरठ और लोक निर्माण विभाग के चीफ इंजीनियर को भी सदस्य के रूप में शामिल किया गया है। विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों को शामिल कर गठित यह टीम हादसे से जुड़े सभी पहलुओं सड़क सुरक्षा, निर्माण एवं रखरखाव, प्रशासनिक जिम्मेदारी और संभावित लापरवाही की गहन जांच करेगी। घटना को लेकर प्रशासनिक स्तर पर भी हलचल तेज हो गई है। एसडीएम सदर आशुतोष गुप्ता ने घटनास्थल का दौरा कर निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि जांच के बाद जिम्मेदार अधिकारी या विभाग को बख्शा नहीं जाएगा।

मृतक युवराज मेहता का फाइल फोटो।

नोएडा प्राधिकरण के सीईओ हटाए गए

नोएडा हादसे को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने त्वरित कार्रवाई करते हुए नोएडा प्राधिकरण के सीईओ लोकेश एम को पद से हटा दिया है। उन्हें प्रतीक्षारत किया गया। प्रशासनिक जवाबदेही की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है। सूत्रों के अनुसार, सीएम ने साफ निर्देश दिए हैं कि जांच में यदि किसी भी स्तर पर लापरवाही या दोष सामने आता है तो संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

घने कोहरे में नाले में गिरी थी कार

पुलिस के अनुसार, घने कोहरे के कारण युवराज मेहता की कार अनियंत्रित होकर करीब 20 फुट से अधिक गहरे पानी से भरे नाले में गिर गई। हादसे में युवराज की मौके पर ही मौत हो गई। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि दुर्घटनास्थल पर न तो पर्याप्त चेतावनी संकेतक थे और न ही बैरिकेडिंग की समुचित व्यवस्था, जिससे हादसे की आशंका पहले से बनी हुई थी।

अमित टाटा व आलोक सिंह को जमानत नहीं

विधि संवाददाता, लखनऊ : फेंसेडिल कफ सिरप और कोडिनयुक्त दवाओं को नशे के रूप में प्रयोग करने के लिए भंडारण करने, व्यापार करने और उप्र, बिहार, झारखंड, आसाम, पश्चिम बंगाल और बांग्लादेश भेज कर करोड़ों रुपये का मुनाफा कमाने वाले आरोपी अमित कुमार सिंह उर्फ टाटा और आलोक प्रताप सिंह की ओर से अलग-अलग दी गई जमानत अर्जी को एनडीपीएस एक्ट के विशेष न्यायाधीश अरुण कुमार राय ने खारिज कर दिया। कोर्ट में सरकारी वकील ने दोनों आरोपियों की ओर से अलग अलग दी गई जमानत अर्जियों का विरोध करते हुए बताया कि मामले की रिपोर्ट सुशांत गोल्फ सिटी थाने में दर्ज हुई थी। बाद में शासन ने विवेचना एसटीएफ को सौंप दी थी।

आरटीई के तहत निजी विद्यालयों में दाखिले को दो फरवरी से होंगे आवेदन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

चरण	आवेदन तिथि
प्रथम चरण-	2 से 16 फरवरी तक
द्वितीय चरण -	21 फरवरी से 7 मार्च
तृतीय चरण-	12 से 25 मार्च तक

अमृत विचार : प्रदेश में शिक्षा का अधिकार अधिनियम (आरटीई) के तहत निजी विद्यालयों में 25 प्रतिशत सीटों पर निःशुल्क दाखिले की प्रक्रिया शुरू होगी। स्कूल शिक्षा एवं राज्य परियोजना निदेशक (समग्र शिक्षा), महानिदेशक कार्यालय ने शैक्षिक सत्र 2026-27 के लिए कक्षा-1, पूर्व-प्राथमिक में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन की समय-सारणी जारी कर दी है। प्रवेश प्रक्रिया तीन चरणों में पूरी होगी, जिसमें आवेदन, सत्यापन, लॉटरी और दाखिले की अंतिम तिथि तय की गई है।

ऑनलाइन आवेदन के लिए अभिभावकों को आय प्रमाण पत्र, निवास प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, दिव्यांग प्रमाण पत्र सहित जरूरी दस्तावेज पहले से तैयार रखने को कहा गया है। शासन ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि प्रक्रिया समयबद्ध, पारदर्शी और पात्रता के आधार पर पूरी कराई जाए, ताकि वंचित व जरूरतमंद बच्चों को निःशुल्क शिक्षा का लाभ समय पर मिल सके।

बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह ने कहा कि यह पहल शिक्षा में सामाजिक न्याय और समावेशन को मजबूत करने की दिशा में सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

महानिदेशक स्कूल शिक्षा मोनिका रानी ने कहा कि ऑनलाइन आवेदन, सत्यापन और लॉटरी प्रणाली के माध्यम से यह सुनिश्चित किया जाएगा कि पात्र बच्चों को निर्धारित समय में निजी विद्यालयों में प्रवेश मिल सके। शिक्षा विभाग इस प्रक्रिया की सतत निगरानी करेगा।

परियोजनाओं में देरी पर ठेकेदार के साथ अधिकारी भी होंगे दंडित

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 15 दिनों में स्थलीय निरीक्षण अनिवार्य : केशव प्रसाद मौर्य

अमृत विचार : उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने स्पष्ट किया है कि विकास परियोजनाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही या देरी को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। यदि किसी परियोजना में समय-सीमा का उल्लंघन पाया गया तो ठेकेदारों के साथ-साथ संबंधित जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध भी सख्त कार्रवाई की जाएगी।

उप मुख्यमंत्री द्वारा बीते दिनों ग्रामीण अभियंत्रण विभाग की समीक्षा बैठक में दिए गए निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन शुरू हो गया है। वित्तीय वर्ष 2025-26 के व्यय विवरण में बताया गया कि ग्रामीण अभियंत्रण विभाग के लिए कुल 709.88 करोड़ रुपये के बजट का प्रावधान किया गया है, जिसमें से 431.03 करोड़ की स्वीकृति शासन द्वारा प्रदान की गई है। स्वीकृत धनराशि में अबतक 215.19 करोड़ का व्यय किया जा चुका है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि बचत की धनराशि का उपयोग जनहितकारी कार्यों में किया जाएगा। ई-ऑफिस संचालन, अभिलेखों के डिजिटलीकरण तथा अन्य मदों में पुनर्विनियोग के प्रस्तावों पर भी कार्रवाई चल रही है।

यातायात नियमों के पालन से दुर्घटनाएं होंगी कम : दयाशंकर

सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता विषयक प्रशिक्षण शिविर में परिवहन राज्य मंत्री ने किया संबोधित

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : परिवहन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों को कम करने के लिए जन जागरूकता सबसे महत्वपूर्ण है। यदि लोग स्वयं यातायात नियमों को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बना लें, तो सड़क हादसों में होने वाली मृत्यु में 50 प्रतिशत तक की कमी लाई जा सकती है। उक्त क्रम में ही सरकार ने दोपहिया वाहन खरीदते समय डीलर पॉइंट पर दो हेलमेट अनिवार्य किए हैं।

परिवहन मंत्री, सोमवार को विश्वेश्वरैया सभागार में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता एवं दक्षता विकसित करने के उद्देश्य से आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला की शुरुआत करने के बाद बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि दो हेलमेट की अनिवार्यता के साथ ही "नो हेलमेट, नो फ्यूल" का नियम भी लागू है, लेकिन इसके प्रभावी क्रियान्वयन के लिए आमजन की भागीदारी जरूरी है।

अपर मुख्य सचिव अर्चना अग्रवाल ने कहा कि सड़क सुरक्षा सभी विभागों के समन्वित प्रयास से ही संभव है। लोकनिर्माण विभाग के प्रमुख सचिव अजय चौहान ने 4-ई (एजुकेशन, एनफोर्समेंट, इंजीनियरिंग और इमरजेंसी केयर) पर जोर दिया। परिवहन आयुक्त किंजल सिंह ने बताया कि विभाग द्वारा ओवरस्पीड और ओवरलोड वाहनों पर लगातार कार्रवाई की जा रही है।

इंस्टीट्यूट ऑफ रोड ट्रैफिक एजुकेशन, फरीदाबाद के निदेशक रोहिता बलूजा ने कहा कि दुर्घटनाओं के पीछे कई कारक जिम्मेदार होते हैं। धुंध में होने वाली दुर्घटना का कारण धुंध नहीं, बल्कि तेज रफ्तार होती है।

सड़क सुरक्षा को लेकर आयोजित प्रशिक्षण कार्यशाला के दौरान जागरूकता पुस्तिका का विमोचन करते मंत्री दयाशंकर सिंह व अन्य।

उपलब्धि साइबरटेक ग्लोबल तेल अवीव-2026 में साइबर टेक्नोलॉजी समझाएंगे यूपी के सुपर कॉप

इजरायल में दिखेगी यूपी की साइबर शक्ति

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित साइबर सुरक्षा मंचों में शामिल 'साइबरटेक ग्लोबल तेल अवीव-2026' में इस बार भारत, और खास तौर पर उत्तर प्रदेश की साइबर ताकत अंतरराष्ट्रीय मंच पर प्रभावी ढंग से पेश होगी। 26 से 28 जनवरी तक इजरायल के तेल अवीव में होने वाले इस सम्मेलन में यूपी के साइबर विशेषज्ञ भारत की तकनीकी क्षमता, नवाचार और प्रशासनिक अनुभव साझा करेंगे।

सम्मेलन में भारत से दो दिग्गज विशेषज्ञ चीफ मेंटर के रूप में भाग लेंगे- पूर्व राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा समन्वयक माधवन उन्नीकृष्णन नायर और यूपी से एशिया के 'साइबर कॉप' कहे जाने वाले प्रो. त्रिवेणी सिंह। दोनों विशेषज्ञ अंतरराष्ट्रीय नीति-निर्माताओं, वैज्ञानिकों और टेक इंडस्ट्री लीडर्स के सामने भारत के साइबर सुरक्षा मॉडल और जमीनी स्तर पर अपनाए गए उपायों को प्रस्तुत करेंगे। इस सम्मेलन में अमेरिका, जापान, इंग्लैंड, जर्मनी, स्पेन, इटली, नीदरलैंड, बेल्जियम, रोमानिया, हंगरी, फिलीपींस और यूएई सहित 20 से अधिक देशों के साइबर विशेषज्ञ हिस्सा लेंगे। ये सभी साइबर अपराध, एआई आधारित सुरक्षा, वित्तीय धोखाधड़ी, क्रिटिकल इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोटेक्शन और साइबर आतंकवाद जैसी वैश्विक चुनौतियों पर मंथन करेंगे।

यूपी के अनुभव से सीखेंगे अन्य देश

प्रो. त्रिवेणी सिंह अपने 25 वर्षों के अनुभव के आधार पर बताएंगे कि कैसे उत्तर प्रदेश ने साइबर अपराध और वित्तीय फ्रॉड से निपटने के लिए तकनीक-सक्षम और त्वरित रिस्पॉन्स सिस्टम विकसित किया है। वहीं, माधवन नायर भारत के राष्ट्रीय साइबर फ्रेमवर्क और नीति निर्माण के अनुभव साझा करेंगे।

साइबर सहयोग और व्यापारिक अवसरों पर फोकस

सम्मेलन में इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू भी प्रमुख वक्ता होंगे। भारत समेत कई देशों के साथ साइबर सुरक्षा सहयोग, टेक्नोलॉजी साझेदारी और साइबर बिज़नेस संभावनाओं पर चर्चा होगी। साथ ही भारत में साइबर स्टार्टअप्स, निवेश और रिसर्च के नए अवसरों पर भी मंथन होगा।

दिव्यांगजनों को बनाया आत्मनिर्भर : कश्यप

अमृत विचार, लखनऊ : पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नरेन्द्र कश्यप ने कहा कि सरकार बीते साढ़े आठ वर्षों से दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर, स्वावलंबी और सम्मानजनक जीवन देने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। प्रदेश के 11.5 लाख दिव्यांगजनों को 12 हजार रुपये वार्षिक भरण-पोषण दिया जा रहा है, जो वर्ष 2017 से पूर्व मात्र 300 रुपये प्रतिमाह था। मंत्री नरेन्द्र कश्यप ने प्रतापगढ़ में आयोजित 'दिव्य कला एवं कौशल प्रदर्शनी' के उद्घाटन अवसर पर बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रदेशभर में दिव्य कला एवं कौशल प्रदर्शनियों के माध्यम से दिव्यांगजनों को उनके हुनर का मंच दिया जा रहा है।

हजारों युवाओं को विदेश में रोजगार के अवसर, टेस्टिंग प्रक्रिया जारी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- प्रमुख सचिव श्रम ने कहा- अब तक 5,978 निर्माण श्रमिक इजरायल भेजे
- 1,336 निर्माण श्रमिकों को इजरायल भेजने की तैयारी 2,600 का लिया जा रहा टेस्ट

अमृत विचार: श्रम एवं सेवायोजन विभाग की सक्रियता से अब प्रदेश के युवाओं को न केवल देश में, बल्कि विदेशों में भी सम्मानजनक और सुरक्षित रोजगार के अवसर मिल रहे हैं। प्रमुख सचिव श्रम एवं सेवायोजन एमके शनमुगा सुंदरम के अनुसार, जनवरी से मार्च 2024 के बीच निर्माण श्रमिकों की टेस्टिंग, प्रशिक्षण और अन्य आवश्यक औपचारिकताएं पूरी कर उन्हें इजरायल भेजने की प्रक्रिया शुरू की गई। अब तक लगभग 5,978 निर्माण श्रमिक इजरायल भेजे जा चुके हैं, जहां वे बेहतर वेतन, सुरक्षित कार्यस्थल और आधुनिक तकनीक के साथ काम कर रहे हैं। वर्तमान में 1,336 निर्माण श्रमिकों को प्रशिक्षण देने के बाद इजराइल भेजने की तैयारी अंतिम चरण में है। इसके अलावा 2,600 श्रमिकों की टेस्टिंग प्रक्रिया जारी है। आवश्यक मानकों पर खरा उतरने वाले इन श्रमिकों को शीघ्र ही विदेश में रोजगार उपलब्ध कराया जाएगा।

योगी सरकार के प्रयासों का सकारात्मक परिणाम यह है कि श्रम एवं सेवायोजन विभाग को जर्मनी, जापान, इजराइल और यूएई जैसे देशों से भी रोजगार के अवसर प्राप्त हो रहे हैं। इन देशों में विशेष रूप से केयरिंग और नर्सिंग सेक्टर में रिक्तियां सामने आई हैं, जिससे प्रदेश के प्रशिक्षित युवाओं के लिए नए द्वार खुल रहे हैं।

न्यूज ब्रीफ

पिकनिक मनाने को गया युवक खाई में गिरा, मौत

नैनीताल : स्नोव्यू क्षेत्र के जंगल में दोस्तो के साथ पार्टी कर रहा युवक असंतुलित होकर खाई में गिर गया। करीब एक घंटे के रेस्क्यू अभियान के बाद युवक को खाई से निकालकर सरकारी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। युवक की मौत के बाद परिजनों में कोहराम मचा है। पुलिस के मुताबिक ब्रेसाइड सात नंबर निवासी भुवन राम आर्या छह दोस्तों के साथ पार्टी करने हिमालय दर्शन क्षेत्र गया था। सभी दोस्तों ने मिलकर शराब पी। इस दौरान भुवन पहाड़ी से नीचे को लघुशंका करने लगा। नशा होने के कारण अचानक उसका संतुलन बिगड़ा और वह खाई में गिर गया।

नवविवाहिता ने शादी के 56 वें दिन फांसी लगाई

कुशीनगर, एजेंसी : जिले के विशुनपुरा थानाक्षेत्र में शादी के 56 वें दिन एक नवविवाहिता ने कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। महिला के मायके वालों ने दहेज हत्या का आरोप लगाया है। पुलिस ने उनकी शिकायत पर इस मामले में महिला के पति समेत छह लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार विशुनपुरा थानाक्षेत्र में दुदही के वार्ड-9 लालबहादुर शास्त्री नगर में रविवार को विवेक जायसवाल (24) की पत्नी नेहा नाश्ता करने के बाद अपने बेडरूम के बगल के कमरे में जाकर फांसी लगा ली।

अनैतिक कार्य, पांच बच्चों के खिलाफ रिपोर्ट

सोनभद्र, एजेंसी : जिले में कर्मा थानाक्षेत्र के बहेरा गांव में रविवार रात एक शिव मंदिर की दीवार पर अल्पसंख्यक समुदाय के लड़कों द्वारा कथित तौर पर पेशाब किए जाने तथा विरोध करने पर जान से मारने की धमकी दिये जाने को लेकर पुलिस ने पांच नाबालिगों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की है। अपर पुलिस अधीक्षक (एएसपी) अनिल कुमार ने सोमवार को बताया कि बहेरा गांव में एक मंदिर है जहां दूसरे समुदाय के कुछ नाबालिग बच्चों द्वारा अनैतिक एवं ग़ैर क़ानूनी कार्य किया जा रहा था ।

बच्ची के दुष्कर्मी तहेरे भाई को उम्रकैद

अमरोहा, अमृत विचार : 6 वर्षीय बच्ची के साथ दुष्कर्म करने वाले तहेरे भाई को अदालत ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही उस पर 40 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है। अदालत ने 5 महीने 10 दिन में फैसला सुना दिया। यह मामला थाना रजबपुर क्षेत्र के गांव का है। दरअसल 9 अगस्त 2025 को गांव के निवासी किसान की छह वर्षीय बेटी को घर में अकेला पाकर गांव में ही रहने वाला उसका तहेरा भाई बहलाकर अपने साथ जंगल में ले गया था।

बीएलओ को ड्यूटी के दौरान हार्ट अटैक

बिलासपुर, अमृत विचार : विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एसआईआर) में लगे बीएलओ को ड्यूटी के दौरान हार्ट अटैक आ गया। उन्हें हायर सेंटर भेजा है। बेटे ने तहसील प्रशासन आरोप लगाते हुए वीडियो जारी किया है। नगर के मोहल्ला सिंह कॉलोनी निवासी बोहरन लाल गंगवार (59) बूथ संख्या 87 पर बीएलओ हैं। सोमवार की दोपहर बीएलओ माटखेड़ा रोड स्थित श्री गुरु नानक इंटर कॉलेज में प्रपत्रों की जांच कर रहे थे तभी सीने में दर्द होने लगा और वह नीचे जमीन पर गिर पड़े। आनन-फानन में उन्हें नगर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए जहां चिकित्सकों ने हायर सेंटर रेफर कर दिया है।

तलाक की घोषणा के बाद प्रतीक यादव ने अपर्णा पर लगाए गंभीर आरोप

जिंदगी में इससे बड़ा झूठा, स्वार्थी आज तक नहीं देखा...

- मुलायम सिंह यादव परिवार में खुलकर सामने आई दरार राजनीति गरमाई

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: समाजवादी पार्टी के संस्थापक और पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव के परिवार में एक बार फिर निजी रिश्तों को लेकर बड़ा विवाद सामने आया है।

उनके छोटे पुत्र प्रतीक यादव और पत्नी, उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव के वैवाहिक संबंधों में दरार अब सार्वजनिक हो गई है। सोमवार को प्रतीक यादव ने सोशल मीडिया मंच इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर न सिर्फ अपर्णा यादव से जल्द तलाक लेने की घोषणा की, बल्कि देर शाम एक और पोस्ट डालकर पत्नी पर बेहद गंभीर आरोप भी लगाए। हालांकि अमृत विचार वायरल पोस्ट की पुष्टि नहीं करता। सोमवार सुबह करीब 11 बजे प्रतीक यादव के इंस्टाग्राम अकाउंट @iamprateekyadav से की गई पोस्ट में लिखा गया कि वह अपर्णा यादव को जल्द से जल्द तलाक देने जा रहे हैं। पोस्ट में आरोप लगाया गया कि अपर्णा ने उनके परिवार के रिश्ते खराब कर दिए और वह केवल प्रसिद्ध और प्रभावशाली बनने की चाह में जी रही हैं। पोस्ट में यह भी कहा गया कि इस पूरे घटनाक्रम से उनकी मानसिक स्थिति बेहद खराब हो चुकी है, लेकिन पत्नी को इसकी कोई परवाह नहीं है। प्रतीक ने अपनी पोस्ट में यहां तक लिखा कि वह खुद को बदकिस्मत मानते हैं कि उनकी शादी अपर्णा से हुई। इस पोस्ट के साथ उन्होंने अपर्णा यादव

अपर्णा और प्रतीक यादव।

की एक तस्वीर साझा करते हुए उस पर ए फैमिली डिस्ट्रॉयर लिखा। इस पोस्ट के सामने आते ही राजनीतिक गलियारों में हलचल तेज हो गई।

हालांकि कुछ ही घंटों बाद अपर्णा यादव के भाई अमन बिष्ट ने दावा किया कि प्रतीक यादव का सोशल मीडिया अकाउंट हैक हो गया है और यह पोस्ट किसी हैकर द्वारा की गई है। उन्होंने यह भी कहा कि अकाउंट रिकवर कराने की प्रक्रिया चल रही है।

इसके बावजूद सोमवार शाम तक इस संबंध में पुलिस को कोई औपचारिक शिकायत नहीं दी गई। लेकिन विवाद यहीं थमता नजर नहीं आया। शाम करीब सवा सात बजे उसी अकाउंट से एक और पोस्ट सामने आई, जिसने पूरे मामले को और गंभीर बना दिया। इस दूसरी पोस्ट में भी अपर्णा यादव की तस्वीर साझा की गई और लिखा गया कि उन्होंने प्रतीक का रिश्ता उनकी मां, पिता और भाई तीनों से तुड़वा दिया। पोस्ट में बेहद कड़े शब्दों का इस्तेमाल करते हुए लिखा गया की मैं अपने बच्चे की कसम खाकर कहता हूं, इससे बड़ा झूठा और स्वार्थी मैंने अपनी जिंदगी में नहीं देखा। इस दूसरी पोस्ट के बाद अकाउंट हैक होने के दावे पर भी सवाल खड़े होने लगे हैं।

बताया जा रहा है कि प्रतीक यादव इस समय देश से बाहर हैं। पूरे मामले पर अब तक अपर्णा यादव की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। उनसे संपर्क करने की कोशिश की गई, लेकिन उनका फोन बंद मिला और संदेशों का भी कोई जवाब नहीं आया। प्रतीक यादव, मुलायम सिंह यादव की दूसरी पत्नी साधना गुप्ता के पुत्र हैं।

एटा में ईंटों से सिर कुचलकर एक ही परिवार के चार सदस्यों की हत्या

- मृतकों में तीन महिलाएं, हत्यारों की तलाश में पुलिस टीम गठित, इलाके में तनाव

एटा, एजेंसी। एटा में सोमवार को एक ही परिवार की तीन महिलाओं समेत चार सदस्यों की ईंटों से कुचलकर हत्या कर दी गई। पुलिस फिलहाल यह पता नहीं लगा पाई है कि यह घटना कब और कैसे हुई। सोमवार सुबह हत्याकांड की खबर फैलने के बाद मौके पर सैकड़ों लोगों की भीड़ इकट्ठी हो गई।

पुलिस के मुताबिक सुनहरी नगर नगला प्रेमी मोहल्ले में अज्ञात लोगों ने एक घर में घुसकर तीन महिलाओं समेत चार लोगों को ईंटों से कुचलकर मार डाला। मृतकों की पहचान गंगा सिंह (70), उनकी पत्नी श्यामा देवी (65) और उनकी बेटी ज्योति (23) तथा कमल सिंह की पत्नी रत्ना सिंह के रूप में हुई है। पुलिस के पहुंचने तक गंभीर घायल रत्ना सिंह जीवित थीं लेकिन एटा मेडिकल कॉलेज में उपचार के दौरान उन्होंने भी दम तोड़ दिया।

एएसपी श्वेताभ पांडे ने बताया कि फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए हैं। परिजनों की तहरीर मिलने के बाद रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि हत्यारों की तलाश के लिए पुलिस टीम गठित की गई हैं। पुलिस ने भरोसा दिलाया है कि जल्द ही घटना का खुलासा किया जाएगा।

महाराष्ट्र के बैंक से करोड़ों का सोना चोरी करने वाला युवक पकड़ा गया

पुलिस ने उसे ककराला से दबोचा, चोरी के बाद सोने को पिघलाकर बनाए बिस्कुट

- ककराला के वार्ड चार निवासी राहुल शर्मा ने योजनाबद्ध ढंग से की थी चोरी
- दिल्ली से पुरानी स्कार्पियो खरीदकर उसका चोरी करने में किया था उपयोग

कार्यालय संवाददाता, ककराला/बदायूं

अमृत विचार: महाराष्ट्र और अलापुर थाने की पुलिस ने बैंक में करोड़ों की चोरी करने के आरोपी को गिरफ्तार किया है। उसके पास से तकरीबन 1.50 करोड़ रुपये का 1.168 किलोग्राम सोना बिस्कुट के रूप में बरामद हुआ है। आरोपी ने महाराष्ट्र के जिला सांगली के आटपाड़ी स्थित बैंक से रुपये और जेवरात चोरी किए थे। जिसके बाद से पुलिस उसकी तलाश कर रही थी। आरोपी ने बताया कि चोरी के बाद उसने अपने साथियों के साथ मिलकर आभूषण को पिघलाकर बिस्कुट में परिवर्तित करा दिया था।

महाराष्ट्र के जिला सांगली के थाना आटपाड़ी क्षेत्र में 7 जनवरी की रात चोर बैंक कार्यालय की खिड़की काटकर भीतर घुसे थे। प्राइवेट लॉकर में रखे सोने-चांदी के जेवर और नकदी चोरी कर ली थी। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज करके चोरों की तलाश शुरू की थी। मुखबिर की सूचना पर

पुलिस की गिरफ्त में चोरी करने का आरोपी। ● अमृत विचार

अलापुर पुलिस ने सांगली की क्राइम ब्रांच टीम से संपर्क किया और घटना करने वालों के बारे में जानकारी दी। सांगली की क्राइम ब्रांच बदायूं आई और अलापुर पुलिस से संपर्क किया। फिर थाना पुलिस, एसओजी के साथ मिलकर गांव गभियाई से ईकरी जाने वाले मार्ग स्थित राजकीय इंटर कॉलेज के पास आधी रात में घेराबंदी की। वहां से गुजरे कस्बा ककराला के वार्ड चार निवासी राहुल शर्मा पुत्र रजमेश शर्मा को हिरासत में ले लिया। उसके पास से सोना बरामद हुआ। पुलिस उसे थाने लेकर आई और पूछताछ की। आरोपी ने बताया कि उसने अपने साथियों के साथ मिलकर बैंक में चोरी की योजना बनाई थी।

उसने दिल्ली से वहां के पंजीकरण नंबर की सेकेंड हैंड स्कार्पियो सात लाख रुपये में खरीदी। फिर अपने साथियों के साथ सांगली पहुंचा। अपने साथियों के साथ मिलकर किराए पर कमरा लिया। सात जनवरी की रात अपने साथियों के साथ मिलकर आटपाड़ी बैंक से लगभग 30 किग्रा चांदी, 5.5 से 6 किलो ग्राम सोना और लगभग साढ़े 4 लाख रुपये चोरी किए थे। उसके हिस्से में 1.168 किग्रा सोना आया था। उसने अपने साथी की मदद से सोने को पिघलाकर बिस्कुट के रूप में परिवर्तित कर लिया था।

जिसे बेचने के लिए वह घूम रहा था। इसी बीच पुलिस ने पकड़ लिया। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में अलापुर के थानाध्यक्ष उदयवीर सिंह, ककराला चौकी प्रभारी सुमित कुमार, स्वाट टीम के प्रभारी निरीक्षक माधो सिंह बिष्ट, सर्विलांस प्रभारी उपनिरीक्षक धर्वेंद्र कुमार के अलावा महाराष्ट्र पुलिस के निरीक्षक पंकज पवार, वहां की क्राइम ब्रांच के निरीक्षक जयदीप कलेकर रहे।

विरोध मार्च

नर्सिंग एकता मंच उत्तराखंड के सदस्य सोमवार को देहरादून में राज्य के मुख्यमंत्री के आवास की ओर वर्ष भर भर्ती की मांग को लेकर विरोध मार्च निकालाते हुए। ● एजेंसी

एसीआर लीक होने की जांच एसटीएफ के हवाले

देहरादून, अमृत विचार: सुखवंत सुसाइड मामले में सस्पेंड सब इंस्पेक्टर कुन्दन सिंह रौतेला के जनपद बागेश्वर में तैनाती की वार्षिक गोपनीय आख्या (एसीआर) सोशल मीडिया पर प्रसारित होने सम्बन्धी प्रकरण में डीजीपी दीपम सेठ ने गहन जांच कराने के लिए एसएसपी एसटीएफ को निर्देशित किया है। डीजीपी ने कहा कि, किसी भी अधिकारी/कर्मचारी की गोपनीय आख्या का सोशल मीडिया पर प्रसारित होना अत्यंत संवेदनशील एवं गंभीर विषय है। चूंकि एसीआर एक गोपनीय डिजिटल दस्तावेज है, जिसे सुरक्षित आईटी/डिजिटल प्रणाली के जरिए अधिकृत अधिकारी/कर्मचारी ही एक्सेस कर सकते हैं। अतः इस प्रकरण में अनधिकृत डेटा एक्सेस की आशंका एवं साइबर साक्ष्यों की तकनीकी जांच सुनिश्चित करने के लिए एसटीएफ को निर्देश दिए गए हैं। ज्ञातव्य है कि प्रतिकूल एसीआर टिप्पणी अंकित होने के बाद भी संबंधित को थानाध्यक्ष पद पर तैनात किए जाने के संबंध में पूर्व से जांच प्रचलित है।

स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद और मेला प्रशासन के बीच ठनी

प्रयागराज, एजेंसी

प्रयागराज में मौनी अमावस्या स्नान पर्व पर स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती और उनके अनुयायियों को स्नान करने से पुलिस द्वारा कथित तौर पर रोके जाने के बाद उनके और मेला प्रशासन के बीच ठन गई है। जहां स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती अपने शिविर के सामने अन्न जल त्यागकर मेला प्रशासन और पुलिस के अधिकारियों से माफी मांगने की मांग पर अड़ गए हैं, वहीं मेला अधिकारी ऋषिराज ने कहा कि आपात सेवाओं के लिए आरक्षित पांटून पुल के बैरिकेडिंग को स्वामी के समर्थकों ने तोड़ा।

मेलाधिकारी ने कहा कि बैरिकेडिंग तोड़कर वे लोग संगम नोज पर आ गये, ऐसे में भगदड़ की स्थिति से बचने के लिए प्रशासन ने यह कदम उठाया। ऋषिराज ने कहा कि हमारे पास साक्ष्य है। मुख्य स्नान पर्व पर किसी भी तरह के वाहनों की अनुमति से मना किया गया था। उन्होंने स्पष्ट किया कि स्नान के लिए किसी ने किसी को नहीं रोका है, कई साधु-संत आए और उन्होंने स्नान किया, प्रशासन द्वारा किसी भी साधु संत का अपमान नहीं किया गया।

उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं और कल्पवासियों के लिए जो भी व्यवस्था बनाई गई, उसे लागू किया गया क्योंकि उनकी सुरक्षा हमारे लिए सर्वोपरि है।" जिलाधिकारी मनीष वर्मा ने कहा कि 2022 के माघ मेला में ज्योतिषपीठ के शंकराचार्य को लेकर सवाल उठा था जिसमें तत्कालीन मेला अधिकारी द्वारा विधिक राय ली गई थी। उन्होंने कहा कि उच्चतम न्यायालय ने 14 अक्टूबर, 2022 को अपने निर्णय में अपील पर निर्णय होने तक ज्योतिष पीठ पर किसी को शंकराचार्य के रूप में भी पट्टाभिषेक करने से रोका था तथा यह मामला अब भी न्यायालय के विचाराधीन है।

ट्रकों के बीच फंसी कार, दो की मौत

- फंसे लोगों को निकालने के लिए कटर से काटी गई कार

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार : सोमवार सुबह साढ़े सात बजे दिल्ली-लखनऊ हाईवे पर भीषण सड़क हादसा हो गया। तेज रफ्तार कार दो ट्रकों के बीच में फंस गई। पीछे चल रहे ट्रक चालक ने ब्रेक नहीं लगाए जिससे गाड़ी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे में ढाई साल के बच्चे और एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि दो महिलाएं और एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हैं।

अलीगढ़ निवासी गिरीश कुमारी (70) पत्नी रविंद्र सिंह, बेटी रुद्रपुर निवासी नूतन (50) पत्नी समरजीत, नूतन का बेटा सूर्य प्रताप (30) पुत्र समरजीत, धेवता यथार्थ (ढाई साल) पुत्र अमित कार में थे। मुरादाबाद निवासी ऋतिक अरोड़ा (45) पुत्र अमित अरोड़ा रुद्रपुर से लिफ्ट लेकर गाड़ी में मुरादाबाद तक के लिए बैठा था। रुद्रपुर से नूतन बेटे सूर्य प्रताप और धेवते को लेकर अलीगढ़ मम्मी गिरीश कुमारी

हादसे के बाद क्षतिग्रस्त गाड़ी को उठाती क्रेन।

को छोड़ने के लिए स्विफ्ट से निकले थे। दिल्ली लखनऊ हाईवे संजीवनी हॉस्पिटल के पास दो ट्रकों के बीच उनकी गाड़ी फंस गई। तेज रफ्तार के चलते चालक सूर्य प्रताप उर्फ शौर्य कुछ समझ पाता, पीछे से आ रहे दूसरे ट्रक ने गाड़ी को चपेट में ले लिया। पलक झपकते ही मौके पर चीख पुकार मच गई। हादसे के बाद आसपास के लोग मौके पर दौड़ पड़े। लेकिन गाड़ी बुरी तरह क्षतिग्रस्त थी, कटर से गाड़ी को काटकर घायलों को बाहर निकाला गया। हादसे की सूचना मिलते ही एएसपी अनुराग सिंह और थाना सिविल लाइंस के इंस्पेक्टर सहित पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। साथ ही फायर ब्रिगेड टीम ने कार में फंसे लोगों को निकालने के लिए करीब एक घंटे की कड़ी मशक्कत की। सभी घायलों को एंबुलेंस की मदद से जिला अस्पताल भेजा गया, जहां उनका इलाज शुरू किया गया। इसमें मासूम यथार्थ और लिफ्ट लेने वाले ऋतिक अरोड़ा को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया, जबकि गंभीर रूप से अन्य घायलों को भर्ती कराया।

बाल विवाह में पंडित व मौलवी के साथ नाई, हलवाई भी जाएंगे जेल

- दो वर्ष तक की कैद या एक लाख रुपये जुर्माना का प्रावधान

संवाददाता, संभल/बहजोई

अमृत विचार: बाल विवाह में सहयोग करने वाले पंडित, मौलवी, नाई, हलवाई, बैंड पार्टी, टेंट व्यवसायी को भी जेल जाना पड़ेगा। जिलाधिकारी राजेंद्र पैंसिया ने साफ कहा है कि बाल विवाह में सहयोग करने वाले को भी दो वर्ष तक की कैद या एक लाख रुपये तक जुर्माना की सजा का सामना करना पड़ सकता है। कहा कि बाल विवाह जैसी बुराई को खत्म करने के लिए समाज एकजुटता के साथ खड़ा हो।

सोमवार को बाल विवाह मुक्त भारत के सौ दिवसीय अभियान के तहत संभल में जिलाधिकारी डॉ. राजेंद्र पैंसिया ने सोमवार को 'बाल विवाह मुक्ति रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह रथ जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में भ्रमण कर लोगों को बाल विवाह के दुष्परिणामों से अवगत कराएगा और बाल विवाह को पूर्ण रूप से रोकने का संदेश देगा। जिलाधिकारी ने कहा कि बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 के अनुसार बाल विवाह कराना अपराध है। उन्होंने स्पष्ट किया कि बाल विवाह के किसी भी आयोजन में सहयोग करने वाले पंडित, मौलवी, नाई, हलवाई, बैंड पार्टी, टेंट व्यवसायी या कोई भी व्यक्ति यदि इसमें शामिल पाया जाता है, तो उसे दो वर्ष तक की कैद या एक लाख रुपये तक का जुर्माना हो सकता है। जिलाधिकारी ने कहा कि यदि कहीं भी बाल विवाह की सूचना मिले तो तत्काल चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, पुलिस 112, महिला हेल्पलाइन 181 या जस्ट राइट्स हेल्पलाइन 18001027222 पर सूचना दें। उन्होंने भरोसा दिलाया कि सूचना देने वाले व्यक्ति की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी।

अल्मोड़ा में यूपी नंबर के पिकअप से दो शव बरामद

- पेट्रोमैक्स की गैस से दम घुटना माना जा रहा मौत का प्रारंभिक कारण

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार: भिकियासैंण क्षेत्र में यूपी के बिजनौर रजिस्ट्रेशन नंबर के पिकअप वाहन से दो लोगों के शव मिलने से सनसनी फैल गई। वाहन से पुलिस ने पेट्रोमैक्स बरामद किया है। एक व्यक्ति की जेब से मुरादाबाद की आईडी बरामद हुई है। प्रारंभिक तौर पर माना जा रहा है कि दोनों लोगों की मौत पेट्रोमैक्स से बनी गैस से दम घुटने से हुई होगी।

पुलिस के अनुसार, भिकियासैंण से करीब पांच किमी दूर जैनल गांव के पास यूपी-20 रजिस्ट्रेशन नंबर का पिकअप वाहन सोमवार दिन भर सड़क किनारे खड़ा था। शाम करीब छह बजे तक कोई हलचल न होने और वाहन में मौजूद दोनों लोगों को बेहोश जानकर ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने वाहन से दोनों लोगों के शव बरामद किए। पुलिस ने बताया कि यह पिकअप वाहन किसके नाम पर पंजीकृत है, वाहन यहां कब और कहां से आया इसकी जांच पड़ताल की जा रही है। प्रारंभिक तौर पर एक शव की शिनाख्त उसके जेब में मिली आईडी के आधार पर मुरादाबाद निवासी अलाउद्दीन के रूप में हुई हैं जबकि दूसरे शव की शिनाख्त के प्रयास जारी हैं। पिकअप वाहन से चालू हालत में पेट्रोमैक्स भी मिला हैं।

गड़बड़झाला | पति-पत्नी मिलकर लगाकर रहे थे लोगों को चूना, पति बना था चेयरमैन और पत्नी डायरेक्टर, तीन आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज

रकम दोगुनी करने का झांसा, 8 हजार लोगों से 39 करोड़ की ठगी

- मंडलायुक्त दीपक रावत के पास पहुंचा एक पीड़ित तो हुआ जालसाजी का भंडाफोड़
- फाइनेंस कंपनी के सीईओ और दो निदेशकों पर जालसाजी करने के लिए मुकदमा दर्ज

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : शहर में जालसाजों में एक और दंपति का नाम जुड़ गया है और ठगी के मामले में इन्होंने कई ठगों को पीछे छोड़ दिया है। दो साल में रकम दोगुनी करने का झांसा देकर इस दंपति ने करीब 8 हजार लोगों को अपना शिकार बनाया और करीब 39 करोड़ की बड़ी ठगी को अंजाम दिया। जिस फाइनेंस कंपनी की आड़ में इस शातिर दंपति ने

पति चेयरमैन और पत्नी डायरेक्टर बनकर लगाती थी लोगों को चूना।

ठगी का जाल बिछाया था, उसमें पति चेयरमैन बना था और पत्नी डायरेक्टर। इस मामले में पुलिस को पहली तहरीर मिली है, जिसके आधार पर हल्द्वानी कोतवाली में तीन आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

मंडलायुक्त के दखल पर खुला करोड़ों का खेल

हल्द्वानी : बीते शनिवार को पार्थ ने मंडलायुक्त दीपक रावत के कैंप कार्यालय में जनसुनवाई कार्यक्रम में पहुंचा। पार्थ की शिकायत पर आयुक्त ने कंपनी के सीईओ विमल रावत को कार्यालय में बुलाया लेकिन सीईओ संतोषजनक जवाब नहीं दे सके। दाल में काला होने की आशंका पर आयुक्त देर सायं कंपनी के सतलोक कॉलोनी स्थित दफ्तर पहुंचे। उन्होंने कंपनी के रजिस्ट्रेशन दस्तावेज, लेन-देन, बैलेंस शीट आदि मांगी लेकिन सीईओ रावत किसी भी प्रकार के दस्तावेज नहीं दिखा सके। इतना ही नहीं, कंपनी के पोर्टल पर ऑनलाइन डेटा भी नहीं दिखाई दे रहा था। इस पर आयुक्त ने जीएमएफएक्स ग्लोबल लिमिटेड के सतलोक कॉलोनी फेज-6 स्थित दफ्तर का निरीक्षण किया। कंपनी के पास लेनदेन, बैलेंस शीट संबंधी दस्तावेज नहीं थे। वहीं, 3,900 से अधिक लोगों की देनदारी भी सामने आई। जब खातों की जांच की गई तो कंपनी के आईडीएफसी बैंक अकाउंट में 42,455 रुपये तथा एचडीएफसी बैंक अकाउंट में लगभग 50 हजार रुपये मिले। जांच में यह भी सामने आया कि 25 माह में रुपया डबल करने के नाम पर 8 हजार लोगों से 39 करोड़ रुपये जमा किए गए हैं।

मुखानी निवासी पार्थ पराशर ने हल्द्वानी कोतवाली में दी तहरीर में लिखा, सत्यलोक कॉलोनी डहरिया में जीएसएफएक्स ग्लोबल लिमिटेड फाइनेंस कंपनी है और इस कंपनी का सीईओ है विमल रावत। विमल की पत्नी रूबी रावत इस कंपनी की निदेशक और एक अन्य आरोपी अनूप कंडारी भी निदेशक है। पार्थ का आरोप है कि तीनों अपनी टीम के साथ मिलकर लोगों को 25 से 30 महीनों में रकम दो गुनी करने का झांसा देते और कंपनी में निवेश कराते थे। आरोपी कहते थे कि वह जितनी रकम वह निवेश करेंगे, मार्केट ट्रेडिंग में लगाकर लाभ को कंपनी दोगुना कर देगी। झांसे में आए पार्थ ने दो किस्तों में 10 लाख रुपये ट्रांसफर कर दिए। ठगों ने पार्थ को एक एग्रीमेंट भी दिया, जिसमें यह लिखा गया था कि कंपनी निवेश की राशि पर 8 प्रतिशत प्रतिमाह ब्याज देगी। शुरुआत में कंपनी ने पार्थ को 1 लाख 90 हजार रुपये लाभ के तौर पर दिए, लेकिन 8 लाख 90 हजार रुपए वापस नहीं दिए। तकादा करने पर आरोपियों ने फोन बंद कर दिए। जिसके बाद पीड़ित को ठगी का एहसास हुआ। बताया जा रहा है कि इस कंपनी में करीब 8 हजार लोगों ने निवेश किया है, जिनका करीब 39 करोड़ रुपया कंपनी पर है। कोतवाल विजय मेहता ने बताया कि तहरीर के आधार पर सीईओ विमल, विमल की पत्नी निदेशक रूबी और दूसरे निदेशक अनूप पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

अमृत विचार

बरेली , मंगलवार,20 जनवरी 2026

बरेली देहात

न्यूज ब्रीफ

किसान की पशुशाला से चार पशु चोरी

मीरगंज, अमृत विचार : ग्राम लभेड़ा दुर्गाप्रसाद में बीती रात अज्ञात चोरों ने शनिवार और रविवार की रात्रि एक किसान की पशुशाला को निशाना बनाते हुए दो भैंस, एक पड़िया समेत चार मवेशी चोरी कर लिए। पुलिस ने अज्ञात में रिपोर्ट दर्ज कर ली है। पीड़ित किसान मंसाराम पुत्र झम्मनलाल ने बताया कि रात अज्ञात चोरों ने पशुशाला की ईंटों की बाड़ को हटाकर अंदर प्रवेश किया और बंधे हुए सभी मवेशियों को खोलकर फरार हो गए।सुबह जब परिजन पशुशाला पहुंचे तो वहां जानवर न देखकर उनके होश उड़ गए। बताया कि चोरी गए चारों मवेशियों की अनुमानित कीमत करीब ढाई लाख रुपये है। घटना की सूचना पर मीरगंज पुलिस मौके पर पहुंची। इस संबंध में पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

आवारा पशुओं के आतंक से ग्रामीण परेशान

भुता, अमृत विचार : ब्लॉक क्षेत्र के गांव नवादा ब्रह्मांन में आवारा पशुओं से फसल के बर्बाद होने से किसान परेशान हैं। गांव निवासी अजय पटेल ने एक्स पर इसकी शिकायत की है।

ब्लॉक क्षेत्र के गांव नवादा ब्रह्मांन में आवारा पशुओं की बढ़ती संख्या ने क्षेत्र की फसलों को प्रभावित किया है। दर्जनों आवारा पशु पूरे झुंड के साथ किसानो की फसल को बर्बाद कर रहे हैं। किसानो सर्द व कोहरा के चलते रातों में खेतों पर जाकर पहरा देना पड़ रहा है। बढ़ती समस्या पर रोक लगाने के उदेश्य से ट्विट कर फसल की बर्बादी पर अफसरों द्वारा ध्यानदेने की बात कही है। उन्होंने आवारा पशुओं को गोशाला में भेजने की मांग की है।

बैजनाथ बाबा की पुण्यतिथि पर हुआ भंडारा

फतेहगंज पश्चिमी, अमृत विचार : औंध गांव में बैजनाथ बाबा, शोभा दास बाबा की मढ़ी पर विशाल भंडारा हुआ। । दूर दराज से आए श्रद्धालुओं ने बाबा का प्रसाद ग्रहण किया। औंध गांव के ग्राम प्रधान राहुल सिंह ने बताया कि शोभा दास बाबा की मढ़ी पर पूजा अर्चना कर श्री रामचरितमानस अखंड पाठ कराया गया और सोमवार को पाठ समापन होने के बाद दोपहर बाद हवाना यज्ञ पूर्ण आहुति देने के बाद भंडारा किया गया।

चीनी मिल कर्मी व पत्नी से लाखों रुपये के जेवर लूटे

बदमाशों ने देवरनियां कोतवाली के पास गहनों का बैग लूटा

संवाददाता, देवरनियां

- सात लाख के जेवर, छह हजार नकदी और मोबाइल फोन लूट ले गये बाइक सवार तीन बदमाश
- 24 घंटे बाद भी रिपोर्ट दर्ज नहीं खुलासे को टीम गठित कर जांच में जुटी पुलिस टीम

अमृत विचार : पत्नी का पेपर दिलाकर बाइक से वापस आ रहे किसान सहकारी चीनी मिल सेमीखेडा में कार्यरत हेड लिपिक और उनकी पत्नी से बेखौफ बदमाशों ने सात लाख रुपए से ज्यादा की लूट को अंजाम देकर पुलिस को चुनौती दी है। देवरनियां कोतवाली से मात्र दो किलोमीटर दूर हुई इस घटना को पुलिस ने 24 घंटा बीत जाने के बाद भी दर्ज नहीं किया है। अलबत्ता खुलासे को टीम गठित कर दी गई है।

रविवार की देर शाम देवरनियां कोतवाली क्षेत्र में बरेली-नैनीताल हाइवे पर सेमीखेड़ा के पेट्रोल पम्प के पास बाइक सवार तीन बदमाशों ने एक बड़ी लूट की बारदात को अंजाम दिया। बदमाशों ने चीनी मिल जा रहे एक दंपति से गहनों और नकदी से भरा बैग छीन लिया और फरार हो गए। पीड़ित के अनुसार बैग में करीब 7 लाख रुपये के जेवर थे। मूल रूप से जिला रामपुर के थाना मिलक क्षेत्र के ग्राम गदईया (निकट हरसूनाला) निवासी रनवीर सिंह पुत्र राजेन्द्र कुमार नगर पंचायत देवरनियां में किसान सहकारी चीनी मिल सेमीखेडा में सेक्शन हेड लिपिक के पद पर कार्यरत हैं,वह मिल परिसर में ही रहते हैं।

रविवार देरशाम वह अपनी पत्नी प्रियंका श्रीवास्तव का मुरादाबाद में एलटी ग्रेड का पेपर दिलाकर बाइक से ड्यूटी पर जा रहे थे, उन्होंने बताया कि वह जैसे ही पेट्रोल पम्प के पास पहुंचे, पीछे से एक स्प्लेंडर बाइक पर सवार तीन अज्ञात बदमाशों ने पीछे बैठी उनकी पत्नी प्रियंका श्रीवास्तव के हाथ से बैग झपट लिया, और मौके से फरार हो गये

पुलिस को दी तहरीर में उन्होंने बताया कि बैग में भारी मात्रा में सोने-चांदी के जेवर थे,जिसमें दो झुमके, दो अंगूठी, एक मंगलसूत्र, एक कंठी, एक लर, दो पायल और दो कड़े शामिल हैं। जेवरों की कुल कीमत लगभग सात लाख रुपये बताई जा रही है। इसके अलावा बैग में छह हजार रुपये नकद और पन्द्रह हजार रुपये कीमत का एक मोबाइल फोन भी था।

। पीड़ित ने तत्काल देवरनियां कोतवाली प्रभारी को घटना की जानकारी दी और अज्ञात लुटेरों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर कार्यवाही की मांग की है। बताते हैं, देवरनियां कोतवाली से मात्र दो किलोमीटर दूर हुई लूट की घटना को पुलिस ने बेहद हल्के में लिया,और बदमाशों को धरपकड को कबिंग नहीं कर घटना स्थल पर ही तहक करती रही। इससे भी बुरा हाल घटना को चौबीस घंटा बीत जाने के बाद भी पुलिस ने इसे दर्ज नहीं किया है, पुलिस इसे संदिग्ध मान रही है।

> घटना संदिग्ध लग रही है। फिर भी हम घटना के खुलासे को लगे हैं, कोतवाली प्रभारी उपनिरीक्षक आशुतोष द्विवेदी के नेतृत्व में टीम गठित कर दी गई है। घटना के खुलासे का लगातार प्रयास किया जा रहा है
> -अरुण कुमार सिंह , सीओ, बहेडी

बहेड़ी में क्लीनिक में लड़की की मौत पर हंगामा, समझौता

बहेड़ी, अमृत विचार : एक डॉक्टर के क्लिनिक पर सोमवार को इलाज के दौरान एक लड़की की मौत हो गई। लड़की के परिजनों ने डॉक्टर पर गलत इंजेक्शन लगाने का आरोप लगाते हुए खूब हंगामा काटा। काफी देर चले हंगामे के बाद दोनों पक्षो के बीच राज़ीनामा हो गया।

कस्बे में स्थित एक डॉक्टर के क्लिनिक पर सोमवार को सुबह 15 वर्षीय एक लड़की को इलाज के लिए लाया गया। बताते हैं कि लड़की के पेट में अचानक दर्द उठा, जिसके चलते उसको इलाज के लिए लाया गया था। दोपहर को क्लिनिक पर ही लड़की की मौत हो गई।

लड़की की मौत से उसके परिजन गुस्सा गए। परिजनों ने डॉक्टर पर गलत इंजेक्शन लगाने का आरोप लगाते हुए गलत इंजेक्शन को लड़की की मौत का ज़िम्मेदार बताया। काफी देर तक क्लिनिक पर हंगामा चलता रहा। लोगों की भीड़ भी जमा हो गई। कई लोग इस घटना में क्लिनिक के डाक्टरों की लापरवाही बता रहे थे। इसी हंगामें के बीच काफी देर बाद सूचना मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुँच गई।कुछ लोगों के बीच में पड़ने के बाद दोनों पक्षो में समझौता हो गया।

पर्ची तो हैं लेकिन तीन माह से नहीं मिला राशन

गांव पहुंची पूर्ति निरीक्षक ने ग्रामीणों के बयान दर्ज किये। ● अमृत विचार

गुलड़िया, अमृत विचार : शनिवार को राशन देकर पर्चियां देना कोटेदार को भारी पड़ा । तीन माह से चल रहे इस खेल का ग्रामीणों ने विरोध किया। हंगामे की वीडियो वायरल होने के बाद प्रशासन हरकत में आया और जांच के लिए बसंतपुर में सप्लाई इंस्पेक्टर शिखा पांडे को भेजा। उन्होंने कतुरोई बुजुर्ग तथा बसंतपुर के 35 से 40 ग्रामीणों के बयान दर्ज किए।

ग्रामीणों के बयान के बाद घटतौली का मामला सामने आया और पिछली पर्ची भी ग्रामीणों के पास मिलीं। कतरोई बुजुर्ग की मीणा ने बताया दो पर्ची पिछली रखी है उन्हें गल्ला नहीं मिला। सुनीता ने बताया कि उन्हें पिछले 3 महीना से राशन नहीं मिला है। सर्वेश ने बताया कि कभी भी राशन पूरा नहीं दिया जाता। नत्थो देवी ने बताया कि उनके पास लाल कार्ड है। इस माह ढाई किलो चीनी और 32 किलो राशन के बदले डेढ़ सौ रुपए भी लिए गए हैं। उधर कोटेदार राकेश का कहना है कि भूडा गांव का कोटा अटैच हुआ था।

क्यारा के प्राथमिक विद्यालय शिवनगर में की तोड़फोड़

कैंट,अमृत विचार : विकास क्षेत्र क्यारा के प्राथमिक विद्यालय परिसर शिवनगर में कुछ अराजक तत्वों द्वारा तोड़फोड़ करने का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है, कि खुराफातियों ने विद्यालय परिसर को असामाजिक गतिविधियों का अड्डा बना लिया गया है। विद्यालय की इंचार्ज प्रधानाध्यापिका ने कैंट थाने में अज्ञात के खिलाफ तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है।

शिवनगर गांव स्थित प्राथमिक विद्यालय की इंचार्ज प्रधानाध्यापिका शिवानी ने बताया कि विद्यालय बंद होने पर कुछ दिनों से अराजक तत्वों द्वारा विद्यालय परिसर में निरंतर तोड़फोड़ की जा रही है तथा विद्यालय परिसर में बैठकर जुआ खेलना, शराब पीना इत्यादि गलत काम किए जा रहे हैं। जिससे बच्चों तथा विद्यालय स्टाफ में भय और असुरक्षा का वातावरण उत्पन्न हो गया है।इंचार्ज प्रधानाध्यापिका ने बताया, कि विद्यालय प्रबंधन द्वारा स्थिति को नियंत्रित करने के भरसक प्रयास किए गए। लेकिन कोई स्थाई समाधान नहीं हो सका।

दहेज उत्पीड़न के मामले में रिपोर्ट

भोजीपुरा , अमृत विचार नथाना क्षेत्र के ग्राम रूपपुर में दहेज उत्पीड़न, मारपीट और महिला के साथ अभद्र व्यवहार का गंभीर मामला सामने आया है। पीड़िता ने पति समेत ससुराल पक्ष के कई सदस्यों के खिलाफ थाना भोजीपुरा में रिपोर्ट दर्ज कराई है।पीड़िता नेहा बी ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसका विवाह 8 सितंबर 2024 को सलीम अली के साथ हुआ था। कुछ समय बाद ही उसे शारीरिक व मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जाने लगा। एक दिन जेठ ने अकेली जानकर छेड़छाड़ की। इस बात की जानकारी पति सहित सभी ने मारा।

हाफिजगंज में मनचले से युवती परेशान, तहरीर

संवाददाता, हाफिजगंज

अमृत विचार : मनचले युवक से परेशान एक युवती ने थाना हाफिजगंज में तहरीर देकर रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की मांग की है। युवती थाना क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली है।

युवती ने बताया कि वह अपने पिता के साथ देहरादून में काम करने गई थी, जहां उसकी जान-पहचान पूरनपुर, पीलीभीत निवासी एक युवक से हो गई। आरोप है कि इसके बाद युवक ने उसके मोबाइल पर कॉल कर परेशान करना शुरू कर दिया। युवक की हरकतों से तंग आकर युवती गांव लौट आई और उसका नंबर ब्लैकलिस्ट कर दिया। युवती का आरोप है कि इसके बावजूद युवक नए नंबरों से कॉल कर उसे धमकाने लगा और बात न करने पर उठाकर ले जाने व चेहरा जलाने की धमकी दी, जिससे वह भयभीत हो गई। पीड़िता ने थाने में तहरीर देकर आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर सख्त कार्रवाई की मांग की है। थाना प्रभारी प्रवीन सोलंकी ने बताया कि तहरीर की जांच की जा रही है इसके बाद कार्रवाई की जाएगी

रामगंगा नदी में बह कर आए गोवंश के अवशेष

फतेहगंजपूर्वी, अमृत विचार कादरगंज - नगरिया कला गांव के बीच रामगंगा नदी में बह कर पशुओं के अवशेष आ गये। जिस पर ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने गोवंश पशुओं के अवशेषों को दफन करा दिया । ग्रामीणों द्वारा सोमवार दोपहर को थाना पुलिस को सूचना दी गई कि रामगंगा में किनारे कुछ गोवंशीय पशुओं के अवशेष दिखाई दे रहे हैं । ग्रामीणों की सूचना पर थाना प्रभारी संतोष कुमार मौके पर पहुंचे तो देखा कि नदी के जल के किनारे पशुओं के पुराने अवशेष आ गये हैं। उन्होंने पशुओं के अवशेषें को दफन करा दिया है।

हाल-ए-बहेड़ी

बहेड़ी में ट्रक यूनियन रोड से पंजाबी कॉलोनी रोड चौराहे का यह हाल करीब 20 दिनों से बना हुआ है। पानी की लाइन जोड़ने के लिए किए गए गड्ढे के बाद इसको यूं ही छोड़ दिया गया है। पानी भरने और गड्ढा होने से गाड़ियां इसमें फंस रही हैं। पैदल वालों के लिए इसे पार करना बेहद मुश्किल है। ● अमृत विचार

न्यूज डायरी

भरतौल आरोग्य मंदिर का हुआ निरीक्षण, टीम ने दी स्वीकृति

बिथरीचैनपुर, अमृत विचार : सीएचसी बिथरी के अंतर्गत भरतौल हेल्थ एन्ड वेलनेस सेंटर(आरोग्य मंदिर) का वर्चुअल निरीक्षण हुआ।जिसमे कई बिंदु पर पूछताछ कर मरीजों से बात की गई। सीएचसी प्रभारी डॉ उत्तरा शर्मा ने बताया कि भरतौल आरोग्य मंदिर का निरीक्षण राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक(एन क्वास) के अंतर्गत राष्ट्रीय टीम ने किया है।जिसमे टीम द्वारा मरीजो को मिलने वाली सुविधाओं और दवाओं समेत कई बिंदुओं पर जानकारी ली गयी है।वहीं टीम ने भरतौल में तैनात चंचल(सीएचओ), मधु(ए एन एम)राजश्री(संगिनी) और आशाओं से वर्चुअल बातचीत कर सवाल जबाब किये।जिसके बाद टीम ने भरतौल प्रधान प्रवेश से बातचीत की।फिर टीम ने वहां दवा लेने जाने वाले मरीजों से भी बातचीत कर जानकारी ली।जिसमे मरीजों ने सेंटर पर अच्छी दवाओं की मांग की।डॉ उत्तरा शर्मा ने बताया टीम ने निरीक्षण में सेंटर को पास कर दिया है।इस दौरान रामरतन, धीरेंद्र सिंह, संगीता, शिवानी शिवम सिंह समेत आशा अनीता,उर्मिला,पिंकी, रूपा, कुसुम,ममता,उषा,पूनम,गीता,शीला,विंदु, भुवनेश मौजूद रहीं।

कलश यात्रा के साथ सात दिवसीय महायज्ञ का शुभारंभ

रिठौरा अमृत विचार : क्षेत्र शिव मंदिर धाम पर सात दिवसीय पंचकुंडीय श्री लक्ष्मी नारायण महायज्ञ का भव्य शुभारंभ सोमवार को कलश यात्रा के साथ हुआ। इस मौके पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु, मातृशक्ति, युवाओं एवं बुजुर्गों ने सहभागिता की। कलश यात्रा महंत तुलसीदास के सानिध्य में निकाली गई। कलश यात्रा के बाद कलश स्थापना की गई, इसके बाद मंदिर पर सात दिवसीय पंचकुंडीय श्री लक्ष्मी नारायण महायज्ञ का शुभारंभ किया गया। महायज्ञ में सैकड़ों यजमान अपनी श्रद्धा अनुसार आहुतियां प्रदान करेंगे। संपूर्ण महायज्ञ का आयोजन काशी (बनारस) से पधारे विद्वान ब्राह्मण पंडितों द्वारा वैदिक विधि-विधान एवं मंत्रोच्चार के साथ संपन्न कराया जा रहा है।

भागवत में गोवर्धन पर्वत की कथा का वर्णन किया

कैंट, अमृत विचार : नकटिया में महाराज मन्दिर प्रांगण में चल रही श्रीमद्भागवत कथा के छठे दिन सोमवार को आचार्य ह्रदयेश शास्त्री ने पर्वतराज गोवर्धन की कथा सुनाई। कथा में बताया, कि गिरिराज गोवर्धन का पूजन करवाकर भगवान कन्हैया ने देवराज इंद्र का घमंड चूर किया था। सभी श्रद्धालुओ ने गिरिराज गोवर्धन का दूध, दही, खीर, पुआ आदि से पूजन किया। केंद्रीय मंत्री जितिन प्रसाद के जिला प्रतिनिधि देवस्वरूप पटेल द्वारा कथा मंडली को सम्मानित किया। सदन पटेल ने सभी को अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर ट्रस्ट के अध्यक्ष एनपी सिंह गंगवार, महेश कुमार, ब्रजेश कुमार एडवोकेट, सुरचना सक्सेना, रेनू भारती, शीतल समेत सैकड़ों श्रद्धालु उपस्थित रहे।

विहिप की बैठक के बाद खिचड़ी भोज

संवाददाता, नवाबगंज

विहिप की खिचड़ी भोज में शामिल लोग। ● अमृत विचार

अमृत विचार : विश्व हिन्दू परिषद, की बैठक हुई। इसके बाद खिचड़ी भोज आयोजित हुआ। इसमें तमाम लोगों ने भाग लिया।

बैठक में विभाग संगठन मंत्री देवेंद्र सोम, मानवेंद्र सिंह राणा, दिव्य चतुर्वेदी, त्रिभुवन सहित नंद किशोर, अरविंद गुप्ता, जितेंद्र चड्ढा, सुंदर सिंह, सरदार नरेंद्र सिंह, राजा महाजन, निहाल सिंह, धर्मेंद्र गंगवार एवं वीरपाल उपस्थित रहे। बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष बाबूराम गंगवार ने की, जबकि संचालन अविनाश मिश्रा ने किया। बैठक के बाद सीएचसी परिसर में खिचड़ी सहभोज का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि डॉ. एके गंगवार, लेखराज गंगवार, राकेश कुमार गंगवार, डॉ. अमित गंगवार, बब्लू गंगवार, रोहित गंगवार, शशि कपूर, भानू गंगवार,डॉ. प्रवीण यादव, डॉ. चोखेलाल एवं देवेश देवल रहे।

ग्रामीण वालीबॉल में सिंधौली रही विजेता

प्रतियोगता में विजेता रही टीम। ● अमृत विचार

मीरगंज , अमृत विचार : गांव सिंधौली में सोमवार को तीन दिवसीय ग्रामीण वालीबॉल का आयोजित किया गया। प्रतियोगिता में कुल 11 टीमों ने भाग लिया। प्रतियोगिता के संचालक ताहिर सैफी ने बताया कि प्रतियोगिता में सिंधौली सीनियर ए व सिंधौली जूनियर ए की टीम विजेता रही, जबकि सिंधौली सीनियर बी व सिंधौली जूनियर बी टीम उपविजेता रही।वहीं फाइनल मुकाबला दर्शकों के लिए खासा रोमांचक रहा और खिलाड़ियों ने खेल भावना का उत्कृष्ट परिचय दिया। विजेता टीम में मो हारून ,साजिद ,नफीस ,राशिद अली गुडडू ,अरमान,अजान ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन किया।समापन समारोह के दौरान मुख्य अतिथि प्रधानपति मुकेश कश्यप ने विजेता व उपविजेता टीमों को ट्रॉफी और मैडल देकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि ग्रामीण स्तर पर इस प्रकार की प्रतियोगिताएं होती रहनी चाहिए,जो युवाओ को खेलों की ओर प्रेरित करती हैं।

अमृत विचार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
9756905552, 8445507002

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि पहले मेरी पुत्री का नाम VRANDA SHARMA था जिसे बदलकर अब मैंने VRINDA SHARMA कर दिया है। भविष्य में मेरी पुत्री को VRINDA SHARMA के नाम से ही जाना व पहचाना जाये। **राजीव कुमार शर्मा पुत्र स्व. वेद प्रकाश निवासी 661 निकट रंगनाथ मंदिर कालीचरन मार्ग सुभाष नगर, बरेली।**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा हाईस्कूल वर्ष 2024 अनुक्रमांक 1240772701 का अंकपत्र सह प्रमाण पत्र वास्तव में कहीं खो गया है जो तलाश करने के बाद भी नहीं मिला है। **मो. कैफ पुत्र श्री अतीक अहमद निवासी मो. छोटी मस्जिद वार्ड-4 कस्बा शीशगढ़ तहसील मीरगंज जिला बरेली।**

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

MEDICAL Lifelines OF BAREILLY
अमृत विचार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

फोकस नेत्रालय
राजेन्द्र नगर, बरेली 731-098-7005

बरेली का सबसे बड़ा केवल आँखों के लिए समर्पित प्राइवेट अस्पताल ...
नवीनतम AI तकनीक एवं NABH मान्यता के साथ
● 40,000 से अधिक सफल सर्जरी सम्पन्न
● बिना इंजेक्शन एनेस्थीसिया (केवल आई ड्राप्स द्वारा)
● आयुष्मान/सीजीएचएस/ईसीएचएस/सीएपीएफ सभी स्वास्थ्य बीमा मान्य
● कैशलेस ईलाज

ADITYA आदित्य आई एण्ड लेजर सेन्टर
उपलब्ध सुविधायें :-
बिना सुई बिना टांका आधुनिक लेंस प्रत्यारोपण की सुविधा। TPA कैशलेस सुविधा उपलब्ध
100000 से अधिक आंखों के आपरेशन का अनुभव
अल्ट्रासाउण्ड द्वारा पर्दे की जांच की सुविधा उपलब्ध
IOL Master 700 द्वारा लेंस का नम्बर
लेजर द्वारा आंख की झिल्ली हटाने की सुविधा उपलब्ध
बी स्कैन द्वारा पर्दे की जांच उपलब्ध
OCT द्वारा काला पानी एवं पर्दे की जांच व उपचार
8077344353
समय : प्रातः 10 बजे से सायं 1 बजे तक (सोमवार से शनिवार)
डॉ. आदित्य त्यागी
MBBS, DOMS, DNB, MNAMS
CARARACT REFRATIVE & GLAUCOMA SURGERON
आयुष्मान कार्ड धारकों के लिए फ्री आपरेशन की सुविधा
ट्यूलिप ग्रांड के सामने, पीलीभीत बाईपास, बरेली

स्वास्थ्य जागरूकता अभियान
महीने के प्रत्येक रविवार को समय : सुबह 10 बजे से 5 बजे तक
निःशुल्क परामर्श डॉ. दीपक माहेश्वरी
M.B.B.S., M.D.
Consultant Physician & Critical Care Specialist
ब्लड प्रेशर, हृदय रोग, श्वांस रोग, गम्भीर रोग विशेषज्ञ
कैम्प में समस्त ब्लड जाँचें, ई.सी.जी., एक्स-रे 50% के छूट पर किये जायेंगे।
रजिस्ट्रेशन शुल्क 20/-
प्रेमलोक हॉस्पिटल CARE FOR SURE
नरियावल अड्डा, शाहजहाँपुर रोड, बरेली 9084307201, 9412244430
डॉ. नितिन अग्रवाल हृदय रोग विशेषज्ञ मो. 9457833777

डॉ. हारिस अंसारी
एम.एस., एम.सी.एच. (यूरोलॉजी)
Consultant Urologist & Andrologist
गुर्दा, प्रोस्टेट, पेशाब की थैली की पथरी व कैंसर सर्जन
● प्रोस्टेट (गदूद का आपरेशन) (TURP) ● गुर्दे की पथरी का आपरेशन (PCNL) ● गुर्दे की नली (यूरेटस) की पथरी का ऑपरेशन (URSC) ● पेशाब के समस्त प्रकार के रोगों का इलाज
कैशलेस, इंश्योरेंस, TPA व ESI आयुष्मान से अनुबन्धित अस्पताल
डॉ. एम. खान हॉस्पिटल
मल्टी स्पेशलिटी व क्रिटिकल केयर सेन्टर स्टेडियम रोड, निकट सेंट फ्रांसिस स्कूल, बरेली
हेल्पलाईन 9897838286, 9837549348

न्यूज ब्रीफ

ज़िला बदर घोषित 2 बदमाश शहर में घूमते पकड़े गए

बहेड़ी, अमृत विचार : ज़िला बदर घोषित दो लोगों को शहर में घूमते पुलिस ने पकड़ लिया ।पकड़े गए लोग गौकशी और मांस के अवैध कारोबार के आरोपी हैं। पुलिस ने एक के पास से अवैध तमंचा बरामद होने का दावा भी किया है। पुलिस के मुताबिक मोहल्ला टांडा का अमन पुत्र परवेज़ और मोहल्ला मोहम्मदपुर के साबिर का पुत्र तस्लीम उर्फ़ कलुआ पर गौकशी और मांस के अवैध कारोबार को लेकर कई मुकदमे दर्ज हैं। केशवपुरम फाटक और स्टेशन के बीच चेकिंग के दौरान ये दोनों पुलिस की गिरफ्त में आ गए।

मरगापुर गरगइया की प्रधान जांच में फिर दोषी मिलीं

बरेली, अमृत विचार : भदपुरा ब्लॉक की ग्राम पंचायत मरगापुर गरगइया में निर्माण कार्यों में गड़बड़ी और अनियमितताओं की जांच में प्रधान को फिर दोषी ठहराया गया है। चूंकि प्रधान की पॉवर पहले से सीज है। इसलिए अंतिम जांच पीडब्ल्यूडी के एक्सईएन को सौंपी है। डीपीआरओ कमल किशोर ने बताया कि डीएम की शिकायत के आधार पर आरईडी के एक्सईएन, जिला पंचायत के अभियंता और एई की तीन सदस्यीय टीम ने जांच की थी।

अनिरुद्धपुर गोशाला मामले में वीडीओ निलंबित

पिछले सप्ताह की गई थी सीवीओ के ट्रांसफर की संस्तुति

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अनिरुद्धपुर गोशाला में एडीएम और एसडीएम ने निरीक्षण किया था। फाइल फोटो

- **गोशाला में गोवंशों की मौत के मामले प्रधान समेत दो पर हो चुकी है एफआईआर**

अमृत विचार : आंवला तहसील क्षेत्र के गांव अनिरुद्धपुर की वृहद गोशाला में गोवंशों की मौत के मामले में ग्राम विकास अधिकारी शिप्रा सिंह पर भी गाज गिर गई है। डीडीओ ने उन्हें निलंबित कर दिया है। पिछले सप्ताह इसी प्रकरण में डीएम ने सीवीओ डा. मनमोहन पांडेय का ट्रांसफर और पशु चिकित्साधिकारी डा. संजय वर्मा के निलंबन की संस्तुति करते हुए शासन को पत्र भेज चुके हैं।

मझगवां ब्लॉक के गांव अनिरुद्धपुर की गोशाला में बीते बुधवार को दो दर्जन से अधिक गोवंश की मौत का पता चलने गोशाला पहुंचे विश्व हिंदू परिषद व बजरंग दल कार्यकर्ताओं ने मृत और बुरी दशा में पड़े पशुओं को देखकर जमकर हंगामा किया था। इसके बाद जिलाधिकारी अविनाश सिंह की ओर से एडीएम आदि अफसरों को भेजकर कराई गई जांच में मामला सही पाए जाने पर गोशाला में संरक्षित पशुओं की दुर्दशा के जिम्मेदार नोडल अधिकारी मंडी परिषद के डिप्टी डॉयरेक्टर डॉ. विश्वेंद्र कुमार, बीडीओ डॉ. सुनील कुमार वर्मा, पशु चिकित्साधिकारी डॉ. संजय वर्मा और ग्राम विकास अधिकारी शिप्रा सिंह को नोटिस जारी किया था। प्रधान और उसके पति के खिलाफ अलीगंज थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। डीडीओ दिनेश यादव ने बताया कि सचिव शिप्रा सिंह को कारण बताओ नोटिस जारी कर जवाब मांगा गया था, जो संतोषजनक नहीं मिला। इस पर सचिव को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है।

नाबालिग लड़की को बहला फुसलाकर ले जाने में पांच वर्ष कैद

बरेली, अमृत विचार: नाबालिग लड़की (15) को पांच वर्ष पूर्व बहला-फुसलाकर ले जाने के मामले में स्पेशल जज पॉक्सो एक्ट कोर्ट-1 हेमेंद्र कुमार सिंह ने थाना कैंट क्षेत्र निवासी संजय को परीक्षण में दोषी पाते हुए 5 वर्ष कारावास व 10 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनायी, जुर्माने से 8 हजार रुपये पीड़िता को बतौर मुआवजा मिलेंगे, वहीं कोर्ट ने आरोपी को दुष्कर्म के आरोप से बरी कर दिया।

सरकारी वकील सरनाम सिंह ने बताया कि पीड़िता के पिता ने थाना कैंट में तहरीर देकर बताया था कि उनकी नाबालिग पुत्री को 14 जून 2020 की सुबह 9 बजे संजय बहला फुसला कर अपहरण कर ले गया। पुत्री अपने साथ 10 हजार रुपये नगद व सोने चांदी के जेवर भी ले गयी।

पुलिस ने बहला फुसलाकर ले जाने की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर विवेचना उपरांत दुष्कर्म, पॉक्सो एक्ट के तहत आरोप पत्र कोर्ट भेजा था। अभियोजन ने 9 गवाह व 15 सबूत कोर्ट में पेश किये।

रम्पुरा क्रय केन्द्र पर पहुंचे प्रभारी, हुई गन्ना तौल

क्रय केन्द्र प्रभारी के रविवार को नहीं आने पर किसानों ने किया था प्रदर्शन। फाइल फोटो

अमृत विचार IMPACT

संवाददाता,शेरगढ़

अमृत विचार : मीरगंज चीनी मिल से संबद्ध गन्ना क्रय केंद्र रम्पुरा द्वितीय पर सोमवार को गन्ना तौल हुई। शेरगढ़ पहुंचे गन्ना क्रय केंद्र प्रभारी शिव कुमार ने तौल शुरू की। इस दौरान बड़ी तादाद में किसानों के गन्ना की तौल हुई। सोमवार सुबह गन्ना मिल के सीडीआई अमित सिंह ने गन्ना क्रय केंद्र रम्पुरा द्वितीय का दौरा किया और किसानों से बात की।

किसानों ने गन्ना की तादाद को देखते हुए क्रय केंद्र पर वाहन बढ़ाने की मांग की। इस पर उन्होंने कहा कि वाहनों की कमी नहीं होगी। रविवार को केंद्र प्रभारी के गन्ना क्रय केंद्र पर नहीं पहुंचने से गन्ना तौल नहीं हो सकी थी। गन्ना किसान पूरे दिन तौल का इंतजार करते रहे लेकिन कोई जिम्मेदार अधिकारी कर्मचारी नहीं पहुंचा था। जिससे किसानों ने गन्ना क्रय केंद्र पर प्रदर्शन किया था। सोमवार सुबह शेरगढ़ पहुंचकर गन्ना क्रय केंद्र पर तौल शुरू की। जिला गन्ना अधिकारी बीके सैनी ने बताया कि गन्ना क्रय केंद्र प्रभारी के परिवार में किसी सदस्य को अचानक तकलीफ होने के चलते क्रय केंद्र पर नहीं पहुंच सके थे जिस कारण गन्ना की तौल नहीं हो सकी।

धीरेंद्र शास्त्री को पहले खुद शादी कर लेना चाहिए

बरेली, अमृत विचार : ऑल इंडिया मुस्लिम जमात के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना शहाबुद्दीन रजवी ने बागेश्वर धाम वाले बाबा पंडित धीरेंद्र शास्त्री के 30-30 बच्चों वाले बयान पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। मौलाना ने कहा कि धीरेंद्र शास्त्री हमेशा मुसलमानों को निशाना बनाते हैं, वह कहते हैं कि 'चच्चा' के 30 बच्चे होते हैं, तुम लोग भी ज्यादा से ज्यादा बच्चे पैदा करो। शहाबुद्दीन ने कहा कि बच्चे होना खुदा की नेमत (आशीर्वाद) है। जिनके बच्चे पैदा नहीं होते हैं, उनका दर्द उन्हीं से पूछना चाहिए। मौलाना ने कहा कि वह धीरेंद्र शास्त्री का सम्मान करते हैं, क्योंकि वह एक धर्म गुरु हैं, मगर धीरेंद्र शास्त्री को यही सलाह है कि वो खुद भी शादी कर लें, ताकि उनको एहसास हो जाए कि बच्चों की परवरिश और उनकी शिक्षा किस तरह की जाती है। मौलाना ने धीरेंद्र शास्त्री को चैलेंज करते हुए कहा कि वह मुसलमानों के 30-30 बच्चे होने की बात कह रहे हैं, पूरे भारत में सिर्फ एक मुसलमान दिखा दें, जिसके 30 बच्चे हों, वो हरगिज नहीं दिखा सकते। पूरे भारत में करोड़ों मुसलमान हैं।

शिक्षकों की विकसित औद्योगिक लागत प्रणाली हुई पेटेंट

कार्यालय संवाददाता, बरेली

मोहित अग्रवाल।

डॉ. विकास शर्मा।

अमृत विचार : बरेली कॉलेज के वाणिज्य संकाय में सहायक प्राध्यापक डॉ. विकास शर्मा और शोधार्थी मोहित अग्रवाल ने विकसित अत्याधुनिक औद्योगिक लागत प्रणाली को भारत सरकार के पेटेंट कार्यालय ने आधिकारिक रूप से प्रकाशित किया है। यह पेटेंट स्मार्ट मैन्युफैक्चरिंग और औद्योगिक लागत प्रबंधन के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण तकनीकी उपलब्धि के रूप में देखा जा रहा है।

पेटेंट रीयल टाइम मैन्युफैक्चरिंग परिवेश में मशीन-घंटा दर को भविष्यवाणी आधारित और गतिशील रूप से समायोजित करने वाली प्रणाली और विधि से संबंधित है। यह नवाचार पारंपरिक स्थिर लागत निर्धारण प्रणालियों से आगे बढ़ते हुए कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल ट्विन तकनीक और सेंसर आधारित रीयल टाइम डेटा का उपयोग करता है, जिससे मशीन की घंटा दर का निर्धारण अधिक सटीक, स्वचालित और पारदर्शी बनता है। प्रस्तावित मॉडल में डिजिटल ट्विन सिमुलेशन के माध्यम से पूर्व-सत्यापन के बाद लागत में परिवर्तन की अनुमति दी जाती है। पेटेंट की प्रमुख विशेषता यह है कि सभी गणनाओं और निर्णयों को ब्लॉकचेन आधारित ऑडिट लेजर में सुरक्षित रूप से दर्ज किया जाता है। इससे लागत निर्धारण की पूरी प्रक्रिया ऑडिट-योग्य, ट्रेसेबल और पूरी तरह पारदर्शी बन जाती है। यह प्रणाली ईआरपी और एमईएस जैसे औद्योगिक प्रबंधन प्लेटफार्मों के साथ भी सुरक्षित रूप से एकीकृत की जा सकती है।

लड़ाई का बीच बचाव करना भारी पड़ा, खुद पीटे

संवाददाता, फरीदपुर

- **शिकायतकर्ता ने कस्बा इंचार्ज पर भी अभद्रता करने का लगाया आरोप**

अमृत विचार : आपस में लड़ रहे रिश्तेदारों का बीच बचाव करना युवक को भारी पड़ गया। आरोपियों ने युवक को ही दुकान में बंद करके जमकर पीटा उसके पास से रुपये और मोबाइल छीन लिया। बचाने आई पत्नी से भी दंबगों ने छेड़छाड़ की। मामले की तहरीर पुलिस को दी गई है। मोहल्ला महादेव निवासी कविता पत्नी अनिल ने तहरीर में बताया बीसलपुर रोड राणा कॉलोनी निवासी बृजपाल व अनोज आपस में किसी बात को लेकर झगड़ा कर रहे थे बृजपाल और अनोज आपस में रिश्तेदार भी हैं। बताया कि अनिल राठौड़ निवासी मोहल्ला महादेव बीसलपुर रोड राणा कॉलोनी के पास पहुंचा है तभी अनिल ने देखा कि विजयपाल और अनोज आपस में लड़ रहे हैं। वह बीच बचाव करने पहुंच गया। वहां बृजपाल की पैरवी कर रहे शिवम गुप्ता और राजीव गुप्ता ने अनिल को गालियां दी और दुकान में बंद कर पीटा और वहां मौजूद पांच अज्ञात लोगों ने अनिल की जेब रखे रुपये भी छीन लिये। यह रुपये वह प्रधानमंत्री आवास योजना में आए थे और वह ईंट की किस्त् जमा करने जा रहे थे।शोर सुनकर पति को बचाने आई कविता को भी गालियां दी और उसके साथ छेड़छाड़ की।

पीड़ित का आरोप है कि जब वह शिकायत लेकर कोतवाली पहुंचे तो कस्बा इंचार्ज ने आरोपी को मुंह पर जूता मारने की धमकी दी जिसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है फिलहाल पुलिस ने पीड़ित का मेडिकल परीक्षण कराया है। डॉक्टर में मेडिकल करने के बाद अनिल को बरेली रेफर कर दिया।

उधार दिए रुपये वापस मांगने पर युवक को पीटकर घायल किया

बरेली, अमृत विचार : उधार दिए रुपये वापस मांगने पर युवक को पीटकर घायल कर दिया गया। पुलिस ने मामले में रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

बारादरी थाना क्षेत्र के डोहरा गांव निवासी पप्पू ने बताया कि उसका साला हरेंद्र निवासी कचोली बिथरी चैनपुर को चोट लगने के चलते हरुनगला के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। 14 जनवरी को अस्पताल से छुट्टी कराने के लिए उसका बेटा राहुल घर से 30 हजार रुपये लेकर गया था। उसके बेटे ने भीमा से उधार दिए 20 हजार रुपये मांगे तो उसने गाली गलौज कर मारपीट की।

गर्भवतियों और बच्चों का टीकाकरण

संवाददाता, शेरगढ़

गर्भवती के टीकाकण का कार्यक्रम किया गया। ● अमृत विचार

अमृत विचार :नगरिया कलां गांव में सोमवार को स्वास्थ्य विभाग की ओर से गर्भवतियां और 5 वर्ष तक के बच्चों को टीकाकरण किया गया। इस दौरान 15 लाभार्थियों को टीके लगाए गए। सोमवार को नगरिया कलां गांव में आयोजित टीकाकरण कार्यक्रम में गर्भवती महिलाओं और 5 वर्ष तक के बच्चों को बीसीजी,काली खांसी, पोलियो,टिटनेस,डिप्थीरिया,निमोनिया,दिमागी बुखार तथा खसरा आदि से बचाव को टीकाकरण किया गया। इस दौरान एएनएम उमेश चौहान ने महिलाओं को बीमारियों से बचाव का मंत्र देते हुए मौसम अनुकूल हरी सब्जियां और फलों का सेवन करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर आंगनबाड़ी कार्यकत्री जशोदा देवी, मुगल सरोज, आंगनबाड़ी सहायिका देवकी देवी, आशा कार्यकर्ता कमला देवी समेत स्वास्थ्य कर्मी और लाभार्थी मौजूद रहे।

सीबीगंज पुलिस के खुलासे पर सवाल

कार्यालय संवाददाता, सीबीगंज

- **जुआ की रकम बांटने को लेकर सिपाहियों में आपस में हुआ था विवाद**

अमृत विचार: सीबीगंज थाने की परसाखेड़ा चौकी पुलिस ने रविवार को जुआ खेलते हुए सात लोगों को गिरफ्तार किया था, लेकिन आरोप है कि दो लोगों को लेनदेन के बाद छोड़ दिया गया। जबकि पांच लोगों पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज करके कार्रवाई की है। परसाखेड़ा चौकी पुलिस ने जुआ खेलते हुए पांच जुआरियों को रंगे हाथों गिरफ्तार करने का दावा किया है। पुलिस के अनुसार आरोपियों के पास से 1250 रुपये नकद और ताश के पत्ते बरामद किए गए हैं।

ग्रामीणों का कहना है कि पुलिस ने मौके से सात जुआरियों को पकड़ा था और करीब 40 हजार रुपये नकद बरामद किए गए थे। पुलिस ने दो जुआरियों से साठ-गांठ कर उन्हें छोड़ दिया। इंस्पेक्टर सीबीगंज प्रदीप कुमार चतुर्वेदी ने बताया कि रविवार शाम को चार बजे मुखबिर की सूचना पर परसाखेड़ा चौकी पुलिस ने नंदोसी गांव के एक खेत में छापा मारा। वहां जुआ खेलते हुए वेदपाल, इरफान, रामबीर, इकबाल, बाजिद निवासी नदोसी को रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया। इंस्पेक्टर के अनुसार सभी आरोपियों के विरुद्ध रिपोर्ट मुकदमा दर्ज किया। पुलिस ने उनसे 1250 रुपये बरामदगी की पुष्टि की है।

बिजली कर्मचारी पर दिखाई मेहरबानी

पुलिस ने जिन सात जुआरियों को पकड़ा था उनमें एक बिजली विभाग का कर्मचारी भी शामिल था। बताया जा रहा है कि चौकी के दो सिपाहियों ने लेनदेन के बाद उसे और एक अन्य को छोड़ दिया। आरोप है कि चौकी पुलिस ने 20 दिन पहले भी बंडिया गांव से पांच लोगों को जुआ खेलते हुए गिरफ्तार किया था, लेकिन 50 हजार रुपये में सभी को छोड़ दिया था।

हज यात्रा में मदीना में खाना पकाने पर प्रतिबंध

नवाबगंज, अमृत विचार : मुकद्दस हज यात्रा के मद्देनज़र अल्पसंख्यक कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशन में हज कमेटी ऑफ इंडिया द्वारा मुंबई में दो दिवसीय मास्टर हज ट्रेनर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें देशभर से चयनित प्रशिक्षकों ने भाग लिया।

प्रशिक्षण में तहसील नवाबगंज के मास्टर हज ट्रेनर हाजी रईस अहमद ने भी प्रतिभाग किया। उन्होंने बताया कि मक्का की अज़ीज़िया बिल्डिंग्स व मदीना में खाना पकाने पर प्रतिबंध रहेगा

चौपुला पुल से किला तक सीसी रोड निर्माण का रास्ता साफ

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- **पीडब्ल्यूडी के अफसरों का दावा- इसी सप्ताह शुरू हो जाएगा निर्माण**
- **लंबे इंतजार के बाद जलभराव की समस्या होगी खत्म, मिलेगी लोगों को राहत**

अमृत विचार : चौपुला पुल से किला तक जाने वाले मार्ग के निर्माण का रास्ता साफ हो गया। नगर निगम के राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (एनकैप) के तहत इस सड़क के निर्माण के लिए पांच करोड़ रुपये की धनराशि स्वीकृत होने के बाद लोक निर्माण विभाग ने सभी औपचारिकताएं पूरी कर ली हैं। अफसरों ने इसी सप्ताह निर्माण कार्य शुरू कराने का दावा किया है। वहीं, इस बार सड़क को डामर की जगह सीमेंट कंक्रीट से तैयार किया जाएगा, ताकि बारिश के मौसम में जलभराव के कारण सड़क के बार-बार खराब होने की समस्या से छुटकारा मिल सके।

दरअसल, चौपुला पुल से किला की ओर सिटी स्टेशन तक जाने वाले 1200 मीटर लंबा मार्ग शहर के प्रमुख संपर्क मार्गों में शामिल है। जहां दिनभर वाहनों की आवाजाही बनी रहती है। खराब सड़क के चलते लंबे समय से लोग परेशान थे। बारिश के दिनों में स्थिति और भी बदतर हो जाती थी, जब सड़क पर पानी भर जाने से गड्ढे दिखाई नहीं देते थे। दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती थी। सड़क के एक तरफ रेलवे परिसर होने के कारण नाले का निर्माण नहीं हो सका था, जिससे बरसाती पानी की निकासी नहीं हो पाती थी। नतीजतन, पानी सड़क पर जमा होकर उसकी सतह को तेजी से नुकसान पहुंचाता था। इस समस्या को स्थायी रूप से दूर करने के लिए बीते अक्टूबर माह में नगर निगम ने एनकैप के तहत सीसी रोड निर्माण की योजना तैयार की थी। योजना के तहत बजट नगर निगम को उपलब्ध कराना था और निर्माण कार्य पीडब्ल्यूडी को सौंपा गया था। इसके लिए पीडब्ल्यूडी ने 4.50 करोड़ रुपये की लागत से टेंडर प्रक्रिया शुरू की, जिसकी तकनीकी बिड 15 नवंबर को खोली गई थी। हालांकि, बजट न मिलने के कारण टेंडर को निरस्त करना पड़ा था, जिससे परियोजना कुछ समय के लिए अटक गई थी। अब बजट मिलने के बाद टेंडर प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। एक्सईएन भगत सिंह के अनुसार चयनित फर्म की ओर से चौपुला पुल से किला तक सिटी स्टेशन की तरफ वाली सड़क को सीसी बनाया जाएगा और जलभराव की समस्या को ध्यान में रखते हुए सड़क के दूसरी ओर प्रभावी जलनिकासी की व्यवस्था भी की जाएगी।

30 इंच मोटी बनेगी सीसी रोड, बारिश और भारी ट्रैफिक का दबाव झेल सकेगी

सीसी रोड निर्माण के दौरान इस बार सड़क की मजबूती पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। प्रस्तावित सीसी रोड की मोटाई 30 इंच रखी जाएगी, जो अब तक बनाए जाने वाले सामान्य सीसी रोड की तुलना में अधिक है, जबकि सड़क की चौड़ाई आठ मीटर निर्धारित की गई है। सड़क की मोटाई बढ़ाने का फैसला वाहनों के लगातार बढ़ते दबाव और बारिश के मौसम में होने वाले जलभराव को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। भारी वाहनों की आवाजाही के कारण सड़क जल्दी क्षतिग्रस्त न हो, इसके लिए मजबूत सीमेंट कंक्रीट का इस्तेमाल किया जाएगा। एक्सईएन का कहना है कि अधिक मोटाई होने से सड़क की मजबूती और आयु दोनों बढ़ेंगी, जिससे भविष्य में मरम्मत पर होने वाला खर्च भी कम होगा।

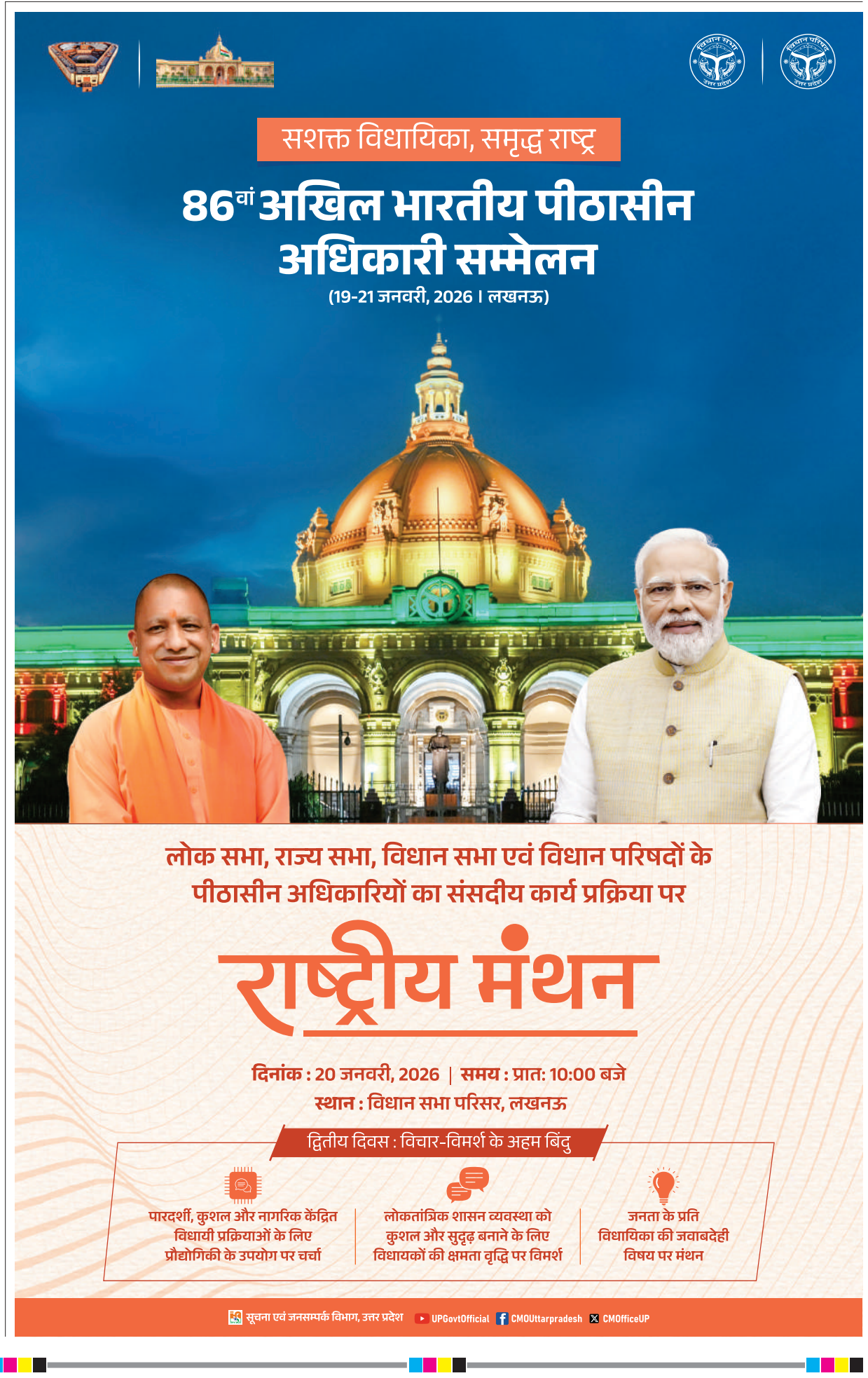

बिना ट्रांजिट पास आ रहे खनिज की रोकथाम को होंगे कड़े प्रबंध

डीएम ने उत्तराखंड से अवैध रूप से खनिज लाने वाले सिंडीकेट की कमर तोड़ने को शुरू की कवायद

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- डीएम ऊधमसिंह नगर को लिखा पत्र, जिन प्वाइंटों से ट्रक गुजरते वहां पर लगाए जाएंगे पक्के बैरियर

अमृत विचार : उत्तराखंड से बिना आईएसटीपी (इंटर-स्टेट ट्रांजिट पास) के अवैध रूप से खनिजों की आवाजाही को रोकने के दौरान खनन टास्क फोर्स के अधिकारी-कर्मचारियों को कुचलने की कोशिश होने के बाद जिला प्रशासन सख्त हो गया है। अवैध रूप से खनिज लाने वाले सिंडीकेट की कमर तोड़ने की कवायद शुरू हो गयी है। इसके लिए बहेड़ी क्षेत्र में जिन तीन प्वाइंटों पर खनन टास्क फोर्स की टीमें तैनात की गयी हैं, वहां पक्के बैरियर लगाए जाएंगे। साथ ही जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने बिना आईएसटीपी के आ रहीं गाड़ियों की धरपकड़ और अवैध खनन पर रोक लगाने के लिए ऊधमसिंह नगर के डीएम को पत्र लिखा है। दोनों जिलों के प्रशासन के बीच जल्द इस मुद्दे पर बैठक होगी।

प्रशासन ने शहरी क्षेत्र में रेता-बजरी आदि खनिजों का कारोबार करने वाले कारोबारियों की जांच करानी शुरू कर दी है कि यह लोग कहां से रेता-बजरी ला रहे हैं। गड़बड़ी पकड़े जाने पर शहर के कारोबारियों पर भी कार्रवाई की जा सकती है। शहर में सौ से ज्यादा कारोबारी रेता-बजरी का कारोबार कर रहे हैं। पीलीभीत रोड, मिनी बाईपास, नैनीताल रोड पर ज्यादा कारोबार हो रहा है। रेता-बजरी का कारोबार ज्यादा अवैध रूप से सड़कों के किनारे पर ही किया जा रहा है।

दरअसल, बहेड़ी क्षेत्र के नैनीताल रोड स्थित मुड़िया मुकर्रमपुर के टोल प्लाजा पर 14 जनवरी की तड़के गिट्टी और बजरी से लदे 40-45 ओवरलोड ट्रक लेकर चालक भाग निकले थे। सूचना मिलने पर खान अधिकारी, सीओ बहेड़ी, बहेड़ी और देवरनियां के इंस्पेक्टरों ने वन विभाग के तिराहे पर चेकिंग शुरू करायी। जांच टीम कागजात की चेकिंग कर रही थी, तभी कुछ वाहन चालकों ने बिना रुके जान से मारने की नीयत से जांच टीम में शामिल अधिकारी-कर्मचारियों को रौंदने की कोशिश की थी। अधिकारी-कर्मचारियों ने इधर-उधर कूदकर जान बचाई थी। इसमें दरोगा कृष्णपाल को गुम चोट आयी थीं। सभी वाहनों के चालकों और हेल्परों के विरुद्ध उप्र उपखनिज (परिहार) नियमावली-2021 खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम व भारतीय न्याय संहिता 2023 की सुसंगत धारा में थाना बहेड़ी में मुकदमा दर्ज कराया गया।

कमिश्नर से हुई थी शिकायत, 15 करोड़ राजस्व का हो रहा नुकसान

पिछले साल दिसंबर में कमिश्नर से की गयी शिकायत में बताया गया था कि बिना आईएसटीपी से आ रही गाड़ियां हर माह 15 करोड़ रुपये के राजस्व को नुकसान पहुंचा रही हैं। प्रतिदिन सैकड़ों ट्रकों की आवाजाही बताई गई थी। कमिश्नर भूपेंद्र एस. चौधरी ने भी उत्तराखंड से बरेली व पीलीभीत के रास्ते आने वाले खनिजों से भरे ट्रकों पर कार्रवाई के निर्देश दोनों जिलों के डीएम को दिए थे।

न्यूज ब्रीफ

दहेज उत्पीड़न में पति सास व ससुर गिरफ्तार

अलीगंज, अमृत विचार : अलीगंज पुलिस ने दहेज उत्पीड़न के एक मामले में पति, सास और ससुर को गिरफ्तार किया है।पुलिस ने राजपुर कला स्थित महाकाल ढाबे के पास गिरफ्तार किया। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में कमल कश्यप (26 वर्ष), उसके पिता पप्पू (52 वर्ष) तथा मां ज्ञान देवी (46 वर्ष), निवासी ग्राम नौगवा ब्रह्मनान, थाना अलीगंज, शामिल हैं।पीड़िता की ओर से दर्ज कराई गई शिकायत में आरोप है कि विवाहिता से अतिरिक्त दहेज में दो लाख रुपये और बुलेट मोटरसाइकिल की मांग की जा रही थी। पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया।

कुत्तों के हमले से सारस घायल

बेहजम, अमृत विचार : शारदा नगर वन रेंज के गांव ओदरहना में कुत्तों ने एक सारस पर हमला कर दिया। यह देख ग्रामीण शोर शराबा करते हुए मौके पर पहुंचे और उसकी जान बचाई। साथ ही वन विभाग को सूचना दी। मौके पर पहुंचे वन दरोगा विकास सिंह ने बताया कि घायल सारस का उपचार कराया जाएगा। कुत्तों के हमले में एक पंख टूट गया है।

ईओ के विरुद्ध एफआईआर दर्ज करने के निर्देश

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- फतेहगंज पश्चिमी में बिना नोटिस दुकान तोड़ने का विरोध करने के दौरान हुआ था विवाद
- ईओ पर दो लाख रिश्वत मांगने का लगा था आरोप, औद्योगिक मंत्री ने एसीएस को दिए निर्देश

अमृत विचार : फतेहगंज पश्चिमी में बिना नोटिस दिए दुकान तोड़ने का विरोध करने के दौरान हुए विवाद में औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता ''नंदी'' ने अपर मुख्य सचिव (गृह) को निर्देश दिए हैं कि अधिशासी अधिकारी पुष्पेंद्र राठौर के विरुद्ध व्यापारी राहुल गुप्ता की दुकान नोटिस दिये बगैर तोड़े जाने के विरुद्ध नियमानुसार एफआईआर दर्ज कराते हुए प्रकरण की जांच कराकर कठोर कार्रवाई करें।

अपर मुख्य सचिव गृह को लिखे पत्र में मंत्री नंदी ने कहा है कि नगर पंचायत फतेहगंज पश्चिमी के अधिशासी अधिकारी पुष्पेंद्र राठौर ने पद का दुरुपयोग करके व्यापारी राहुल गुप्ता की दुकान 2 लाख की रिश्वत न देने पर बिना नोटिस अतिक्रमण के नाम पर जेसीबी से तोड़ दी। प्रांतीय उद्योग व्यापार मण्डल के अध्यक्ष आशीष अग्रवाल ने जब व्यवसायी राहुल की दुकान तोड़ने के बारे में जानकारी मांगी तो अधिशासी अधिकारी ने उल्टा आशीष के विरुद्ध मुकदमा दर्ज करा दिया। पीड़ित ने स्वयं पर झूठा मुकदमा निरस्त कराने एवं व्यवसायी राहुल गुप्ता की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कराते हुए दोषी के विरुद्ध कार्रवाई का अनुरोध किया है। तथ्यों के दृष्टिगत नियमानुसार अधिशासी अधिकारी के विरुद्ध राहुल गुप्ता की दुकान नोटिस दिये बगैर तोड़े जाने के मामले में एफआईआर दर्ज कराएं।

गौरतलब है कि व्यापारी नेता के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज होने के बाद व्यापार मंडलों ने भी सामूहिक रूप से इसकाविरोध करते हुए मीरगंज के बाजार को बंद रखा था। बरेली से भी व्यापार मंडल के नेताओं ने मीरगंज जाकर अफसर की एक तरफा कार्रवाई का विरोध किया था।

उम्मीद हाउसिंग फाइनेंस प्राइवेट लिमिटेड

पंजीकृत कार्यालय: यूनिट 2009-14, 20वीं मंजिल, टॉवर - 2, मैग्नम ग्लोबल पार्क गोल्फ कोर्स एक्सटेंशन रोड, सेक्टर-58, गुरुग्राम (हरियाणा)-122002

CIN: U64990HR2016PTC057984

परिशिष्ट IV [नियम 8(1) देखें] कब्ज़ा नोटिस

जबकि, अधोहस्ताक्षरी ने **उम्मीद हाउसिंग फाइनेंस प्राइवेट लिमिटेड** के अधिकृत अधिकारी होने के नाते वित्तीय संपत्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण और सुरक्षा हित का प्रवर्तन (अधिनियम, 2002 (2002 का 54)) और सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 की [नियम 3] के साथ पठित धारा 13(12) के तहत, प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए नीचे दिए गए विवरण के अनुसार उधारकर्ता/ओं को मांग नोटिस जारी किया गया है, जिसमें संबंधित उधारकर्ताओं से उक्त नोटिस की प्राप्ति की तारीख से 60 दिनों के भीतर भुगतान की वास्तविक तिथि तक सभी लागतों, शुल्कों और खर्चों के साथ नोटिस में उल्लिखित राशि चुकाने का आह्वान किया गया है।

उक्त उधारकर्ता/सह-उधारकर्ता/गारंटर/बंधककर्ता द्वारा राशि चुकाने में विफल रहने पर, ऋणकर्ता//सह-उधारकर्ता/गारंटर/बंधककर्ता और सामान्य रूप से जनता को नोटिस दिया जाता है कि अधोहस्ताक्षरी ने सुरक्षा हित प्रवर्तन नियम, 2002 के नियम 8 के साथ पठित उक्त अधिनियम की धारा 13 की उप-धारा (4) के तहत उसे प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निम्नलिखित वर्णित संपत्ति का **भौतिक कब्जा** निचे दी गई तिथि को ले लिया है।

एतद् द्वारा विशेष रूप से उधारकर्ता/सह-उधारकर्ता/गारंटर/बंधककर्ता और सामान्य रूप से जनता को आगाह किया जाता है कि वे संपत्ति के साथ लेनदेन न करें और संपत्ति के साथ लेनदेन उसमें निर्दिष्ट राशि के लिए पूर्ण भुगतान तक संबंधित तिथियों से अतिरिक्त ब्याज, लागत और शुल्क सहित **उम्मीद हाउसिंग फाइनेंस प्राइवेट लिमिटेड** के अधीन होगा।

सुरक्षित संपत्तियों को छुड़ाने के लिए उपलब्ध समय के संबंध में, उधारकर्ता का ध्यान अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (8) के प्रावधान की ओर आकर्षित किया जाता है।

उधारकर्ताओं, सह-उधारकर्ताओं और गारंटरों, प्रतिभूतियों, बकाया देयताओं और धारा 13(2) के तहत भेजे गए डिमांड नोटिस और उसके तहत दावा की गई राशि और कब्जे की तारीख का विवरण निम्नानुसार दिया गया है:

उधारकर्ता का नाम और पता, सह-उधारकर्ता गारंटर ऋण खाता संख्या और ऋण राशि	मांग सूचना दिनांक	भौतिक कब्जे की तिथि
1. सतीश कुमार, पुत्र राधेश्याम लाल (उधारकर्ता) 2. लता, पत्नी सतीश कुमार (सह-उधारकर्ता) उपरोक्त दोनों का निवास पता: मकान संख्या 75/सी, रोड संख्या–07, गुड शैफर्ड स्कूल के निकट, कृष्णा नगर, बरेली, उत्तर प्रदेश–243122 3. सौरभ कश्यप, पुत्र सतीश कुमार (सह-उधारकर्ता), निवास पता: विष्णु मंदिर के निकट, 75-सी, कृष्णा नगर, बरेली, उत्तर प्रदेश–243122 ऋण संख्या: LXBAR02923-240025154 ऋण अनुबंध की तिथि: 28 मई 2023 ऋण राशि: ₹ 24,00,000/-	08 अक्टूबर 2025	16 जनवरी 2026
	देय राशि रुपये में.	
	₹ 24,24,219/- (रुपये चौबीस लाख चौबीस हजार दो सौ उन्नीस मात्र) दिनांक 08 अक्टूबर 2025 तक, तथा 09 अक्टूबर 2025 से आगे का ब्याज एवं अन्य प्रभार अतिरिक्त देय।	

सुरक्षित संपत्ति का विवरण :- संपत्ति का समस्त अंश एवं खंड जिसका भूमि के भाग पर निर्मित एक आवासीय मकान, प्लॉट संख्या 30 एवं 31 पर स्थित, जिसका क्षेत्रफल 83.61 वर्ग मीटर है, खसरा संख्या 63, ग्राम परतापुर चौधरी, तहसील एवं जिला–बरेली, उत्तर प्रदेश में अवस्थित, **जिसकी सीमाएँ इस प्रकार हैं— पूर्व:** प्लॉट संख्या 38 एवं 39, राम प्रसाद का हॉल/मकान, **पश्चिम:** आराजी गुरदयाल सिंह, चमन लाल का प्लॉट, **उत्तर:** चमन लाल का मकान, जो गुरदयाल सिंह की आराजी पर निर्मित है, **दक्षिण:** 16 फीट चौड़ी सड़क, टकेचंद एवं लडैती देवी का मकान

दिनांक: 20.01.2026
स्थान: गुरूग्राम, हरियाणा

प्राधिकृत अधिकारी श्री गौरव त्रिपाठी मोबाइल- 9650055701
उम्मीद हाउसिंग फाइनेंस प्रा. लिमिटेड

जल्द नहीं खुला स्कूल तो तहसील में लगेंगी बच्चों की कक्षाएं

एसडी एम उदित पवार को ज्ञापन देती पैनी नज़र संस्था की अध्यक्ष सुनीता गंगवार। ● अमृत विचार

संवाददाता, नवाबगंज

- जादोंपुर में छह माह से बंद बेसिक स्कूल को खुलवाने की है मांग

अमृत विचार: ग्राम जादोपुर में पिछले छह माह से बंद प्राथमिक विद्यालय को पुनः खुलवाने की मांग को लेकर पैनी नजर सामाजिक संस्था की अध्यक्ष एडवोकेट सुनीता गंगवार ने ग्रामीणों व बच्चों के साथ उप जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा।

उन्होंने आरोप लगाया कि गंदी राजनीति के चलते विद्यालय को अब तक नहीं खोला गया है, जबकि बच्चों को जिस दूसरे विद्यालय में शिफ्ट किया गया है, उसकी दूरी लगभग डेढ़ किलोमीटर है। रास्ते में नहर पड़ने के साथ मार्ग भी जर्जर है, जिससे बच्चों की जान को खतरा बना रहता है। ऐसे में बच्चों को शिक्षा के मौलिक अधिकार से वंचित किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि दूसरे विद्यालय में बच्चों की फर्जी उपस्थिति दर्ज की जा रही है, जबकि बच्चे बीते छह माह से स्कूल नहीं जा पा रहे हैं। अभिभावक खराब रास्ते और नहर के कारण बच्चों को भेजने में असमर्थ हैं। संस्था अध्यक्ष ने बताया कि बंद विद्यालय में पहले 45 बच्चे अध्ययनरत थे और 12 नए बच्चों के प्रवेश प्रस्तावित थे, इसके बावजूद विद्यालय बंद कर दिया गया। ग्रामीणों द्वारा कई स्तरों पर गुहार लगाने के बाद भी कोई सुनवाई नहीं हुई। सुनीता गंगवार ने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र विद्यालय नहीं खोला गया तो बच्चों की कक्षाएं तहसील परिसर में लगाई जाएंगी और संस्था के पदाधिकारी बच्चों के साथ वहीं धरना देंगे। ज्ञापन देने वालों में राजेश्वर सिंह, प्रधान प्रीति देवी, ब्रह्मानंद गंगवार, बृजेश गंगवार, खेमकरन लाल गंगवार सहित कई ग्रामीण मौजूद रहे।

सचिव और प्रधान ने मिलकर किया 66.54 लाख का घोटाला

कार्यालय संवादाता, बरेली

- टीएसी जांच में डेढ़ साल पहले ग्राम पंचायत गुरुगांवा मुस्तकिल में उजागार हुआ भ्रष्टाचार
- पंचायती राज एवं अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री से शिकायत, डीएम को कार्रवाई के निर्देश

अमृत विचार : मझगवां ब्लॉक की ग्राम पंचायत गुरुगांवा मुस्तकिल में विभिन्न योजनाओं में 66.54 लाख रुपये से अधिक का भ्रष्टाचार हुआ। इसमें से करीब 29.82 लाख की धनराशि सचिव और प्रधान ने बिना सक्षम अधिकारी की अनुमति के सीधे खाते से निकाली थी।

इस प्रकरण में शासन के निर्देश पर तत्कालीन कमिश्नर सौम्या अग्रवाल की ओर से गठित कमेटी ने टीएसी जांच की। तत्कालीन कमिश्नर ने डेढ़ साल पहले डीएम को टीएसी जांच आख्या सहित पत्र भेजा था, लेकिन सचिव और प्रधान के विरुद्ध कार्रवाई नहीं हुई। अब मामले में पंचायती राज एवं अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री ओपी राजभर से शिकायत की गयी है। मंत्री ने डीएम को कार्रवाई के लिए लिखा है।

ग्राम पंचायत गुरुगावा मुस्तकिल निवासी ने पंचायती राज एवं अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री से शिकायत की है कि तत्कालीन कमिश्नर ने टीएसी गठित कर जांच कराई थी। जांच कमेटी ने हैंडपंप रिबोर, नाली-सड़क निर्माण कार्य सहित अन्य कार्यों में 66.54 लाख रुपये की धनराशि का दुरुपयोग और अनियमितताएं पकड़ीं थीं। इसके बावजूद सचिव और ग्राम प्रधान के खिलाफ कार्रवाई नहीं की गई।

पंचायती राज मंत्री से शिकायत करते हुए कहा है कि ग्राम पंचायत में निर्माण कार्य में लगातार भ्रष्टाचार जारी है। गलत तरीके से भुगतान कर शासकीय क्षति होने की शिकायत करते हुए जांच की मांग की। इस पर मंत्री ओपी राजभर ने डीएम को जांच कराकर कार्रवाई के लिए लिखा है।

इस आदेश के बाद विभाग में हड़कंप मचा है। प्रधान और सचिव के साथ साथ उनसे जुड़े लोग भी भयभीत हैं कि कहीं जांच की आंच उन पर न आ जाए।

स्कूटी और बाइक की टक्कर, बुजुर्ग की मौत

मदनापुर, अमृत विचार: मदनापुर क्षेत्र में बाइक और स्कूटी की आमने-सामने टक्कर हो जाने से स्कूटी पर सवार एक व्यक्ति गंभीर रुप से घायल हो गया। घायल को मेडिकल कालेज में भर्ती कराया गया। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गयी। थाना क्षेत्र के गांव बरीखास निवासी अनिल मिश्रा (55) रविवार को अपने खेत पर स्कूटी से गए थे। वह रात आठ बजे स्कूटी से खेत से अपने घर लौट रहे थे। मदनापुर रोड पर पुलिया के निकट सामने से बाइक ने स्कूटी को टक्कर मार दी।

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता

बरेली वृत लो0नि0वि0, बरेली

पत्रांक : 106/413सी0(ई0टेण्डर)–3/2025–26 दिनांक 05.01.2026

ऑन–लाइन निविदा आमंत्रण सूचना

1– महामहिम राज्यपाल, उ0प्र0 की ओर से अधीक्षण अभियन्ता, बरेली वृत, लो0नि0वि0, बरेली के द्वारा प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, बरेली के कार्यक्षेत्र के अन्तर्गत निम्न तालिका में अंकित विवरण के अनुसार लो0नि0वि0 में पंजीकृत ठेकेदारों/फर्मो से प्रतिशत दरों पर स्वीकृति की प्रत्याशा में ई–निविदा दिनांक 21.01.2026 से दिनांक 30.01.2026 की मध्यान्ह 12.00 बजे तक आमंत्रित की जाती हैं। निविदा की तकनीकी बिड दिनांक 30.01.2026 को अपरान्ह 12.30 बजे ऑन–लाइन खोला जाना प्रस्तावित किया गया है:–

क्र0 सं0.	कार्य व योजना का नाम	खण्ड का नाम	अनुमानित लागत (रू0 लाख में)	धरोहर धनराशि (रू0 लाख में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	निविदा प्रपत्र का मूल्य((निविदा शुल्क+ स्टेशनरी+ जी0एस0टी0)	ठेकेदारो की पात्रता श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7	8
1	जनपद बरेली में विकास खण्ड शेरगढ़ में पहाड़पुर घाटगांव से मानपुर मार्ग पर स्थित सेतु की मरम्मत एवं सुरक्षात्मक कार्य।	प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, बरेली	97.10	6.86	03 माह	2725.00	ए, बी, (मार्ग कार्य)

2– निविदा दस्तावेज एवं निविदा हेतु आमंत्रण के विस्तृत नियम एवं शर्तों हेतु वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर लॉग ऑन किया जा सकता है।

UP – 244158 दिनांक: 16/01/2026
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

(भगत सिंह)
अधिशासी अभियन्ता
प्रान्तीय खण्ड लो0नि0वि0 बरेली

(प्रकाश चन्द्र)
अधीक्षण अभियन्ता
बरेली वृत, लो0नि0वि0 बरेली

बाघ दिखने से ग्रामीणों में दहशत

संपूर्णानगर,अमृत विचार: थाना हजारा के अशोक नगर में रविवार की रात बाघिन ने एक बैल को शिकार बनाया है। वहीं रास्ते में बाघ के दिखाई पड़ने से लोगों में दहशत व्याप्त हो गई है।

शास्त्री नगर निवासी बसंत लाल शर्मा ने बताया कि वह संपूर्णानगर से दुकान बंद कर रविवार शाम बाइक से घर जा रहे थे। अचानक वृंदावन कॉलोनी पुलिया के पास बाघ सड़क पर आ गया। बाघ देख वह दहशत में आ गए। कुछ मिनट खड़े रहने के बाद बाघ झाड़ियों में चला गया। इससे आने-जाने वाले लोगों में दहशत का माहौल है। कुछ दिन पूर्व वृंदावन कॉलोनी के एक वृद्ध और महिला को बाघ निवाला बना चुका है।

सेवा करना सनातनियों की परंपरा

संवाददाता, रिठौरा

अमृत विचार : झलरा पीपल मंदिर प्रांगण में रविवार को कमजोर, बुजुर्ग, विधवा, तलाकशुदा, दिव्यांग जनों को कंबल वितरण एवं खिचड़ी सहभोज कार्यक्रम का आयोजन किया। मुख्य अतिथि मीरगंज विधायक डॉ डीसी वर्मा, विशिष्ट अतिथि कैंट विधायक संजीव अग्रवाल, जिलाध्यक्ष सोमपाल शर्मा, प्रशांत पटेल ने संयुक्त रूप से कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मुख्य अतिथि ने कहा माघ मास में कंबल वितरण एवं खिचड़ी भोज हमारी सनातनी परंपरा है। कार्यक्रम आयोजक भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा के प्रदेश शोध प्रमुख शिवमंगल सिंह राठौर ने कहा मेरे खून में समाज सेवा का भाव है,यह सनातनी परंपरा भी है। इस दौरान उन्होंने तमाम जरूरतमंदों को कंबल वितरित किये। कार्यक्रम में वेदपाल, लोकेश कुमार गुप्ता,गौरव सिंह अरमान, भगवत सरन साहू, राजकिशोर कश्यप, राधेश्याम साहू, ओपी प्रजापति, राजीव उर्फ लवकुश साहू, ब्रजेश मौर्य, राकेश कुमार शर्मा आदि मौजूद रहे।

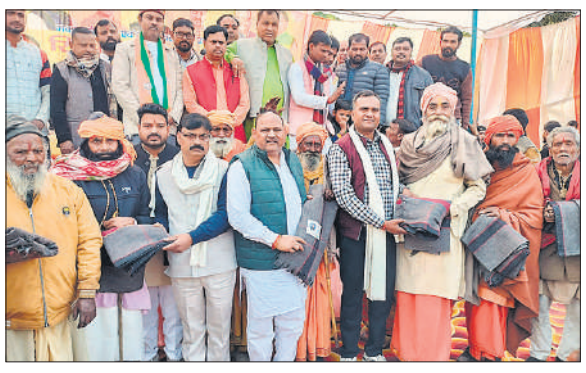

कंबल वितरण किया। ● अमृत विचार

ओले गिरने के बाद आसमान हुआ साफ

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

- मैगलगंज में तेज बारिश-ओलावृष्टि से सरसों, गेहूं को क्षति की आशंका

अमृत विचार: जिले में रविवार की देर रात अचानक मौसम बदल गया। आसमान में बादल छा गए। बादलों की गड़गड़ाहट के बीच शहर समेत कुछ स्थानों पर जहां बूंदाबांदी हुई। वहीं मितौली में तेज बारिश के बीच करीब 10 मिनट ओलावृष्टि हुई। मैगलगंज में भी झमाझम बारिश हुई। इससे सोमवार को आसमान साफ हो गया और सुबह से धूप खिली, जिससे कई दिनों से हो रही जबरदस्त सर्दी से राहत मिल गई।

जिले में रविवार की देर रात करीब 9:30 बजे मौसम ने अचानक रुख बदल लिया। दिनभर सामान्य रहने के बाद रात करीब होते-होते आसमान में घने काले बादल छा गए। कुछ ही देर में बादलों की तेज गड़गड़ाहट और बिजली चमकने के साथ बारिश का सिलसिला शुरू हो गया। शहर समेत कई स्थानों पर गरज-चमक के साथ हल्की बूंदाबांदी हुई, मैगलगंज समेत कई जगहों पर करीब आधे घंटे तक तेज बारिश हुई। मितौली क्षेत्र में करीब दस मिनट तक बारिश के साथ ओले गिरे। ओले गिरने से क्षेत्र में कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया। कई स्थानों पर खेतों में सफेदी छा गई। ओलावृष्टि से गेहूं, सरसों और सब्जी की फसलों को नुकसान की आशंका जताई जा रही है, जिससे किसानों की चिंता बढ़ गई है। वहीं मैगलगंज क्षेत्र में बारिश होने से सड़कों पर पानी भर गया। देर रात आवाजाही कर रहे राहगीरों और दोपहिया वाहन चालकों को बारिश से बचने के लिए दुकानों, बस स्टॉप और छज्जों के नीचे रुकना पड़ा। कुछ स्थानों पर जलभराव के कारण यातायात भी प्रभावित हुआ। बारिश और ओलावृष्टि के कारण तापमान में गिरावट दर्ज की गई, जिससे मौसम ठंडा हो गया। अचानक बदले मौसम से बिजली आपूर्ति भी कुछ क्षेत्रों में प्रभावित रही। हालांकि सोमवार की सुबह मौसम साफ हो गया और धूप निकली। इससे लोगों को ठंड से काफी राहत मिली। उनके चेहरे पर खुशी देखी गई। धूप में तेजी होने के कारण दिन में लोगों को कोई खास ठंड का एहसास नहीं हुआ। दिन का तापमान 24 और न्यूनतम 09 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

दुधवा टाइगर रिजर्व में भालू देखकर उछल पड़े सैलानी

पलिया कलां,अमृत विचार: दुधवा टाइगर रिजर्व के जंगलों में भ्रमण कर दुर्लभ वन्य जीव जंतुओं व प्रवासी अप्रवासी पक्षियों को देखने के लिए आए सैलानियों के सामने जब अचानक कच्चे वन मार्ग पर भालू आ गया, तो वे खुशी से झूम उठे।मगर साथ चल रहे गाइड ने उन्हें शांत रहने का इशारा किया। दिल्ली, कानपुर, लखनऊ आदि महानगरों से कुछ सैलानी रविवार को दुधवा टाइगर रिजर्व घूमने आए हुए थे। वे रात में यहीं रुककर जब सोमवार की प्रातः पाली में जब एक जिनान सफारी पर दुधवा भ्रमण कर रहे थे, तो अचानक उनके सामने भालू आ गया। जिसे देख वे एकदम रोमांचित हो उठे।

कार्यालय जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, बदायूं

पत्रांक: बेसिक/ RTE नि:शुल्क प्रवेश/10954–61

विज्ञप्ति/सूचना

दिनांक: 19.01.2026

शासनादेश संख्या: 10/अड़सठ–3–2026, बेसिक शिक्षा अनुभाग–3, दिनांक–08.01.2026 के क्रम में महानिदेशक, स्कूल शिक्षा, उ.प्र. लखनऊ के पत्रांक: आर0टी0ई0/न0प्र0–02/8056/2025–26 दिनांक 17 जनवरी 2026 के द्वारा नवीन सत्र–2026–27 में नि:शुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम–2009 की धारा–12 (1)(ग) के अन्तर्गत जनपद के गैर सहायतित मान्यता प्राप्त विद्यालयों में अलाभित समूह एवं दुर्बल के बच्चों के कक्षा–1/ पूर्व प्राथमिक कक्षा में प्रवेश हेतु निर्धारित ऑनलाइन पोर्टल http//.rte25.upsdc.gov.in पर उनके माता–पिता एवं अभिभावकों द्वारा ऑनलाइन आवेदन करने तथा आवेदनों की लॉटरी आदि के लिये निम्नवत समय सारिणी निर्धारित कर नि:शुल्क प्रवेश सम्बन्धी कार्यवाही पूर्ण करने हेतु निर्देश प्रदान किये गये हैं –

चरण	आवेदन करने की तिथियां	जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा आवेदन पत्रों का सत्यापन कर उन्हें लॉक करने की तिथि	लॉटरी निकालने की तिथि	लॉटरी आवंटन के सापेक्ष चयनित बच्चों के प्रवेश आदेश निर्गत किये जाने की तिथि
प्रथम	02 Feb 26- 16 Feb 26	02 Feb 26- 16 Feb 26	18 Feb 2026	20 Feb 2026
द्वितीय	21 Feb 26- 07 Mar 26	21 Feb 26- 07 Mar 26	09 Mar 2026	11 Mar 2026
तृतीय	12 Mar 26 - 25 Mar 26	12 Mar 26 - 25 Mar 26	27 Mar 2026	29 Mar 2026

आवेदन प्रकिया/प्रवेश हेतु नियम व शर्तें

आनलाइन आवेदन के समय अभिभावक (माता अथवा पिता) द्वारा अपना आधार कार्ड का नम्बर एवं वित्तीय सहायता हेतु अपना आधार लिंक, सीडेड बैंक खाते का विवरण आवेदन में अंकित किया जायेगा। आवेदन में पात्रता अनुसार अभिलेखों की पठनीय एवं स्वच्छ छायाप्रति संलग्न की जायेगी ।

पात्रता श्रेणी	सम्बन्धित अभिलेख
अलाभित समूह	तहसीलदार द्वारा निर्गत जाति प्रमाण पत्र
निवास प्रमाण पत्र	तहसील स्तर से निर्गत निवास प्रमाण पत्र, मतदाता परिचय पत्र, राशन कार्ड, ग्रामीण जॉब कार्ड, पासपोर्ट, ड्राइविंग लाइसेंस, विद्युत बिल एवं पानी का बिल
दुर्बल वर्ग	खाद्य एवं रसद विभाग द्वारा जारी की गयी गरीबी रेखा के नीचे के कार्ड धारक (अन्त्योदय) अथवा तहसील स्तर से जारी वार्षिक आय प्रमाण पत्र।
नि:शक्त, एच.आई.वी. अथवा कैंसर पीड़ित माता–पिता/ अभिभावक का बच्चा	मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा जारी चिकित्सा प्रमाण पत्र
अनाथ बच्चा	सक्षम स्तर से निर्गत प्रमाण पत्र
माता–पिता या संरक्षक दिव्यांगता/वृद्धावस्था/विधवा पेंशन प्राप्तकर्ता का बच्चा।	दिव्यांगजन सशक्तिकरण/विभाग/स्वास्थ्य विभाग/समाज कल्याण विभाग द्वारा जारी प्रमाण पत्र।

1. आवेदन में अभिभावक द्वारा अपने ग्राम पंचायत/वार्ड का चयन किया जायेगा, जिसके आधार पर आस–पास (Neighbourhood) में स्थित अधिकतम 10 विद्यालयों का वरियता/क्रमानुसार चयन किया जायेगा। उत्तर प्रदेश नि:शुल्क और अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार नियमावली, 2011– यथा संशोधित के अनुसार आस–पास (Neighbourhood) की परिभाषा के अन्तर्गत स्थानीय निकाय अर्थात ग्राम पंचायत अथवा नगर पंचायत/नगर पालिका/नगर निगम के वार्ड को इकाई समझा जायेगा, अर्थात जिस ग्राम पंचायत /वार्ड में विद्यालय स्थापित होगा उसी ग्राम पंचायत/वार्ड के उक्त श्रेणी के पात्र बच्चों को इसका लाभ अनुमन्य होगा ।

2. अभिभावक द्वारा एक लॉटरी/चरण में एक बार आवेदन किया जायेगा। विद्यालय में सीट आवंटित न होने की स्थिति में अभिभावक अगले चरण में पुन: आवेदन कर सकेगें।

3. उक्त के अन्तर्गत प्रवेश हेतु आवेदन के समय आनलाइन निर्गत जन्म प्रमाण पत्र होना अनिवार्य है। बिना जन्म प्रमाण पत्र के आवेदन निरस्त. कर दिया जायेगा।

4. एक बच्चे का एक से अधिक आवेदन किये जाने पर सभी आवेदन निरस्त कर दिये जायेगें।

वीरेन्द्र कुमार सिंह
जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी
बदायूं

न्यूज ब्रीफ

नंदू गिरोह का सदस्य हवाई अड्डे पर गिरफ्तार

नई दिल्ली। कपिल सांगवान उर्फ नंदू गिरोह के एक प्रमुख सदस्य को दिल्ली हवाई अड्डे पर गिरफ्तार कर लिया गया। वह करीब दो साल से फरार था और विदेश में था। दिल्ली की एक अदालत ने उसे कई आपराधिक मामलों में भगोड़ा घोषित किया था। हरियाणा निवासी मनोज राठी (33), नजफगढ़ पुलिस थाना में 2021 में दर्ज हत्या के एक मामले तथा बाबा हरिदास नगर थाना में शस्त्र अधिनियम के तहत दर्ज दो मामलों में वांछित था।

तीन स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी

अंबाला। अंबाला के तीन स्कूल को सोमवार को बम की धमकी वाला ई-मेल मिलने के बाद तुरंत पुलिस को सूचित किया गया और पूरी जांच की गई, लेकिन कुछ भी संदिग्ध नहीं पाया गया। पुलिस ने बताया कि तीनों स्कूल में गहन तलाशी ली गई लेकिन कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला। इनमें से दो स्कूल अंबाला कैंट में और एक अंबाला सिटी में स्थित है। अंबाला छावनी थाना प्रभारी जतिंदर ढिल्लों ने कहा, पूरी तरह से तलाशी ली गई, लेकिन कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला।

27 करोड़ की 13.6 किग्रा मेफेड्रोन जब्त

ठाणे। मुंब्रा में मादक पदार्थ तस्करी के एक अंतरराज्यीय गिरोह का भंडाफोड़ करने के बाद 27.21 करोड़ रुपये मूल्य की ''मेफेड्रोन'' जब्त की गई है। यह ठाणे पुलिस आयुक्तालय के अंतर्गत थाना स्तर पर मादक पदार्थ की अब तक की सबसे बड़ी खेप की जब्ती है। पुलिस उपायुक्त (जोन 1) सुभाष बुर्से ने बताया कि एक सूचना के आधार पर, मुंब्रा थाने की स्वापक औषधि एवं मन: प्रभावी पदार्थ (एनडीपीएस) टीम ने एक अस्पताल के पास जाल बिछाया और बासु उमरदीन सैयद को 23.5 ग्राम मेफेड्रोन के साथ गिरफ्तार किया। डीसीपी ने बताया कि हमारी जांच में मध्य प्रदेश से ठाणे तक फैली आपूर्ति श्रृंखला का खुलासा हुआ।

प्रवासी बन सरकारी कर्मी ने हड़पे 18 लाख

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर की आर्थिक अपराध शाखा ने एक पूर्व सरकारी कर्मचारी के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया है। कर्मचारी पर नौकरी में रहते हुए खुद को प्रवासी बताकर 18.3 लाख रुपये सहायता प्राप्त करने का आरोप है। ईओडब्ल्यू को मिली शिकायत में आरोप था कि उसने खुद का और अपने परिवार के सदस्यों का प्रवासी के तौर पर अवैध तरीके से पंजीकरण कराया है और नकद आर्थिक सहायता प्राप्त की।

भारत और यूएई में रणनीतिक रक्षा साझेदारी योजना, एलएनजी समझौते पर किए हस्ताक्षर

प्रधानमंत्री मोदी व यूएई के राष्ट्रपति अल नहयान में 200 अरब डॉलर के व्यापार लक्ष्य पर चर्चा

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने सोमवार को एक रणनीतिक रक्षा साझेदारी की योजना पेश की और एलएनजी समझौते पर हस्ताक्षर किए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और यूएई के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाह्यान ने 2032 तक वार्षिक व्यापार के लिए 200 अरब अमेरिकी डॉलर का लक्ष्य निर्धारित करते हुए संबंधों को मजबूत करने के लिए व्यापक एजेंडा प्रस्तुत किया।

मोदी ने दिल्ली हवाई अड्डे पर अल नाह्यान का गले मिलकर स्वागत किया और फिर वे एक ही वाहन में प्रधानमंत्री आवास तक साथ गए, जहां उन्होंने व्यक्तिगत स्तर पर और प्रतिनिधिमंडल स्तर के प्रारूपों में बातचीत की। दोनों पक्षों द्वारा हस्ताक्षर किए गए पांच दस्तावेजों में सबसे अहम दस्तावेज रणनीतिक रक्षा साझेदारी स्थापित करने का आशय पत्र रहा। यह कदम पाकिस्तान और सऊदी अरब द्वारा अपने दशकों पुराने रक्षा संबंधों को मजबूत करने के लिए एक रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर किए जाने के चार महीने बाद उठाया गया। रक्षा साझेदारी के तहत भारत और यूएई रक्षा औद्योगिक सहयोग और उन्नत प्रौद्योगिकियों, साइबरस्पेस प्रशिक्षण, विशेष अभियानों, अपनी सेनाओं की अंतरसंचालनीयता और आतंकवाद रोधी गतिविधियों में सहयोग पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। इस दौरान एक और समझौते पर हस्ताक्षर किए गए जिसके तहत हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) 2028 से शुरू होने वाले 10 वर्षों में अबू धाबी नेशनल ऑयल कंपनी गैस से 0.5 मिलियन मीट्रिक टन एलएनजी (तरल प्राकृतिक गैस) खरीदेगी। कतर के बाद संयुक्त अरब अमीरात भारत को एलएनजी की आपूर्ति करने वाला दूसरा सबसे बड़ा निर्यातक है।

दोनों पक्षों ने उन्नत परमाणु प्रौद्योगिकियों में सहयोग की संभावनाओं का पता लगाने का भी फैसला किया, जिसमें बड़े परमाणु रिएक्टर और छोटे मॉड्यूलर रिएक्टर का विकास तथा उन्नत रिएक्टर प्रणालियों, परमाणु ऊर्जा संयंत्र संचालन और रखरखाव एवं परमाणु सुरक्षा में सहयोग शामिल है। यूएई नेता की यात्रा को विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने अत्यंत महत्वपूर्ण बताया।

नई दिल्ली में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और यूएई के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान। ● एजेंसी

- उन्नत परमाणु प्रौद्योगिकियों में सहयोग की संभावनाओं का पता लगाने का भी फैसला

भारत में डेटा सेंटर में निवेश पर विचार करेगा खाड़ी देश

विदेश सचिव मिसरी ने कहा कि खाड़ी देश भारत में डेटा सेंटर की क्षमता बढ़ाने के लिए निवेश पर भी विचार करेगा। दोनों पक्षों ने 2032 तक वार्षिक व्यापार के लिए 200 अरब अमेरिकी डॉलर का लक्ष्य भी निर्धारित किया है। वर्ष 2023-24 में दोनों पक्षों के बीच द्विपक्षीय व्यापार 84 अरब अमेरिकी डॉलर का था। मिसरी ने बताया कि खाद्य सुरक्षा से जुड़े समझौते पर भी हस्ताक्षर किए गए।

नहयान ने की सीमा पार आतंकवाद की निंदा

मिसरी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी और अल नाह्यान ने सीमा पार आतंकवाद की स्पष्ट रूप से निंदा की और कहा कि आतंकवाद के सभी कृत्यों के समर्थकों और वित्तपोषकों को न्याय के कठघरे में लाया जाना चाहिए।

आप ही भारत के अभिनेता निर्देशक और दर्शक होंगे

नई दिल्ली, एजेंसी

नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी ने सोमवार को विकसित भारत के निर्माण में देश के युवाओं की भूमिका को रेखांकित करते हुए कहा कि इस यात्रा में वे इसके अभिनेता, निर्माता, निर्देशक और कई बार दर्शक भी होंगे। यहां राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) कैडेट की एक सभा को संबोधित करते हुए, त्रिपाठी ने कड़ी मेहनत और लगन के महत्व पर जोर देने के लिए टेनिस के महान खिलाड़ी रोजर फेडरर का उदाहरण दिया और साहस के महत्व को समझाने के लिए 1971 के युद्ध में सेकंड लेफ्टिनेंट अरुण खेत्रपाल के शौर्य और बलिदान को याद किया।

नौसेना प्रमुख ने युवाओं से आत्म-अनुशासन और टीम वर्क के मूल्यों को आत्मसात करने का आग्रह किया और जोर देकर कहा कि केवल व्यक्तिगत उत्कृष्टता से कोई संगठन या राष्ट्र विकसित नहीं हो सकता। एडमिरल ने कहा, यदि आप इस टीम भावना और युवा ऊर्जा को एकता और उद्देश्य के साथ जोड़ सकते हैं, तो यह 2047 तक विकसित भारत बनने के हमारे राष्ट्र के लक्ष्य में एक प्रेरक शक्ति बन जाएगी।

● नेशनल कैडेट कोर के युवाओं से बोले नौसेना प्रमुख एडमिरल त्रिपाठी

व्यक्तिगत लाभों से ऊपर उठना होगा

नौसेना प्रमुख ने कहा, इसलिए, अगर मैं ''विकसित भारत'' के निर्माण को एक फिल्म के निर्माण के समान देखूं तो आप इस यात्रा में इसके अभिनेता, अभिनेत्री, निर्माता, निर्देशक और कई बार इसके दर्शक भी होंगे। उन्होंने कहा कि आपको व्यक्तिगत लाभों से ऊपर उठना होगा। उन्होंने यह भी कहा, इसमें मेरा क्या फायदा है? वाली मानसिकता को अपने शब्दकोश से बाहर कर देना चाहिए।

प्राथमिकी रद्द करने वाली लालू की याचिका पर फैसला सुरक्षित

नई दिल्ली, एजेंसी

जमीन के बदले नौकरी देने का मामला

दिल्ली हाईकोर्ट ने सोमवार को राष्ट्रीय जनता दल (राजद) सुप्रीमो और पूर्व रेल मंत्री लालू प्रसाद की उस याचिका पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया, जिसमें उन्होंने सीबीआई की ओर से जमीन के बदले नौकरी घोटाले में दर्ज प्राथमिकी को रद्द करने का अनुरोध किया है। लालू प्रसाद के अधिवक्ता कपिल सिब्बल और सीबीआई की तरफ से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने न्यायमूर्ति रविंदर डुडेजा के समक्ष दलीलें पूरी कीं।

प्रसाद ने याचिका में प्राथमिकी के साथ 2022-23 और 2024 में दायर तीन आरोपपत्रों और संज्ञान संबंधी आदेशों को भी रद्द करने का अनुरोध किया है। राजद सुप्रीमो ने दलील दी कि इस मामले में जांच, प्राथमिकी, छानबीन और उसके बाद दायर आरोपपत्र कानूनी रूप से टिकने योग्य नहीं हैं, क्योंकि सीबीआई ने भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा-17ए के तहत अनिवार्य पूर्व स्वीकृति नहीं ली। सिब्बल ने सोमवार को कहा कि सीबीआई का कहना है कि लालू प्रसाद ने रेल मंत्री के रूप में अपनी आधिकारिक क्षमता में काम किया। उन्होंने कहा कि इसलिए प्रसाद पर आधिकारिक कार्यों या कर्तव्यों के निर्वहन के दौरान कथित रूप से किए गए कृत्यों के लिए मुकदमा चलाने के वास्ते मंजूरी की आवश्यकता है। राजू ने सिब्बल की दलीलों का विरोध किया।

न्यायिक सुधारों से जुड़ी याचिका से सुप्रीम कोर्ट नाराज

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने व्यापक न्यायिक सुधारों के अनुरोध वाली जनहित याचिका पर नाराजगी जताते हुए सोमवार को इसे प्रचार याचिका करार देते हुए असंतोष व्यक्त किया और याचिका खारिज कर दी। उच्चतम न्यायालय ने साथ ही यह भी कहा कि इस अदालत को बाहर कैमरों को संबोधित करने के मंच के रूप में इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए।

याचिकाकर्ता ने यह निर्देश देने का अनुरोध किया था कि भारत की हर अदालत में किसी भी मामले का निपटारा एक वर्ष की समय-सीमा में किया जाए। प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत, न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने सवाल उठाया कि वह ऐसा निर्देश कैसे जारी कर सकती है, जिसमें सभी मामलों का एक वर्ष में निपटारा अनिवार्य किया जाए। यह जनहित याचिका कमलेश त्रिपाठी ने दायर की थी, जो स्वयं पेश होकर मामले की पैरवी कर रहे थे। सुनवाई के दौरान त्रिपाठी ने दलीलें हिंदी में रखने की अनुमति मांगी। देश में बदलाव लाने के लिए उनकी अर्जी पर प्रतिक्रिया देते हुए प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि ऐसी आकांक्षाओं के लिए औपचारिक याचिका उपयुक्त माध्यम नहीं है। प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि आप देश में बदलाव चाहते हैं न? इसके लिए ऐसी याचिका दायर करने की जरूरत नहीं है। आप मुझे एक पत्र लिखकर भेज दीजिए। पीठ ने प्रचार याचिका दायर करने के मकसद की विशेष रूप से आलोचना की।

प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि आप लोग बाहर खड़े कैमरामैनों के सामने बोलने के लिए याचिका मत डालिये। याचिकाकर्ता के अनुरोध की व्यवहारिकता पर सवाल उठाते हुए प्रधान न्यायाधीश ने सवाल किया कि आप कह रहे हैं कि एक साल में हर कोर्ट फैसला करे? ऐसी कितनी कोर्ट चाहिए आपको? पीठ ने आदेश में कहा कि यदि याचिकाकर्ता चाहे तो न्यायिक सुधारों के लिए प्रशासनिक पक्ष से संबंधित पत्र प्रधान न्यायाधीश को प्रस्तुत कर सकता है, जिसमें यदि कोई सुझाव हों तो वे दे सकते हैं। यह स्पष्ट है कि ऐसे सभी सुझावों का हमेशा स्वागत है।

● सीजेआई सूर्यकांत बोले - कैमरों को संबोधित करने के मंच के रूप में कोर्ट का इस्तेमाल न हो

पांच लाख का जुर्माना लगाने को चुनौती देने वाली याचिका खारिज

उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को लखनऊ के वकील की याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें उसने आरोप लगाया था कि एक निरर्थक जनहित याचिका दायर करने के लिए अक्टूबर 2023 में खुली अदालत में उन्हें 25,000 रुपये का जुर्माना देने का आदेश दिया गया था, लेकिन उन पर पांच लाख का जुर्माना लगाया गया था। तत्कालीन प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने 13 अक्टूबर 2023 को वकील अशोक पांडे की जनहित याचिका को खारिज कर दिया था, जिसमें यह निर्देश देने का अनुरोध था कि न्यायमूर्ति देवेंद्र उपाध्याय को बंबई हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के रूप में फिर से शपथ दिलाई जाए क्योंकि संविधान के तहत तय तरीके से शपथ नहीं ली गई थी। न्यायमूर्ति उपाध्याय अब दिल्ली हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश हैं। पांडे के अनुसार, पीठ ने खुली अदालत में उन पर निरर्थक जनहित याचिका दायर करने के लिए 25,000 रुपये का जुर्माना लगाया था। सीजेआई सूर्यकांत, न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और जॉयमाल्या बागची की पीठ ने याचिका को खारिज करते हुए कहा कि हम आदेश का पालन करेंगे और इसमें पांच लाख रुपये का जिक्र है।

राजमार्ग से 500 मीटर के दायरे में शराब की दुकानें हटाने के आदेश पर रोक

उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को राजस्थान हाईकोर्ट के उस आदेश पर रोक लगा दी, जिसमें राज्य सरकार को राष्ट्रीय और राज्य राजमार्गों से 500 मीटर के दायरे में आने वाली सभी शराब की दुकानों को हटाने का निर्देश दिया गया था। हाईकोर्ट ने सड़क हादसों में हो रही बढ़ोतरी को देखते हुए यह आदेश दिया था। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने शराब विक्रेताओं और राजस्थान सरकार की याचिकाओं पर नोटिस जारी किया। पीठ ने कहा कि हाईकोर्ट की चिंता वाजिब थी और सरकार भविष्य में आबकारी नीति बनाते समय इस पर विचार कर सकती है। शीर्ष अदालत ने आदेश दिया कि नोटिस जारी किया जाए। चुनौती दिए आदेश पर रोक लगाई जाती है। राज्य सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि उच्चतम न्यायालय ने पहले निर्देश दिया था कि राजमार्गों से 500 मीटर के भीतर शराब की दुकानें नहीं होनी चाहिए, लेकिन समस्या वहां पैदा हुई जहां ये सड़कें शहरों से गुजरती हैं। बाद में आदेश में स्पष्ट था कि नगर निकाय की सीमा के भीतर शराब की दुकानों पर ऐसा कोई प्रतिबंध नहीं होगा।

इंदौर में भिखारी निकला लाखों रुपये की संपत्ति का मालिक

इंदौर, एजेंसी

इंदौर में प्रशासन ने भिक्षावृत्ति उन्मूलन अभियान के दौरान कुष्ठ रोग से जूझ रहे 50 वर्षीय भिखारी को बचाया है और शुरुआती तौर पर पता चला है कि वह तीन मकानों, एक कार और तीन ऑटो रिक्शा समेत लाखों रुपये की संपत्ति का मालिक है।

प्रशासन ने इंदौर में भीख लेने के साथ ही भीख देने और भिखारियों से कोई सामान खरीदने तक पर कानूनी रोक लगा रखी है और उसका दावा है कि शहर भिक्षुकमुक्त है। महिला और बाल विकास विभाग के अधिकारी दिनेश मिश्रा ने बताया कि आम लोगों की सूचना पर सर्राफा क्षेत्र से एक कुष्ठ रोगी को भिक्षावृत्ति से मुक्त कराने के लिए बचाया गया है। भिक्षावृत्ति उन्मूलन अभियान के नोडल अधिकारी मिश्रा ने बताया कि हमें पता चला है कि इस व्यक्ति के पास तीन पक्के मकान हैं। इनमें तीन मंजिलों वाला एक भवन शामिल है। इसके अलावा, उसके पास तीन ऑटो रिक्शा हैं जिन्हें उसने किराये पर दे रखा है। मिश्रा के मुताबिक, इस व्यक्ति के पास एक कार भी है जिसमें बैठकर वह भीख मांगने जाता है और इसके लिए उसने चालक रखा हुआ है। कुष्ठ रोग से जूझ रहा यह व्यक्ति पहियों के सहारे घिसटने वाली गाड़ी पर बैठकर भीख मांगता है।

- दंग रह गए भिक्षावृत्ति उन्मूलन अभियान में लगे अधिकारी

मिश्रा के मुताबिक, यह व्यक्ति वर्ष 2021-22 से भिक्षावृत्ति कर रहा है और यह भी पता चला है कि उसने सर्राफा क्षेत्र में लोगों को चार से पांच लाख रुपये उधार दिए हैं जिनसे वह दैनिक ब्याज वसूलता है। उन्होंने बताया कि इस ब्याज से वह हर दिन 1,000 से 2,000 रुपये कमाता है।

2016 में प्रणय और राधिका रॉय को भेजे आयकर नोटिस रद्द

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने सोमवार को एनडीटीवी के संस्थापकों प्रणय रॉय और राधिका रॉय को भेजे 2016 के आयकर नोटिस को रद्द कर दिया और विभाग को सांकेतिक लागत के रूप में प्रत्येक को एक लाख रुपये देने का आदेश दिया। न्यायमूर्ति दिनेश मेहता और विनोद कुमार की पीठ ने टिप्पणी की कि अधिकारियों द्वारा प्रणय और राधिका को उसी मुद्दे के लिए दूसरी बार पुनर्मूल्यांकन कार्यवाही के अधीन करना मनमाना था।

पीठ ने रॉय परिवार की याचिकाओं को स्वीकार करते हुए कहा कि इस मामले के तथ्य स्पष्ट रूप से दर्शाते हैं कि कार्यवाही मनमानी और वैधानिक प्रावधानों के विपरीत होने के साथ न्यायिक प्रक्रिया के मूलभूत सिद्धांतों के भी विरुद्ध है। याचिकाकर्ताओं को जारी नोटिसों और इसके परिणामस्वरूप जारी किए आदेश या कार्यवाही रद्द की जाती हैं।

लाटरी से तय होगा मुंबई महापौर के लिए आरक्षण

मुंबई, एजेंसी

महाराष्ट्र सरकार ने मुंबई और 28 अन्य नगर निकायों के महापौरों के चुनाव की प्रक्रिया शुरू कर दी है, और महापौर पद किस श्रेणी में जाएगा इसका फैसला 22 जनवरी को लॉटरी के जरिए होगा। शहरी विकास विभाग ने एक आदेश जारी कर कहा है कि यह काम लॉटरी के जरिये राज्य सचिवालय (मंत्रालय) में होगा। महाराष्ट्र में महापौरों का चुनाव पार्षदों द्वारा किया जाता है और यह पद रोटेशन के आधार पर आरक्षण के अधीन होता है।

लॉटरी के माध्यम से यह निर्धारित किया जाता है कि महापौर का पद किस श्रेणी के लिए आरक्षित होगा, जैसे सामान्य, महिला, अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) और ओबीसी श्रेणी। श्रेणी की घोषणा होने के बाद, पात्र उम्मीदवार अपना नामांकन दाखिल करते हैं। इसके बाद, नगर निकायों के निर्वाचित पार्षदों की एक विशेष बैठक में चुनाव आयोजित किया जाता है। सदन की कुल सदस्य संख्या के आधे से अधिक मत हासिल करने वाला उम्मीदवार महापौर निर्वाचित होता है। किसी भी एकल पार्टी को स्पष्ट बहुमत न मिलने की स्थिति में गठबंधन निर्णायक भूमिका निभाते हैं। मुंबई में 15 जनवरी को हुए चुनावों में भाजपा सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। भाजपा ने बीएमसी की कुल 227 सीटों में से 89 सीटों पर जीत हासिल की है और करीब 30 वर्षों के बाद ठाकरे परिवार से देश के सबसे अमीर नगर निकाय का नियंत्रण छीन लिया है।

- महाराष्ट्र में 28 नगर निकायों में महापौर चुनाव प्रक्रिया शुरू

गणतंत्र दिवस की तैयारी...

नई दिल्ली में कर्तव्य पथ पर गणतंत्र दिवस परेड के लिए पूर्वाभ्यास के दौरान मोटरसाइकिल फॉर्मेशन बनाते हुए केंद्रीय रिजर्व पुलिस फोर्स और सशस्त्र सीमा बल के जवान।

बजट में पेश होगा बिजली संशोधन विधेयक

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय विद्युत मंत्री मनोहर लाल ने सोमवार को कहा कि बिजली संशोधन विधेयक संसद के बजट सत्र में पेश किया जाएगा। इसका उद्देश्य विद्युत क्षेत्र में सुधार और ऋण में डूबी बिजली वितरण कंपनियों की लाभप्रदता दिलाना है। मंत्री ने आईआईटी दिल्ली-सीईआरसी-ग्रिड इंडिया सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के उद्घाटन पर यह बात कही।

विद्युत मंत्रालय ने रविवार को बताया था कि कई वर्षों तक घाटे में रहने के बाद विद्युत वितरण कंपनियों ने 2024-25 में संयुक्त रूप से 2,701 करोड़ का लाभ दर्ज किया है। मंत्रालय ने कहा कि 50 वितरण कंपनियां अब भी घाटे में हैं। सभी वितरण कंपनियों को लाभप्रद बनाने की रणनीतियों पर लाल ने कहा कि अगले बजट सत्र में हम विद्युत अधिनियम में संशोधन करने जा रहे हैं ताकि वितरण कंपनियों को घाटा न हो और उन्हें समय पर भुगतान हो सके।

- विद्युत क्षेत्र में सुधार और ऋण में डूबी बिजली वितरण कंपनियों की लाभप्रदता दिलाना उद्देश्य
- एआईपीईएफ के चेयरमैन ने कहा- विधेयक निजीकरण के उद्देश्यों का समर्थन करता है

मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि विद्युत अधिनियम में प्रस्तावित संशोधनों पर चर्चा करने के लिए राज्य प्रतिनिधियों के साथ परामर्श बैठक भी आयोजित की है। ऑल इंडिया पावर इंजीनियर्स फेडरेशन (एआईपीईएफ) ने इसका विरोध करते हुए तर्क दिया कि विधेयक में कई वितरण लाइसेंसधारियों को सरकारी बिजली वितरण कंपनियों के मौजूदा नेटवर्क का उपयोग करने का प्रस्ताव है। एआईपीईएफ के चेयरमैन शैलेंद्र दुबे ने कहा कि यह विधेयक निजीकरण के उद्देश्यों का समर्थन करता है। केंद्र सरकार विद्युत (संशोधन) नियमों के माध्यम से अपने निजीकरण एजेंडे को आगे बढ़ा रही है।

भाजपा सत्ता के केंद्रीकरण के प्रयास में : राहुल गांधी

कोच्चि। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने सोमवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भाजपा पर सत्ता को केंद्रीकृत करने के प्रयास का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी विकेंद्रीकरण में विश्वास करती है। कांग्रेस नेता ने स्थानीय निकाय चुनाव में निर्वाचित हुए कांग्रेस सदस्यों की महापंचायत में कहा कि कांग्रेस त्रिस्तरीय पंचायती राज व्यवस्था को मजबूत करने के लिए 73वां और 74वां संवैधानिक संशोधन लेकर आई।

- निकाय चुनाव में निर्वाचित सदस्यों की महापंचायत में कांग्रेस नेता ने की टिप्पणी

राहुल गांधी ने इस बात पर जोर दिया कि संविधान की रक्षा का मतलब जमीनी स्तर पर विकेंद्रीकृत शासन की रक्षा करना है। प्रसिद्ध मलयालम लेखिका एम लीलावती ने उन्हें देश भर में फैल रही चुप्पी की बढ़ती संस्कृति के बारे में आगाह किया था। भाजपा चाहती है कि लोग चुप रहें ताकि कुछ कॉरपोरेट समूह देश की संपत्ति पर नियंत्रण कर सकें। कांग्रेस नेता ने कहा कि केरल के लोगों को चुप नहीं कराया जा सकता है और वे चुनाव के माध्यम से बात रखेंगे।

कोर्ट के फैसले तक नहीं होंगे एनपीए के खुलासे

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय सूचना आयोग (सीआईसी) ने सुप्रीम कोर्ट का अंतिम फैसला आने तक सूचना के अधिकार (आरटीआई) अधिनियम के तहत बैंक निरीक्षण रिपोर्टों और ऋण चूककर्ताओं की सूचियों को जारी करने पर रोक लगा दी है। राष्ट्रीय स्तर पर इसके व्यापक प्रभावों को समझते हुए, पारदर्शिता निगरानी संस्था ने फैसला सुनाया कि उच्चतम न्यायालय द्वारा बैंकों की लंबित याचिकाओं पर मंगलवार को निर्णय होने तक किसी भी गैर-निष्पादित परिसंपत्ति (एनपीए) का आंकड़ा या जुर्माने का खुलासा नहीं किया जाएगा।

आरबीआई निरीक्षण रिपोर्टों के खुलासे पर ऐतिहासिक जयंतीलाल एन मिस्त्री फैसले पर पुनर्विचार की मांग वाली लंबित याचिकाओं को देखते हुए, सीआईसी ने रजिस्ट्री को उच्चतम न्यायालय की सुनवाई के बाद आदेश जारी किए। इस मामले से जुड़े सवालों का राष्ट्रीय स्तर पर प्रभाव पड़ेगा और इनमें स्पष्टता के लिए शीर्ष अदालत का फैसला जरूरी है, खासकर आरबीआई की निरीक्षण रिपोर्ट सार्वजनिक करने से जुड़े जयंतिलाल एन. मिस्त्री फैसले पर पुनर्विचार की याचिकाएं लंबित होने के कारण।

- सीआईसी ने अंतिम फैसला आने तक आरटीआई के तहत जारी होने वाली जानकारी पर लगाई रोक

सीआईसी ने कहा कि आयोग ने रामामले में उच्चतम न्यायालय के निर्देश का लाभ लेना उचित होगा। साथ ही अंतिम निर्णय तक कोई भी जानकारी प्रकट न करने का निर्देश दिया। ये मामले रिजर्व बैंक के निरीक्षण और जोखिम मूल्यांकन रिपोर्ट, गैर-निष्पादित परिसंपत्तियों (एनपीए) और जानबूझकर चूक करने वालों की सूची, कारण बताओ नोटिस, वैधानिक निरीक्षणों के बाद लगाए दंड और संबंधित प्रवर्तन कार्रवाइयों जैसी जानकारी का खुलासा करने के निर्णयों पर बैंकों द्वारा उठाई गई आपत्तियों से संबंधित हैं।

अमृत विचार

मंगलवार, 20 जनवरी 2026

प्रेम का मार्ग कोई उम्मीद न रखने का मार्ग है। प्यार तभी मौजूद होता है, जब पूर्ण स्वीकृति हो और कुछ भी बदलने की कोई इच्छा ना हो।

–ओशो, विचारक

महत्वाकांक्षा और चुनौतियां

उत्तर प्रदेश हेल्थ केयर और मेडिकल टेक्नोलॉजी का हब बनने की ओर है, मुख्यमंत्री का दावा पिछले एक दशक में इस क्षेत्र में किए गए ठोस प्रयासों और ठोस नीतिगत पहलों पर आधारित है। हालांकि देश के सर्वाधिक आबादी वाले राज्य के लिए यह लक्ष्य महत्वाकांक्षी होने के साथ चुनौतीपूर्ण भी है। पिछले दस वर्षों में उत्तर प्रदेश ने चिकित्सा एवं स्वास्थ्य क्षेत्र में कई उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के प्रभावी क्रियान्वयन से करोड़ों परिवारों को सार्वभौमिक स्वास्थ्य बीमा का लाभ मिला। एम्स और तमाम नए अस्पताल शुरू हुए, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य के क्षेत्र में सुधार, टीकाकरण कवरेज का विस्तार और स्वच्छ भारत मिशन के तहत शौचालय निर्माण ने मृत्यु दर घटाने में मदद की है। आज नीति आयोग के स्वास्थ्य सूचकांक में राज्य का सातवें स्थान पर पहुंचना इन्हीं सुधारों को दर्शाता है। हालांकि आगे चुनौतियां भी कम नहीं हैं। जनसंख्या का दबाव, डॉक्टरों व नर्सों की कमी, क्षेत्रीय असंतुलन व ग्रामीण गरीबी। इनसे निपटने के लिए मेडिकल व पैरामेडिकल शिक्षा का विस्तार, ग्रामीण सेवा को प्रोत्साहन, दवा व उपकरणों की सस्ती उपलब्धता और समुदाय आधारित स्वास्थ्य जागरूकता अभियानों को अभी और मजबूत करना होगा। संक्रामक और गैर-संक्रामक रोगों के दोहरे बोझ से निपटने के लिए एक उत्तरदायी, डेटा-आधारित और समावेशी स्वास्थ्य प्रणाली अभी निर्माणाधीन अवस्था में ही है। ऐसे में भविष्य की ओर देखें तो सरकार की योजनाएं स्वास्थ्य सेवाओं, मेडिकल रिसर्च और तकनीक को एक साथ आगे बढ़ाने पर केंद्रित होनी चाहिए। मेडिकल डिवाइस पार्क और बल्क ड्रग फार्मा पार्क की स्थापना से दवाइयों और मेडिकल उपकरणों के घरेलू उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा, आयात पर निर्भरता घटेगी, रोजगार और निवेश के अवसर भी सृजित होंगे।

मेडिकल कॉलेजों की संख्या बढ़ाना, पीपीपी मॉडल पर सुपर स्पेशिएलिटी अस्पतालों को प्रोत्साहन देना और हेल्थ स्टार्टअप्स के लिए अनुकूल वातावरण बनाना भी इसी रणनीति का हिस्सा है। यूपी-आईएमआरएएस जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म से क्लीनिकल ट्रायल व मेडिकल रिसर्च से जुड़े अनुमोदनों को सरल, पारदर्शी और तेज बना है और शोधकर्ताओं और डॉक्टरों को नौकरशाही बाधाओं से राहत मिली तथा निवेशकों को समयबद्ध और भरोसेमंद प्रक्रियाएं भी। यह प्लेटफॉर्म उत्तर प्रदेश को रिसर्च-फ्रेंडली राज्य बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। डिजिटल हेल्थ के क्षेत्र में भी प्रगति उल्लेखनीय है। हालांकि इनसे जुड़ी पहलों का लाभ दूरदराज ग्रामीण क्षेत्रों तक समान रूप से पहुंचना अभी बाकी है। सूबा अपने सकल घरेलू उत्पाद का लगभग डेढ़ प्रतिशत स्वास्थ्य पर व्यय करता है, यह कम है। इसे कम से कम 2.5 प्रतिशत तक बढ़ाना आवश्यक है। प्रति व्यक्ति स्वास्थ्य व्यय भी अभी अपेक्षाकृत कम है, बुनियादी ढांचे, मानव संसाधन और प्राथमिक स्वास्थ्य पर निवेश बढ़ाकर इसे सुधारा जा सकता है। यदि प्रदेश को अपने प्रतिद्वंद्वी राज्यों से प्रतिस्पर्धा करनी है, तो गुणवत्ता और समानता विशेष ध्यान देना होगा। हेल्थ केयर और मेडिकल टेक्नोलॉजी का हब बनने से आम जनता को बेहतर, सस्ती और सुलभ सेवाएं मिलेंगी और यही किसी भी स्वास्थ्य नीति की अंतिम कसौटी है। फिलहाल रणनीतिक योजनाओं और मुख्यमंत्री की राजनीतिक इच्छाशक्ति से सूबा इस लक्ष्य के करीब पहुंचता दिखता है।

प्रसंगवश

बेघरपन: विकास की छाया में छिपा संकट

दुनिया में बेघर लोगों की स्थिति पर रिपोर्ट जारी करने वाली ओईसीडी के अनुसार, सबसे अधिक बेघर लोगों वाला देश पाकिस्तान है, जहां लगभग 80 लाख से अधिक लोग बिना किसी स्थाई आश्रय के जीवन जी रहे हैं। इस सूची में सीरिया 53 लाख बेघर लोगों के साथ दूसरे स्थान पर है, जबकि बांग्लादेश 50 लाख बेघर लोगों के साथ तीसरे स्थान पर है। चीन 25.79 लाख बेघर लोगों के साथ नौवें स्थान पर है और नेपाल 25 लाख बेघर लोगों के साथ दसवें स्थान पर। अमेरिका और ब्रिटेन जैसे विकसित देशों का भी इस सूची में शामिल होना यह दर्शाता है कि आवास की समस्या केवल विकासशील देशों तक सीमित नहीं, बल्कि एक वैश्विक चुनौती बन चुकी है। भारत की आबादी 140 करोड़ से अधिक होने के बावजूद बेघर लोगों की संख्या लगभग 17.70 लाख बताई गई है।

भारत की स्थिति अपेक्षाकृत बेहतर मानी जा रही है। रिपोर्ट के अनुसार भारत 17.70 लाख बेघर लोगों के साथ दुनिया में 13 वें स्थान पर हैं। इसका एक बड़ा कारण प्रधानमंत्री आवास योजना (पीएमएवाई) है, जिसके तहत करोड़ों परिवारों को पक्का घर उपलब्ध कराया गया है। इस योजना ने बेघरपन को कम करने में अहम भूमिका निभाई है। इसके अलावा स्थिर आर्थिक वृद्धि ने लोगों की क्रय-शक्ति बढ़ाई है, जिससे वे छोटे घर खरीदने या किराए पर लेने में सक्षम हुए हैं। ग्रामीण रोजगार गारंटी जैसी योजनाओं ने ग्रामीण क्षेत्रों से पलायन को भी काफी हद तक रोका है। साथ ही भारत की पारंपरिक संयुक्त परिवार व्यवस्था भी आर्थिक संकट के समय लोगों को सहारा देती रही है।

अमित बैजनाथ गर्ग

वरिष्ठ पत्रकार

केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी द्वारा राज्यसभा में दिए गए आंकड़ों के अनुसार, भारत में कुल 17.73 लाख बेघर लोग हैं, जिनमें 9.38 लाख शहरी और 8.34 लाख ग्रामीण क्षेत्रों में रहते हैं। शहरी क्षेत्रों में उत्तर प्रदेश में सबसे अधिक 1.80 लाख बेघर लोग हैं, इसके बाद महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल और गुजरात का स्थान आता है। ग्रामीण क्षेत्रों में भी उत्तर प्रदेश, राजस्थान और महाराष्ट्र में बेघर लोगों की संख्या अधिक है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली की बात करें तो 2001 की जनगणना में यहां 24,966 बेघर लोग दर्ज किए गए थे, जो 2011 में बढ़कर 46,724 हो गए। गैर सरकारी संगठनों का दावा है कि वर्तमान में दिल्ली में 1.50 लाख से अधिक बेघर लोग रह रहे हैं, जिनकी पूरी गिनती अब तक संभव नहीं हो पाई है।

बेघर लोगों की स्थिति अत्यंत दयनीय और असुरक्षित होती है। उन्हें भोजन, आश्रय, स्वच्छ पानी, स्वास्थ्य सेवाओं और सुरक्षा जैसी बुनियादी सुविधाओं के लिए संघर्ष करना पड़ता है। महिलाओं और बच्चों के लिए यह स्थिति और भी खतरनाक हो जाती है। पहचान पत्रों के अभाव में वे सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं उठा पाते और गरीबी के दुष्चक्र में फंसे रहते हैं। बेघर होना मूल रूप से पर्याप्त आवास के मानवाधिकार का उल्लंघन है। इस समस्या से निपटने के लिए सरकारों को निर्णायक भूमिका निभानी होगी। किफायती आवास का निर्माण, रैन बसेरों की संख्या बढ़ाना और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं को प्रभावी बनाना आवश्यक है। साथ ही आम नागरिक भी बेघर लोगों की मदद कर सकते हैं। भोजन, कपड़े, स्वच्छता सामग्री देना, आश्रयों में सेवा करना और जागरूकता फैलाना इसमें शामिल है। स्थानीय प्रशासन और सहायता समूहों से जुड़कर सहयोग करना भी उपयोगी साबित हो सकता है। छोटे-छोटे प्रयास मिलकर बड़ा बदलाव ला सकते हैं। सम्मान और संवेदना के साथ की गई सहायता बेघर लोगों को गरिमापूर्ण जीवन की ओर ले जा सकती है। हमारा थोड़ा सा सहयोग उनकी सबसे बड़ी जरूरत बन सकता है और यही एक संवेदनशील समाज की पहचान है।

बैंकों में एफडीआई की नीति: अवसर और आशंकाएं

रजत मेहरोत्रा

वित्तीय एवं आर्थिक विशेषज्ञ

भारत सरकार एक बड़ा और रणनीतिक कदम उठाने की तैयारी में है, जिसके तहत वह सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (Public Sector Banks-PSBs) में विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (FDI) की सीमा 20 प्रतिशत से बढ़ाकर 49 प्रतिशत करने पर विचार कर रही है। यह प्रस्ताव न केवल बैंकिंग सेक्टर, बल्कि संपूर्ण भारतीय वित्तीय प्रणाली के लिए परिवर्तनकारी साबित हो सकता है।

कोविड-19 के बाद भारतीय बैंकिंग सेक्टर ने तेजी से सुधार दिखाया है। सरकारी बैंकों का NPA स्तर ऐतिहासिक न्यूनतम पर है, क्रेडिट ग्रोथ 15 प्रतिशत से ऊपर जा चुकी है और मुनाफा पिछले कई वर्षों के मुकाबले बेहतर है, लेकिन इसके बावजूद PSBs को पूंजी की कमी, कम रिटर्न ऑन इक्विटी और तकनीकी प्रतिस्पर्धा की चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। निजी क्षेत्र के बैंक तेजी से आगे बढ़ रहे हैं, जबकि सरकारी बैंक पूंजी जुटाने में पिछड़ जाते हैं। ऐसे में सरकार का यह फैसला विदेशी निवेश को आकर्षित करने और PSBs को मजबूत पूंजी ढांचा देने की दिशा में एक स्वाभाविक कदम माना जा रहा है।

सरकार के प्रस्ताव के तहत FDI सीमा को 49 प्रतिशत तक बढ़ाने की योजना है, लेकिन सरकार अपनी 51 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी बनाए रखेगी ताकि बैंकों पर नियंत्रण उसके पास ही रहे। यानी यह पूर्ण निजीकरण नहीं, बल्कि आंशिक उदारीकरण है। इस कदम से विदेशी निवेशक सीधे PSBs में हिस्सेदारी ले सकेंगे, जिससे बैंक की पूंजी पर्याप्तता (Capital Adequacy Ratio) में सुधार होगा और वे बड़े ऋण देने में सक्षम बन सकेंगे। सरकार का मानना है कि विदेशी निवेश से न केवल पूंजी आएगी, बल्कि अंतर्राष्ट्रीय अनुभव, बेहतर प्रबंधन प्रथाएं और नई तकनीकें भी आएंगी, जो सरकारी बैंकों की कार्यक्षमता को सुधारेंगी। हालांकि इस कदम पर सवाल भी उठ रहे हैं। कई विशेषज्ञों का मानना है कि विदेशी निवेश की सीमा बढ़ाना कहीं न कहीं PSBs के सार्वजनिक स्वरूप को कमजोर कर सकता है। सरकारी बैंक सिर्फ लाभ कमाने के लिए नहीं, बल्कि सामाजिक उत्तरदायित्व निभाने के लिए भी जाने जाते हैं, जैसे ग्रामीण क्षेत्रों में बैंकिंग सेवाएं उपलब्ध कराना, जनधन योजनाएं लागू करना या कृषि ऋण देना।

> सरकार के प्रस्ताव के तहत FDI सीमा को 49 प्रतिशत तक बढ़ाने की योजना है, लेकिन सरकार अपनी 51 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी बनाए रखेगी ताकि बैंकों पर नियंत्रण उसके पास ही रहे। यानी यह पूर्ण निजीकरण नहीं, बल्कि आंशिक उदारीकरण है।

यदि विदेशी निवेशक बड़ी हिस्सेदारी रखते हैं, तो वे लाभ केंद्रित दृष्टिकोण अपनाएंगे, जिससे सामाजिक बैंकिंग की भावना प्रभावित हो सकती है। इससे विदेशी मुद्रा का प्रवाह बढ़ेगा, भारत के बैंकिंग सेक्टर पर वैश्विक भरोसा मजबूत होगा और भारतीय अर्थव्यवस्था को दीर्घकालिक रूप से पूंजी स्थिरता मिलेगी। विदेशी निवेशकों के लिए भी यह अवसर है, क्योंकि भारतीय बैंकिंग सेक्टर उभरती अर्थव्यवस्था में सबसे तेजी से बढ़ने वाला क्षेत्र है। वर्तमान में भारतीय बैंकिंग प्रणाली का बाजार मूल्य 700 अरब डॉलर से अधिक है और इसमें सरकारी बैंकों की हिस्सेदारी लगभग 60 प्रतिशत है। यदि इन बैंकों में विदेशी निवेशकों को 49 प्रतिशत हिस्सेदारी की अनुमति मिलती है, तो यह अरबों डॉलर के निवेश का रास्ता खोल सकता है।

निवेशकों के लिए यह कदम कई मायनों में महत्वपूर्ण है। पहला, इससे बैंकों के शेयरों में दीर्घकालिक स्थिरता और वृद्धि की संभावना बनेगी। दूसरा, विदेशी निवेश आने से इन बैंकों की कॉर्पोरेट गवर्नेंस में सुधार होगा, जिससे पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ेगी। तीसरा, यह निर्णय भारत के वित्तीय बाजारों में वैश्विक निवेशकों के भरोसे को और मजबूत करेगा। विदेशी निवेशकों की बढ़ती मांग से इन शेयरों के मूल्य में और वृद्धि हो सकती है। हालांकि कुछ जोखिम भी हैं। यदि सरकार नियंत्रण बनाए रखती है, तो विदेशी निवेशक निर्णय प्रक्रिया में सीमित भूमिका पा सकते हैं, जिससे वे उतनी उत्सुकता नहीं दिखाएंगे। वहीं, यदि नियंत्रण धीरे-धीरे कमजोर होता है, तो नीति निर्माण और बैंकिंग प्राथमिकताएं विदेशी हितों की ओर झुक सकती हैं। इसलिए सरकार को एक संतुलित नीति बनानी होगी, जहां विदेशी निवेश को आकर्षित किया जाए, पर नियंत्रण और सामाजिक बैंकिंग की भावना भी बनी रहे।

इस नीति के बाद पूंजी जुटाना आसान होगा, बैंकों की ऋण देने की क्षमता बढ़ेगी और तकनीकी नवाचार जैसे डिजिटल बैंकिंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित जोखिम प्रबंधन आदि में तेजी आएगी। भारत सरकार की "विकसित भारत 2047" की दृष्टि में यह कदम एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हो सकता है, क्योंकि इसका उद्देश्य कम से कम दो भारतीय बैंकों को दुनिया के शीर्ष 20 बैंकों की सूची में लाना है। आम उपभोक्ताओं के लिए भी यह कदम लाभकारी सिद्ध हो सकता है, क्योंकि विदेशी पूंजी के साथ बैंकिंग सेवाओं में प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी, ब्याज दरें अधिक पारदर्शी होंगी और डिजिटल सेवाएं सस्ती और तेज मिलेंगी। हालांकि सरकार को यह सुनिश्चित करना होगा कि ग्रामीण और निम्न आय वर्ग के ग्राहकों की पहुंच और सेवा गुणवत्ता पर कोई नकारात्मक असर न पड़े।

कहा जा सकता है कि सरकार का यह कदम 'PSBs को बेचने' की दिशा में नहीं, बल्कि 'उन्हें वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी और पूंजी सशक्त बनाने' की दिशा में है। भारत की वित्तीय प्रणाली को अधिक आधुनिक व वैश्विक मानकों के अनुरूप बनाएगी। परंतु इसकी सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि सरकार पारदर्शिता, नियामक संतुलन और सार्वजनिक हित के बीच सही संतुलन कैसे बनाए रखती है।

आमने

फूल सिंह बरैया ने जो बात कही, वह उनकी निजी सोच या विचार नहीं हैं। उन्होंने तो बिहार के एक विश्वविद्यालय के दर्शनशास्त्र विभाग के अध्यक्ष रहे हरि मोहन झा, जो कि ब्राह्मण हैं, उनकी पुस्तक का उल्लेख किया था। यदि कार्रवाई करनी ही है, तो पुस्तक लिखने वाले पर करनी चाहिए। प्रकाशक पर कार्रवाई करिए।

– **दिग्विजय सिंह**, वरिष्ठ नेता

सामने

यदि बरैया के शब्द उनके निजी विचार नहीं थे, तो ऐसी घृणित और महिला-विरोधी बयान देने की आवश्यकता ही क्या थी? क्या किसी पुस्तक का हवाला देकर महिलाओं की गरिमा पर प्रहार उचित हो जाता है? क्या सार्वजनिक रूप से दिए गए बयान की जिम्मेदारी वक्ता की नहीं होती? यदि वे शब्द गलत थे, तो कांग्रेस ने उसी समय सार्वजनिक खंडन क्यों नहीं किया?

– **आशीष अग्रवाल**, भाजपा मीडिया प्रभारी, मप्र

ग्रीनलैंड विवाद और बदलती वैश्विक धुरी

प्रो. आरके जैन

बड़वानी (मप्र)

डोनाल्ड ट्रंप की ग्रीनलैंड को लेकर अपनाई गई आक्रामक नीति अब न सनक भर रह गई है और न ही चुनावी बयानबाजी तक सीमित है। यह 2026 की वैश्विक राजनीति का एक गंभीर और निर्णायक संकट बन चुकी है। जनवरी 2026 में ट्रंप के ऐलान किया कि 1 फरवरी 2026 से डेनमार्क, नॉर्वे, स्वीडन, फ्रांस, जर्मनी, ब्रिटेन, नीदरलैंड्स और फिनलैंड (आठ नाटो देशों) के आयात पर 10 प्रतिशत टैरिफ लगेगा, जो 1 जून 2026 से 25 प्रतिशत तक बढ़ जाएगा, जब तक ग्रीनलैंड की 'पूर्ण और संपूर्ण खरीद' पर डील नहीं हो जाती। यह बयान उस सोच को उजागर करता है, जिसमें अंतर्राष्ट्रीय राजनीति को कूटनीति नहीं, बल्कि दबाव और सौदेबाजी का खेल माना जा रहा है।

ग्रीनलैंड को लेकर ट्रंप का यह रवैया नया नहीं है। 2019 में भी उन्होंने इसे एक "रियल एस्टेट डील" बताया था, जिसे उस समय मजाक या कूटनीतिक अपरिपक्वता कहकर टाल दिया गया, लेकिन सात साल बाद वही विचार एक अलग, अधिक संगठित और खतरनाक रूप में सामने आया है। अब इसे राष्ट्रीय सुरक्षा, आर्कटिक क्षेत्र में चीन और रूस की बढ़ती मौजूदगी और दुर्लभ खनिजों पर नियंत्रण जैसे तर्कों से जोड़ा जा रहा है। यही कारण है कि यह मुद्दा अब केवल अमेरिका और डेनमार्क के बीच सीमित नहीं रहा, बल्कि पूरे नाटो और वैश्विक व्यवस्था के लिए चुनौती बन गया है। यूरोप की प्रतिक्रिया इस संकट की गंभीरता को रेखांकित करती है। डेनमार्क ने स्पष्ट शब्दों में कहा है कि ग्रीनलैंड बिक्री के लिए नहीं है, जबकि ग्रीनलैंड के लोग भी सड़कों पर उतरकर अपनी स्वायत्तता और पहचान की रक्षा कर रहे हैं। "कोई दबाव नहीं, कोई संकेत नहीं" जैसे बयान यह दर्शाते हैं कि स्थानीय नेतृत्व किसी भी सूरत में बाहरी दबाव स्वीकार करने को तैयार नहीं है। फ्रांस, जर्मनी, ब्रिटेन और अन्य यूरोपीय देशों ने भी एकजुट होकर ट्रंप की धमकी को अंतर्राष्ट्रीय कानून और संप्रभुता के खिलाफ बताया है। यूरोप की सड़कों पर गूंजते "यांकी गो होम" जैसे नारे इस असंतोष की तीव्रता को उजागर करते हैं।

> भारत के लिए यह पूरा घटनाक्रम अप्रत्यक्ष होते हुए भी दूरगामी असर रखने वाला है। भारत आर्कटिक काउंसिल का ऑब्जर्वर है और जलवायु परिवर्तन के कारण इस क्षेत्र में उभरते संसाधनों और नए समुद्री मार्गों में उसकी दिलचस्पी स्वाभाविक है।

ट्रंप के तर्क अपनी जगह साफ हैं। आर्कटिक क्षेत्र में बर्फ पिघलने से नए समुद्री मार्ग खुल रहे हैं, जो वैश्विक व्यापार और सैन्य रणनीति दोनों के लिए अहम हैं। इसके अलावा, ग्रीनलैंड में लिथियम, कोबाल्ट और अन्य रेयर अर्थ एलिमेंट्स की भरपूर उपलब्धता है, जो भविष्य की तकनीक इलेक्ट्रिक वाहन, बैटरी और नवीकरणीय ऊर्जा के लिए अनिवार्य मानी जाती है। ट्रंप का दावा है कि ग्रीनलैंड 'गोल्डन डोम' मिसाइल रक्षा प्रणाली के लिए रणनीतिक रूप से आवश्यक है, हालांकि विशेषज्ञों का मत है कि वर्तमान पिटुफिक अंतरिक्ष आधार और डेनमार्क के साथ हुए समझौतों के कारण अमेरिका को पहले से ही पर्याप्त पहुंच है तथा पूर्ण क्रय की जरूरत विवादित है। इन दलीलों के पीछे संसाधनों और प्रभुत्व की पुरानी लालसा ही काम कर रही है।

आर्थिक दृष्टि से यह प्रस्ताव कई गहरे सवाल खड़े करता है। ट्रंप की टीम ने ग्रीनलैंड की संभावित खरीद कीमत 700 बिलियन डॉलर तक बताई है, जिसमें खरीद के अलावा माइंस, इंफ्रास्ट्रक्चर और सब्सिडी के लिए सैकड़ों बिलियन अतिरिक्त खर्च शामिल हैं और लाभ 10-20 साल बाद दिख सकता है। जबकि विशेषज्ञों का आकलन है कि इससे किसी ठोस आर्थिक लाभ के संकेत कम से कम दो दशक बाद ही सामने आ सकते हैं। इसके बावजूद, टैरिफ जैसे आर्थिक हथियारों के जरिए सहयोगी देशों पर दबाव बनाना नाटो की मूल भावना और आपसी भरोसे के खिलाफ जाता है। यही कारण है कि इस कदम को केवल एक आक्रामक नीति नहीं, बल्कि गठबंधन की विश्वसनीयता पर सीधा खतरा माना जा रहा है। इस टकराव का प्रभाव यूरोप की सीमाओं तक सीमित नहीं रहने वाला है। वैश्विक सप्लाई चेन पहले ही दबाव में है और यदि ट्रंप की टैरिफ नीति से ट्रेड वॉर तेज होता है, तो इसके झटके पूरी दुनिया में महसूस किए जाएंगे। इसी बीच रूस और चीन आर्कटिक क्षेत्र में अपनी मौजूदगी लगातार बढ़ा रहे हैं और विशेषज्ञों का मानना है कि ट्रंप की आक्रामक रणनीति अनजाने में उन्हें और रणनीतिक अवसर प्रदान कर सकती है। यह 'पावर पॉलिटिक्स' का नया चरण है, जहां आर्थिक दबाव को भू-राजनीतिक लक्ष्य हासिल करने के औजार के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है।

भारत के लिए यह पूरा घटनाक्रम अप्रत्यक्ष होते हुए भी दूरगामी असर रखने वाला है। भारत आर्कटिक काउंसिल का ऑब्जर्वर है और जलवायु परिवर्तन के कारण इस क्षेत्र में उभरते संसाधनों और नए समुद्री मार्गों में उसकी दिलचस्पी स्वाभाविक है। ग्रीनलैंड के रेयर अर्थ मिनरल्स भारत की इलेक्ट्रिक वाहन नीति, बैटरी निर्माण और नवीकरणीय ऊर्जा लक्ष्यों के लिए बेहद अहम हैं। यदि अमेरिका इन संसाधनों पर नियंत्रण स्थापित करता है, तो भारत के लिए अमेरिका के साथ रणनीतिक सहयोग के नए रास्ते खुल सकते हैं, विशेषकर क्वाड और इंडो-पैसिफिक ढांचे के अंतर्गत।

फिर भी, जोखिम को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। ट्रंप की टैरिफ नीति का असर भारत पहले भी महसूस कर चुका है। भारत के लिए यह दौर सतर्कता, दूरदर्शिता और स्मार्ट डिप्लोमेसी की मांग करता है। 2026 में दुनिया एक नाजुक मोड़ पर खड़ी है, जहां लिया गया एक फैसला पूरी वैश्विक राजनीति की दिशा बदल सकता है। यदि भारत इस परिवर्तन को समझदारी से संभालता है, तो वह न केवल चुनौतियों से उबर पाएगा, बल्कि एक सशक्त वैश्विक शक्ति के रूप में और मजबूती से उभरेगा।

सोशल फोरम

आनंद भवन: जहां सुरक्षित है नेहरू की मूल वंशावली

पिछले 10-12 सालों से वास्तविकता के नाम पर आधुनिक इतिहास की भांति-भांति की शिक्षा हमें दी जा रही है। भ्रमित समाज के लिए इनमें सबसे रोचक जवाहर लाल नेहरू की 'आधुनिक वंशावली' लगती है, जिसे देखकर चौंकते तो सभी हैं, परंतु ऐसे

विजय सिंह

रुद्रपुर, उत्तराखंड

बहुत सारे लोग हैं, जिन्हें उसकी सच्चाई को लेकर रत्ती भर भी संदेह नही। फिर भी छद्म इतिहासकार, शंका का बीजारोपण करने में सफल होते दिखाई देते हैं। इस आधुनिक वंशावली में पंडित नेहरू को 'मुस्लिम' सिद्ध करने का प्रयास किया गया है। यद्यपि 'फैक्ट-चेक' करने वालों ने इस आधुनिक वंशावली को सिरे से नकार दिया है, परंतु वो दुष्प्रचार की ताकत ही क्या, जो शंका के बीज ना बो सके। ये है आज की सोशल मीडिया का करिश्मा। इस यूनिवर्सिटी से ज्ञान अर्जित करके लोग महाज्ञानी बन गए हैं और समाज में धड़ल्ले से ज्ञान बांटते दिख जाते हैं।

नेहरू परिवार की सच्चाई यह है कि जवाहर लाल नेहरू के पिता मोतीलाल नेहरू जी के दादा जी 'राजनरायन कौल' को 1713 में एक 'संस्था' ने कश्मीर से उत्तर प्रदेश बुलाया था। कश्मीरी पंडित राजनरायन कौल फारसी व संस्कृत के विद्वान थे, जिसकी वजह से संस्था को उनकी जरूरत महसूस हुई थी। राजनरायन कौल के तीन पुत्र थे, साहिब राम, टीका राम और मानिस राम। मानिस राम के पुत्र गंगाधर नेहरू (जवाहर लाल के दादा)। गंगाधर नेहरू के पुत्र मोतीलाल नेहरू (जवाहर लाल के पिता)। मोती लाल नेहरू के दो और भाई थे, नंदलाल और वंशीधर। जवाहर लाल नेहरू की दो बहनें भी थीं, विजयलक्ष्मी और कृष्णा कुमारी। उसके बाद की वंशावली तो सभी लोग के स्मरण में ताजी ही होगी। इंदिरा गांधी से होते हुए, राजीव गांधी व संजय गांधी और फिर राहुल गांधी व प्रियंका गांधी तक। इससे पहले कि आनंद भवन की दीवार पर लटके, मूल वंशावली को हटाकर कहीं आधुनिक वंशावली न लटका दिया जाए, यदि किसी को प्रयागराज जाने का अवसर मिलता है, उन्हें जवाहर लाल नेहरू के पैतृक निवास स्थल 'आनंद भवन' जाकर, जो वर्तमान में नेहरु जी व गांधीजी की स्मृतियों को संजोए, एक भव्य संग्रहालय में तब्दील हो चुका है, नेहरू परिवार की मूल वंशावली का भी अवलोकन जरूर करना चाहिए। प्रसंगवश याद दिला दें कि जवाहरलाल नेहरू का पैतृक निवास 'आनंद भवन' को उनके परिवार ने सरकार को दान कर दिया था। उस समय इस ऐतिहासिक भवन की कीमत लगभग 200 करोड़ आंकी गई थी और आज जिसकी कीमत लगभग 49,000 करोड़ बताई जाती है।

–फेसबुक वॉल से

सामयिकी

अर्थव्यवस्था को जाली करेंसी से पहुंचती चोट

देश में जाली नोटों का कारोबार कई राज्यों में फैला हुआ है। इनमें कुछ नकली करेंसी विदेशों से आ रही है, तो कुछ भारत में ही तैयार की जा रही है। पहले तक पांच सौ, हजार और सौ रुपये के नकली नोट ही बड़ी समस्या बने हुए थे, लेकिन अब पचास, बीस और दस रुपये के नकली नोटों का भी धड़ल्ले से चलन हो रहा है। कारोबारी, पुलिस और सौदागर इन छोटे मूल्यवर्ग के नकली नोटों को ग्रामीण बाजारों में आसानी से खपा देते हैं, जिससे आम लोगों को नुकसान उठाना पड़ता है। बीते कुछ समय में देश के अलग-अलग हिस्सों से नकली नोटों के कई मामले सामने आए हैं। 18 जनवरी को उत्तर प्रदेश के सीतापुर में पुलिस ने एक महिला सहित दो आरोपियों को

रोहित माहेश्वरी

स्वतंत्र पत्रकार

लगभग एक लाख रुपये के नकली नोटों के साथ गिरफ्तार किया। 1 जनवरी को हरियाणा के फरीदाबाद में नकली नोट बनाकर बाजार में चलाने के आरोप में दो युवक पकड़े गए। 17 जनवरी को महाराष्ट्र के यवतमाल जिले में एक बड़े जाली नोट नेटवर्क का भंडाफोड़ हुआ। इसी तरह बांदा, सूरत और भोपाल जैसे शहरों में भी नकली नोटों के रैकेट सामने आए हैं, जो इस समस्या की गंभीरता को दर्शाते हैं। हालांकि भारत डिजिटल लेनदेन के मामले में अग्रणी देशों में शामिल है और दुनिया के लगभग आधे रियल टाइम डिजिटल भुगतान भारत में होते हैं, फिर भी नकली करेंसी की मौजूदगी चिंता का विषय बनी हुई है। नकली नोटों का बढ़ता नेटवर्क देश की बैंकिंग सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा बनता जा रहा है। हाल ही में दिल्ली पुलिस ने 18 सरकारी और निजी बैंकों की शिकायत पर मामला दर्ज किया, जिसमें करीब 11 हजार नकली नोट जमा होने की बात सामने आई। यह स्थिति देश की वित्तीय व्यवस्था पर सवाल खड़े करती है।

सरकारी आंकड़े बताते हैं कि पिछले कुछ वर्षों में नकली नोट पकड़े जाने के मामलों में तेजी आई है। वित्त मंत्रालय के अनुसार, 500 रुपये के नकली नोटों की संख्या में 2019 से 2023 के बीच 317 प्रतिशत की वृद्धि हुई। आरबीआई के मुताबिक, वित्त वर्ष 2024-25 में 500 रुपये के 1.18 लाख नकली नोट पाए गए, जो पिछले वर्ष की तुलना में 37 प्रतिशत अधिक हैं। यह संकेत देता है कि असामाजिक और राष्ट्रविरोधी तत्व लगातार नए तरीके अपनाकर इस चुनौती को जटिल बना रहे हैं। नोटबंदी का उद्देश्य नकली नोटों और काले धन पर रोक लगाना था, लेकिन मौजूदा आंकड़े इसकी सीमित प्रभावशीलता की ओर इशारा करते हैं। हालांकि डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देकर सरकार ने नकदी पर निर्भरता कम करने की दिशा में ठोस कदम उठाए हैं। यूपीआई जैसे प्लेटफॉर्म ने लेनदेन को सरल और पारदर्शी बनाया है, फिर भी डिजिटल साक्षरता की कमी और नकदी पर निर्भरता इस समस्या को बढ़ावा देती है। नकली नोटों के प्रसार में जागरूकता की कमी सबसे बड़ी बाधा है, खासकर ग्रामीण इलाकों में। तकनीक की मदद से जालसाज हूबहू असली जैसे नोट तैयार कर रहे हैं, जिससे पहचान करना मुश्किल हो गया है। आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है कि नकली नोट न केवल अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचाते हैं, बल्कि आम जनता के विश्वास को भी कमजोर करते हैं। इससे निपटने के लिए तकनीकी सशक्तिकरण, कड़ी निगरानी और व्यापक जागरूकता अभियान बेहद जरूरी हैं।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

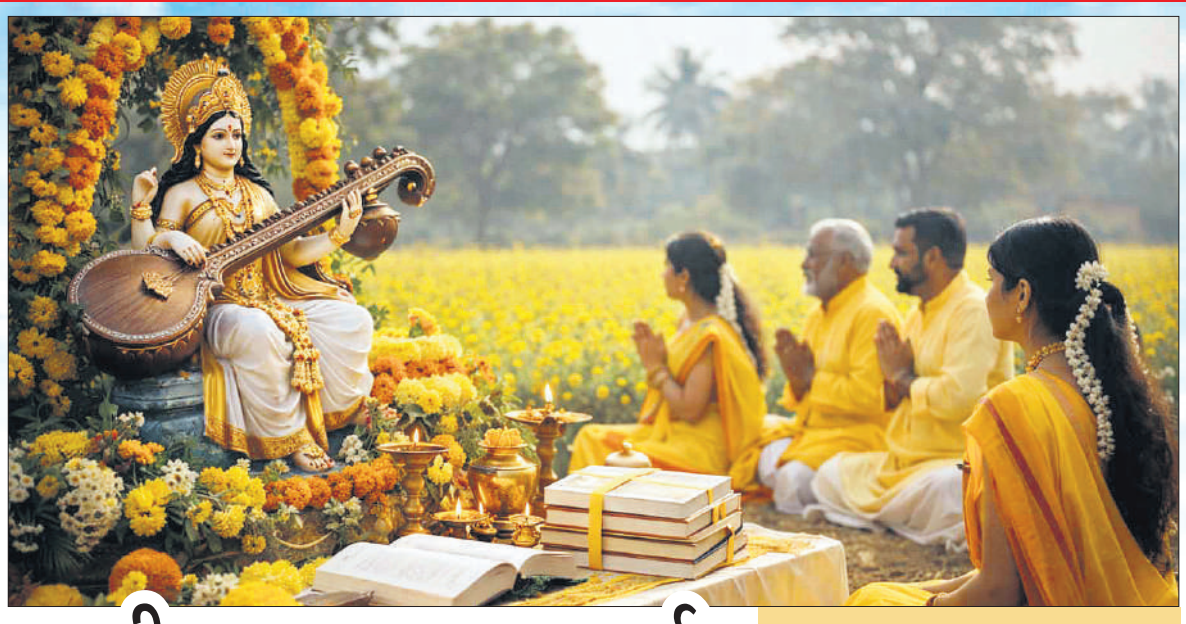

वसंत पंचमी

प्रकृति के नवोन्मेष और ज्ञान की आराधना का पर्व

वसंत पंचमी भारतीय संस्कृति में बहुत ही हर्षोल्लास के साथ मनाया जाने वाला त्योहार है, जिसमें हमारी परंपरा, भौगोलिक परिवर्तन, सामाजिक कार्य तथा आध्यात्मिक पक्ष सभी का सम्मिश्रण है। हिन्दू पंचांग के अनुसार माघ मास के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को वसंत पंचमी का त्योहार मनाया जाता है। वास्तव में भारतीय गणना के अनुसार वर्ष भर में पड़ने वाली छह ऋतुओं में वसंत को ऋतुराज अर्थात सभी ऋतुओं का राजा माना गया है और वसंत पंचमी के दिन को वसंत ऋतु का आगमन माना जाता है, इसलिए वसंत पंचमी ऋतु परिवर्तन का दिन भी है, जिस दिन से प्राकृतिक सौंदर्य निखारना शुरू हो जाता है। पेड़ों पर नई पत्तिया कोपले और कालिया खिलना शुरू हो जाती हैं, पूरी प्रकृति एक नवीन ऊर्जा से भर उठती है। साथ ही यह त्योहार मां सरस्वती की पूजा और ज्ञान, संगीत, कला एवं विद्या के प्रति समर्पण का प्रतीक है।

डॉ .विपिन शर्मा
ज्योतिषाचार्य

वसंत पंचमी को विशेष रूप से सरस्वती जयंती के रूप में मनाया जाता है। यह माता सरस्वती का प्राकट्योत्सव है, इसलिए इस दिन विशेष रूप से माता सरस्वती की पूजा उपासना कर उनसे विद्या बुद्धि प्राप्ति की कामना की जाती है। विद्यार्थियों के लिए वसंत पंचमी का त्योहार बहुत विशेष होता है। इस दिन पीले वस्त्र पहनने और खिचड़ी बनाने और बांटने की प्रथा भी प्रचलित है, तो इस दिन वसंत ऋतु के आगमन होने से कई स्थानों में आकाश में पतंगें उड़ाने की परंपरा भी दीर्घकाल से प्रचलन में है। वसंत पंचमी के दिन का एक और विशेष महत्व भी है। वसंत पंचमी को मुहूर्त शास्त्र के अनुसार एक स्वयं सिद्ध मुहूर्त और अनसूझ साया भी माना गया है अर्थात इस दिन कोई भी शुभ मंगल कार्य करने के लिए पंचांग शुद्धि की आवश्यकता नहीं होती। इस दिन नींव पूजन, गृह प्रवेश, वाहन खरीदना, व्यापार आरंभ करना, सगाई और विवाह आदि मंगल कार्य किए जा सकते हैं।

ज्ञान की देवी सरस्वती

माता सरस्वती को ज्ञान, संगीत, कला, विज्ञान और शिल्प-कला की देवी माना जाता है। भक्त लोग, ज्ञान प्राप्ति और सुस्ती, आलस्य एवं अज्ञानता से छुटकारा पाने के लिए, आज के दिन देवी सरस्वती की उपासना करते हैं। आज के दिन शिशुओं को पहला अक्षर लिखना सिखाने का भी विधान है। दूसरे शब्दों में वसंत पंचमी का दिन विद्या आरंभ करने के लिए काफी शुभ माना जाता है, इसीलिए माता-पिता आज के दिन शिशु को माता सरस्वती के आशीर्वाद के साथ विद्या आरंभ कराते हैं। सभी विद्यालयों में वसंत के दिन सुबह के समय माता सरस्वती की पूजा की जाती है।

शुभ कार्यों के लिए उपयुक्त दिन

वसंत पंचमी का दिन सनातन कैलेंडर में पंचमी तिथि को मनाया जाता है। जिस दिन पंचमी तिथि सूर्योदय और दोपहर के बीच में व्याप्त रहती है, उस दिन को सरस्वती पूजा के लिए उपयुक्त माना जाता है। सनातन कैलेंडर में सूर्योदय और दोपहर के मध्य के समय को पूर्वाह्न के नाम से जाना जाता है। ज्योतिष विद्या में पारंगत व्यक्तियों के अनुसार वसंत पंचमी का दिन सभी शुभ कार्यों के लिए उपयुक्त माना जाता है। इसी कारण से वसंत पंचमी का दिन अबूझ मुहूर्त के नाम से प्रसिद्ध है और नवीन कार्यों की शुरुआत के लिए उत्तम माना जाता है। वसंत पंचमी के दिन किसी भी समय सरस्वती पूजा की जा सकती है, परंतु पूर्वाह्न का समय पूजा के लिए श्रेष्ठ माना जाता है। सभी विद्यालयों और शिक्षा केन्द्रों में पूर्वाह्न के समय ही सरस्वती पूजा कर माता सरस्वती का आशीर्वाद ग्रहण किया जाता है।

वसंत पंचमी कथा

सृष्टि के प्रारंभिक काल में भगवान विष्णु की आज्ञा से ब्रह्मा ने जीवों, खासतौर पर मनुष्य योनि की रचना की। अपनी सर्जना से वे संतुष्ट नहीं थे। उन्हें लगता था कि कुछ कमी रह गई है, जिसके कारण चारों ओर मौन छाया रहता है। विष्णु से अनुमति लेकर ब्रह्मा ने अपने कमंडल से जल छिड़का, पृथ्वी पर जलकण बिखरते ही उसमें कंपन होने लगा। इसके बाद वृक्षों के बीच से एक अद्भुत शक्ति का प्राकट्य हुआ। यह प्राकट्य एक चतुर्भुजी सुंदर स्त्री का था, जिसके एक हाथ में वीणा तथा दूसरा हाथ वर मुद्रा में था। अन्य दोनों हाथों में पुस्तक एवं माला थी। ब्रह्मा ने देवी से वीणा बजाने का अनुरोध किया। जैसे ही देवी ने वीणा का मधुरनाद किया, संसार के समस्त जीव-जंतुओं को वाणी प्राप्त हो गई। जलधारा में कोलाहल व्याप्त हो गया। पवन चलने से सरसराहट होने लगी। तब ब्रह्मा ने उस देवी को वाणी की देवी सरस्वती कहा। सरस्वती को वागीश्वरी, भगवती, शारदा, वीणावादनी और वाग्देवी सहित अनेक नामों से पूजा जाता है। ये विद्या और बुद्धि प्रदाता हैं। संगीत की उत्पति करने के कारण ये संगीत की देवी भी हैं। वसंत पंचमी के दिन को इनके जन्मोत्सव के रूप में भी मनाते हैं। ऋग्वेद में भगवती सरस्वती का वर्णन करते हुए कहा गया है- प्रणो देवी सरस्वती वाजेभिर्वजिनीवती धीनामणित्रयवतु। अर्थात ये परम चेतना हैं। सरस्वती के रूप में ये हमारी बुद्धि, प्रज्ञा तथा मनोवृत्तियों की संरक्षिका हैं। हम में जो आचार और मेधा है, उसका आधार भगवती सरस्वती ही हैं। इनकी समृद्धि और स्वरूप का वैभव अद्भुत है। पुराणों के अनुसार श्रीकृष्ण ने सरस्वती से खुश होकर, उन्हें वरदान दिया था कि वसंत पंचमी के दिन तुम्हारी भी आराधना की जाएगी और यूं भारत के कई हिस्सों में वसंत पंचमी के दिन विद्या की देवी सरस्वती की भी पूजा होने लगी, जो कि आज तक जारी है।

पौराणिक कथा

कर्ण और धर्म का मौन उपदेश

महाभारत के विराट चरित्रों में कर्ण एक ऐसा नाम है, जो अपने त्याग और दानशीलता के कारण आज भी स्मरण किया जाता है। उन्हें दानवीर कहा गया, क्योंकि दान उनके लिए कोई विशेष कर्म नहीं, बल्कि जीवन की स्वाभाविक प्रवृत्ति थी। प्रतिदिन प्रातः स्नान कर सूर्यदेव को अर्घ्य देने के पश्चात कर्ण के द्वार पर जो भी याचक आता, वह निराश होकर कभी नहीं लौटता था। उनके लिए दान यश, पुण्य या प्रशंसा का साधन नहीं, बल्कि धर्म का सहज पालन था।

एक दिन देवताओं के राजा इंद्र, ब्राह्मण का वेश धारण कर कर्ण के पास पहुंचे। उन्होंने कर्ण से उनके जन्मजात कवच और कुंडल दान में मांग लिए। ये कवच-कुंडल कर्ण के शरीर का अभिन्न अंग थे और उन्हें युद्ध में अजेय बनाते थे। कर्ण समझ चुके थे कि यह याचना किसी साधारण उद्देश्य से नहीं की गई है। उन्हें यह भी ज्ञात था कि यह दान उन्हें मृत्यु के मार्ग पर ले जाएगा और इसका संबंध अर्जुन की रक्षा से है। फिर भी कर्ण के मन में कोई द्वंद्व नहीं उठा। उन्होंने एक क्षण का भी विलंब नहीं किया। न किसी शर्त की बात की, न किसी प्रतिफल की अपेक्षा रखी। अपने शरीर को चीरकर उन्होंने कवच और कुंडल दान कर दिए।

यह केवल शारीरिक त्याग नहीं था, बल्कि आत्मबल और धर्मनिष्ठा की चरम अभिव्यक्ति थी। कर्ण के लिए धर्म जीवन से बड़ा था। कर्ण के इस असाधारण त्याग से इंद्रदेव भी भावविभोर हो उठे। उन्होंने कर्ण को वरदान स्वरूप शक्ति अस्त्र प्रदान किया, जो एक बार प्रयोग करने पर शत्रु का निश्चित वध कर सकता था। जाते समय इंद्रदेव ने उनसे प्रश्न किया- "कर्ण, तुम जानते थे कि यह दान तुम्हारे प्राण ले सकता है, फिर भी तुमने इसे क्यों दिया?" कर्ण का उत्तर सरल, किंतु अत्यंत गहन था- "यदि धर्म किसी लाभ या भय से बंधा हो, तो वह धर्म नहीं रहता।"

यह प्रसंग हमें सिखाता है कि महाभारत में धर्म किसी पक्ष, विजय या पराजय से नहीं जुड़ा है। वह मनुष्य के आचरण, कर्तव्य और त्याग से प्रकट होता है। कर्ण का जीवन इस सत्य का मौन उपदेश है कि परिस्थितियां चाहे जैसी हों, धर्म का मार्ग आत्मा की आवाज से तय होता है।

बोधकथा

सेवा बिना साधना अधूरी

एक बार संत ज्ञानेश्वर महाराज प्रातः काल नदी तट पर भ्रमण के लिए निकले। नदी के पास उन्होंने देखा कि एक बालक पानी में गोते लगा रहा है। कुछ दूरी पर एक संन्यासी आंखें मूंदे ध्यानमग्न बैठा था। तभी अचानक वह बालक गहरे पानी में चला गया और डूबने लगा। स्थिति की गंभीरता को समझते हुए ज्ञानेश्वर महाराज तुरंत नदी में कूद पड़े और बालक को सुरक्षित बाहर निकाल लाए।

इसके पश्चात उन्होंने संन्यासी को पुकारा। संन्यासी ने आंखें खोलीं तो ज्ञानेश्वर महाराज ने उससे पूछा- "क्या तुम्हारा ध्यान लगता है?"

संन्यासी ने उत्तर दिया- "नहीं महाराज, मन बार-बार भटक जाता है।" ज्ञानेश्वर महाराज ने पुनः प्रश्न किया- "जब बालक डूब रहा था, तब क्या तुमने उसे देखा नहीं?" संन्यासी बोला- "देखा तो था, पर मैं ध्यान में बैठा था।" यह सुनकर ज्ञानेश्वर महाराज ने करुण भाव से कहा- "ऐसे ध्यान से सिद्धि कैसे मिलेगी? प्रभु ने तुम्हें सेवा का अवसर दिया था और सेवा ही तुम्हारा प्रथम कर्तव्य था। यदि तुम उस कर्तव्य का पालन करते, तो तुम्हारा ध्यान स्वतः स्थिर हो जाता। प्रभु की सृष्टि उनका बगीचा है। यदि बगीचा उजड़ रहा हो और हम केवल उसकी सुंदरता का ध्यान करें, तो यह भक्ति नहीं, उपेक्षा है। बगीचे का आनंद लेना है, तो उसे संवारना भी सीखना होगा।"

यह प्रसंग आज के समय में और अधिक प्रासंगिक हो उठता है। यदि हमारा पड़ोसी भूखा सो रहा है और हम पूजा-पाठ में लीन हैं, तो यह मान लेना कि हम कोई पुण्य कार्य कर रहे हैं, आत्मवंचना है। वह भूखा व्यक्ति भी उसी ईश्वर की प्रतिछवि है, जिसे हम मंदिरों में खोजते हैं। भूखे को अन्न, दुखी को सहारा और असहाय को सहायता देना भी उतना ही बड़ा धर्म है, जितना मंत्र-जप या आरती। ईश्वर ने केवल पूजा के लिए नहीं, बल्कि सेवा के लिए भी मनुष्य को संवेदना दी है। किसी भी जीव, प्रकृति या समाज की उपेक्षा कर की गई भक्ति प्रभु को प्रसन्न नहीं कर सकती। सच्ची साधना वही है, जिसमें मनुष्य अपने कर्म से ईश्वर की सृष्टि को संवारने का प्रयास करे। सेवा से जुड़ी साधना ही आत्मिक शांति का मार्ग प्रशस्त करती है।

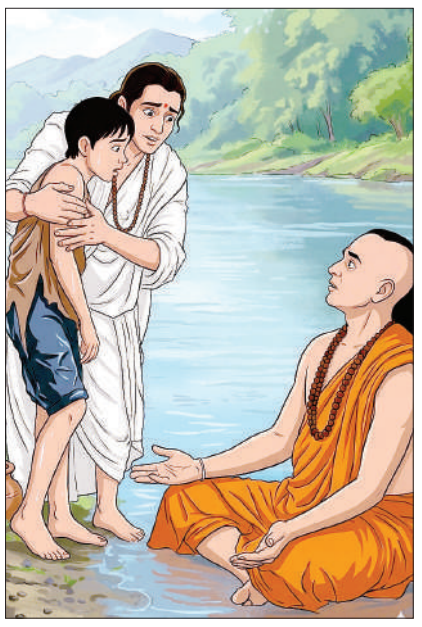

महत्वपूर्ण व्रत

रथ सप्तमी

- 25 जनवरी, रविवार 2026
- स्नान मुहूर्त - सुबह 05 :26 से 07 :13
- अवधि - 01 घंटा 47 मिनट
- अरुणोदय - 06 :48
- अवलोकनीय सूर्योदय - 07 :13

सप्तमी तिथि भगवान सूर्य को समर्पित है। मान्यताओं के अनुसार, भगवान सूर्य देव ने रथ सप्तमी के दिन से समस्त संसार को प्रकाशित करना प्रारंभ किया था, जिसे भगवान सूर्य का जन्म दिवस माना जाता था।

पूजा विधि : सुबह स्नान करें और साफ वस्त्र धारण करें। तांबे के पात्र में जल, रोली, अक्षत और लाल फूल लें। इसके बाद सूर्य देव के मंत्रों का जप करते हुए जल उनको अर्घ्य दें, तत्पश्चात आदित्य हृदय स्तोत्र का पाठ करें। सूर्य चालीसा पढ़ें। पूजा संपन्न करने के बाद अंत में गरीबों को दान दें।

पुरुषार्थ : मानव जीवन का मूल्याधारित लक्ष्य-संधान

> यह धरा कर्मभूमि के नाम से जानी जाती है, जहां मनुष्य और पशु दोनों साथ-साथ विचरण करते हुए अपने-अपने प्रयोजनों की पूर्ति के लिए कर्म करते हैं, परंतु इन दोनों के कर्म में एक मौलिक अंतर है। पशु का कर्म स्वाभाविक, प्रवृत्तिजन्य और विवेकहीन होता है, जो जीवन-रक्षा और क्षुधा-पूर्ति तक सीमित रहता है, जबकि मनुष्य का कर्म विवेकयुक्त, मूल्याधारित और लक्ष्यपरक होता है। यही विवेकसम्मत कर्म पुरुषार्थ कहलाता है।

पुरुषार्थ का सामान्य अर्थ है, अपने उद्देश्य या अपेक्षा की पूर्ति हेतु किया गया सचेत प्रयास। पशु भी कर्म करता है, परंतु उसका कर्म जैविक आवश्यकताओं से आगे नहीं बढ़ता। इसके विपरीत मनुष्य का पुरुषार्थ उसकी जिजीविषा, चेतना और आत्मिक उत्कर्ष का प्रतीक है। मानव द्वारा किया गया पुरुषार्थ लौकिक और अलौकिक, भौतिक और आध्यात्मिक, नैतिक और धार्मिक सभी आयामों को समाहित करता है। इसी कारण उसका मूल्यांकन भी नैतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक स्तर पर किया जा सकता है।

डॉ. रज्जन कुमार
सेवानिवृत्त प्रोफेसर

भारतीय दर्शन में पुरुषार्थ को मानव जीवन का मूल लक्ष्य माना गया है। 'पुरुषार्थ' शब्द का अर्थ है- "पुरुष का उद्देश्य" अथवा "मानव का लक्ष्य"। शास्त्रों में मानव जीवन के चार प्रमुख पुरुषार्थ बताए गए हैं-धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष, जिन्हें 'चतुर्वर्ग' भी कहा जाता है। ये चारों मिलकर मानव जीवन को संतुलित, मर्यादित और सार्थक बनाने का मार्ग प्रशस्त करते हैं। मानव पुरुषार्थ विवेकहीन या लक्ष्यविहीन प्रयास नहीं, बल्कि जीवन को श्रेष्ठ दिशा देने वाला सचेत उपक्रम है।

मनुष्य शरीर, मन, बुद्धि और आत्मा चारों की संतुष्टि के लिए जो प्रयास करता है, वही पुरुषार्थ है। इन चार पुरुषार्थों में मोक्ष को अंतिम लक्ष्य माना गया है, जबकि धर्म, अर्थ और काम उसके साधन हैं। इनका संतुलित समन्वय ही पूर्ण मानव जीवन का आदर्श प्रस्तुत करता है।

धर्म चारों पुरुषार्थों का नियामक सिद्धांत है। धर्म वह मूल्य-सिद्धांत है, जो जीवन, समाज और सृष्टि के संतुलन को बनाए रखता है। इसका आशय नैतिक कर्तव्य, सदाचार, पवित्रता, स्वभाव और उचित आचरण से है। मनुस्मृति में धर्म के दस लक्षण बताए गए हैं-क्षमा, दम, अस्तेय, शौच, इंद्रिय-निग्रह, विद्या, ज्ञान, सत्य और क्रोध पर नियंत्रण। धर्म मनुष्य में अच्छे-बुरे का विवेक जगाता है और कर्मफल के सिद्धांत को स्वीकार करता है। लोकमान्यता है कि पुण्य कर्म मृत्यु के बाद भी मनुष्य का साथ देते हैं।

अर्थ दूसरा प्रमुख पुरुषार्थ है, जिसका संबंध भौतिक साधनों और आवश्यकताओं की पूर्ति से है। अर्थ का अर्थ केवल धन या संपत्ति नहीं, बल्कि वे सभी साधन हैं, जो जीवन-निर्वाह और सामाजिक दायित्वों की पूर्ति में सहायक हों। पंचमहायज्ञ, दान, अतिथि-सत्कार, संतान-पालन और समाज-कल्याण जैसे कार्यों के लिए अर्थ आवश्यक है। गृहस्थ आश्रम में अर्थ अर्जन पर विशेष बल दिया गया है, परंतु शास्त्र यह भी कहते हैं कि धन का अर्जन नैतिक और धार्मिक मर्यादाओं के भीतर होना चाहिए। आवश्यकता से अधिक धन को व्यक्ति अपना निजी स्वामित्व न मानकर समाज की अमानत समझे, यही अर्थ का आदर्श स्वरूप है।

काम तीसरा पुरुषार्थ है, जिसे प्रायः केवल भोग या यौन-इच्छा से जोड़ दिया जाता है, जबकि इसका अर्थ कहीं व्यापक है। काम मनुष्य की सभी इच्छाओं, अभिलाषाओं, भावनाओं और सौंदर्यबोध का प्रतिनिधित्व करता है। यह जीवन के आनंद का प्रतीक है- शारीरिक, मानसिक और रचनात्मक सभी स्तरों पर। साहित्य, संगीत, कला, नृत्य और प्रेम ये सभी काम के ही विस्तार हैं। काम व्यक्ति को मानसिक संतुलन प्रदान करता है और गृहस्थ जीवन में समाज की निरंतरता बनाए रखने में सहायक होता है। इच्छाओं की संतुष्टि के बाद ही व्यक्ति उनमें विरक्ति प्राप्त कर मोक्ष की ओर अग्रसर होता है। मोक्ष चौथा और अंतिम पुरुषार्थ है। धर्म, अर्थ और काम के समन्वय से जब व्यक्ति आत्म-ज्ञान प्राप्त करता है और अज्ञान के बंधनों से मुक्त हो जाता है, तब मोक्ष की अवस्था आती है। मोक्ष का अर्थ जन्म-मृत्यु के चक्र से मुक्ति और आत्मा का परम सत्य से एकाकार होना है। यह अवस्था स्थायी आनंद, शांति और पूर्णता की अनुभूति कराती है।

शास्त्रों के अनुसार मोक्ष की प्राप्ति के तीन मार्ग हैं- कर्मयोग, ज्ञानयोग और भक्तियोग। कर्मयोग निष्काम कर्म पर बल देता है, ज्ञानयोग आत्म-बोध और विवेक पर आधारित है और भक्तियोग प्रेम, श्रद्धा और समर्पण के माध्यम से ईश्वर की प्राप्ति का मार्ग दिखाता है। इनमें भक्तियोग को सर्वसुलभ और सरल माना गया है, जबकि ज्ञानयोग कठिन और कर्मयोग जीवन को परिष्कृत करते हुए भक्ति की ओर ले जाता है। पुरुषार्थ का महत्व इस बात में निहित है कि यह स्वार्थ और परमार्थ के बीच संतुलन स्थापित करता है। यह मनुष्य को न केवल व्यक्तिगत विकास की ओर ले जाता है, बल्कि सामाजिक और नैतिक उत्तरदायित्वों का बोध भी कराता है। धर्म जीवन को अनुशासित करता है, अर्थ आवश्यकताओं की पूर्ति करता है, काम जीवन में आनंद भरता है और मोक्ष जीवन को परम लक्ष्य प्रदान करता है। इस प्रकार पुरुषार्थ मानव जीवन की वह सार्थक शक्ति है, जो सांसारिक सुखों के बीच भी धर्म के पालन द्वारा मोक्ष प्राप्ति का मार्ग दिखाती है। धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष का संतुलित समन्वय ही मानव जीवन को पूर्ण, मूल्ययुक्त और अर्थवान बनाता है।

बाजार	सेंसेक्स ↓	निफ्टी ↓
बंद हुआ	83,246 .18	25,585 .50
गिरावट	324 .17	108 .85
प्रतिशत में	0 .39	0 .42

सोना 1,48,100 प्रति 10 ग्राम

चांदी 3,02,600 प्रति किलो

अमृत विचार

बरेली, मंगलवार, 20 जनवरी 2026

www.amritvichar.com

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन : तुलसी 2565, राज श्री 1870, फ़ॉर्चून कि . 2365, रविन्द्रा 2460, फॉर्चुन 13 किग्रा 2085, जय जवान 2065, सचिन 2060, सूरज 2065, अवसर 1900, उजाला 1985, गृहणी 13 किग्रा 1910, क्लासिक (किग्रा) 2235, मोर 2260, चक्र टिन 2330, ब्लू 2140, आशीर्वाद मस्टर्ड 2325, स्वास्तिक 2520

किराना : हल्दी निजामाबाद 17000, जीरा 24500, लाल मिर्च 15000-17800, धनिया 9400-12000, अजवायान 13500-20000, मेथी 6000-8000 सौंफ 9000-13000, सोंठ 31000, (प्रतिकि .) लौंग 800-1000, बादाम 780-1080, काजू 2 पीस 840, किसमिस पीली 300-400, मखाना 800-1100

चावल (प्रति कु .) : डबल चाबी सेला 9700, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 5250, शर्बती स्टीम 5350, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 8200, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1किग्रा,.5किग्रा) 10100, हरी पति नेचुरल 9100, गौरी स्पेशल 8400, गौरी प्रीमियम 9800, सूमो 4000, गौरी रॉयल 8600, मंसूरी पनघट 4050,लाडली 4000

दाल दलहन : मूंग दाल इंदौर 9700, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 11200-12500, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250-7450 मलका दाल 7350-9200, मलका छाँटी 7250, दाल उड़द बिलासपुर 7800-8500, मसूर दाल छोटी 10000-11600, दाल उड़द दिल्ली 10400, उड़द साबुत दिल्ली 10200, उड़द धोवा इंदौर 11800, उड़द धोवा 9800-10400,चना काला 7150, दाल चना 7250, दाल चना मोटी 7100, मलका विदेशी 7200, रूपकिशोर बेसन 7700, चना अकोला 6600, डबरा 6700-8400, सच्चा हीरा 8600, मोटा हीरा 9900, अरहर गोला मोटा 7800, अरहर पटका मोटा 8200, अरहर कोरा मोटा 8500, अरहर पटका छोटा 10000-10300, अरहर कोरी छोटी 11400

चीनी : पीलीभीत 4380, बहेड़ी 4300

अनुमान : 7.3% रहेगी भारतीय वृद्धि दर

मुद्राकोष ने कहा- तीसरी तिमाही में आर्थिक प्रदर्शन, चौथी में मजबूत रफ्तार बनेगी आधार

नई दिल्ली, एजेंसी

अंतर्राष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) ने सोमवार को भारतीय अर्थव्यवस्था के बेहतर प्रदर्शन को देखते हुए वित्त वर्ष 2025-26 के लिए आर्थिक वृद्धि दर का अनुमान बढ़ाकर 7.3% कर दिया जो अक्टूबर में जारी अनुमान से 0.7% अंक अधिक है। वाशिंगटन स्थित बहुपक्षीय वित्तीय संस्था ने अपनी विश्व आर्थिक परिदृश्य रिपोर्ट में कहा कि वित्त वर्ष 2026-27 के लिए भी भारत की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर का अनुमान बढ़ाकर 6.4% कर दिया गया है, जो पहले 6.2% था।

आईएमएफ ने कहा कि भारत में 2025 (वित्त वर्ष 2025-26) के लिए वृद्धि अनुमान को 0.7% अंक बढ़ाकर 7.3% कर दिया गया है। इसका कारण तीसरी तिमाही में अपेक्षा से बेहतर आर्थिक प्रदर्शन और चौथी तिमाही में मजबूत रफ्तार है। मुद्राकोष ने कहा कि आने वाले समय में भारत की वृद्धि दर में कुछ नरमी आ सकती है। वित्त वर्ष 2026-27 और 2027-28 में भारत की वृद्धि दर 6.4% रहने का अनुमान है, क्योंकि चक्रीय एवं अस्थायी कारकों का प्रभाव धीरे-धीरे कम होगा। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, वित्त वर्ष 2025-26 की पहली छमाही (अप्रैल-सितंबर) में भारत की जीडीपी वृद्धि दर 8% रही। जुलाई-सितंबर तिमाही में यह वृद्धि 8.2% दर्ज की गई थी। सांख्यिकी मंत्रालय के पहले अग्रिम अनुमान के मुताबिक, चालू वित्त वर्ष में भारतीय अर्थव्यवस्था के 7.4% की दर से बढ़ने की संभावना है। 2024-25 में वृद्धि दर 6.5% थी। मुद्रास्फीति के मोर्चे पर आईएमएफ ने कहा कि 2025 में खाद्य कीमतों में नरमी आने से महंगाई में उल्लेखनीय गिरावट आई है और आगे चलकर इसके निर्धारित लक्ष्य के करीब लौटने की उम्मीद है। भारतीय रिजर्व बैंक को खुदरा मुद्रास्फीति 2% घट-बढ़ के साथ 4% पर सीमित रखने का लक्ष्य मिला हुआ है।

● विश्व आर्थिक परिदृश्य रिपोर्ट के अनुसार, 2026-27 में जीडीपी 6.4% रहने का लगाया अनुमान

वैश्विक अर्थव्यवस्था के वृद्धि को किया 3.3%

वाशिंगटन। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने सोमवार को कहा कि अप्रत्याशित रूप से मजबूत वैश्विक अर्थव्यवस्था इस साल अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की संरक्षणवादी व्यापार नीतियों के असर से बाहर निकल सकती है। आईएमएफ ने एक रिपोर्ट में कहा कि ऐसा कुछ हद तक उत्तरी अमेरिका और एशिया में कृत्रिम मेधा (एआई) में निवेश बढ़ाने से संभव होगा। इस बहुपक्षीय निकाय को उम्मीद है कि इस साल वैश्विक वृद्धि दर 3 .3% रहेगी। यह आंकड़ा 2025 के समान ही है, लेकिन पिछले अक्टूबर में जारी 2026 के लिए 3 .1% के अनुमान से अधिक है। आईएमएफ के मुख्य अर्थशास्त्री पियरे-ओलिवियर गौरींचास और उनके सहयोगी टोबियास एड्रियन ने मुद्राकोष के ' 'विश्व आर्थिक परिदृश्य' ' पर रिपोर्ट के साथ जारी ब्लॉग पोस्ट में लिखा, अमेरिका के नेतृत्व वाले महत्वपूर्ण व्यापारिक व्यवधानों और बढ़ी हुई अनिश्चितता के बावजूद वैश्विक अर्थव्यवस्था उल्लेखनीय मजबूती दिखाना जारी रखे हुए है। अमेरिकी अर्थव्यवस्था को 2001 के बाद से तकनीकी निवेश की सबसे तेज रफ्तार का लाभ मिल रहा है। इसके इस साल 2.4% की दर से बढ़ने का अनुमान है, जो मुद्रा कोष के अक्टूबर के पूर्वानुमान और 2025 की अनुमानित वृद्धि दर (दोनों 2 .1%) से अधिक है। इसमें अनुमान जताया गया है कि चीन की वृद्धि दर 4 .5% रहेगी।

● रिपोर्ट अनुसार, उत्तरी अमेरिका और एशिया में एआई में निवेश बढ़ाने से ऐसा होना संभव

विप्रो ने 250 चयनित युवाओं को काम पर नहीं रखा : एनआईटीईएस

नई दिल्ली। सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) क्षेत्र में कार्यरत कर्मचारियों की संस्था एनआईटीईएस ने सोमवार को श्रम मंत्री मनसुख मांडविया को लिखित शिकायत दर्ज कर विप्रो लिमिटेड पर 250 से अधिक नव-चयनित कर्मचारियों को कई महीने बाद भी काम पर नहीं रखने का आरोप लगाया। इस संबंध में विप्रो से फिलहाल जवाब नहीं मिला है।

आईटी कर्मचारियों के निकाय ने कहा कि केंद्र सरकार से हस्तक्षेप करने और विप्रो से जवाब मांगने का आग्रह किया गया है। कंपनी को सभी प्रभावित उम्मीदवारों को स्पष्ट लिखित जानकारी देनी चाहिए, चाहे वह नियुक्ति की तय तारीख की पुष्टि हो या कारण सहित समापन। एनआईटीईएस की शिकायत में कहा गया है कि प्रभावित उम्मीदवार विभिन्न राज्यों में विप्रो की तरफ से संचालित टर्बो और नेक्स्टजेन टैलेंट हायरिंग कार्यक्रम के तहत चयनित किए गए थे। इन उम्मीदवारों को मई, 2025 में चयन की पुष्टि करने वाले आशय पत्र जारी किए गए थे जिनमें पद, वेतन और नौकरी शुरू करने से संबंधित प्रक्रिया का विवरण था।

पांच लाख टन गेहूं के आटे का निर्यात करेगी सरकार

नई दिल्ली, एजेंसी

सरकार ने पांच लाख टन गेहूं के आटे और उससे संबंधित उत्पादों के निर्यात की अनुमति दे दी है। निर्यात पर लगे प्रतिबंध में ये आंशिक ढील तीन साल के बाद दी गई है। केंद्र सरकार ने साल 2022 में गेहूं के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया था। भारत इस जिंस का प्रमुख उत्पादक देश है।

विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने अधिसूचना में कहा कि गेहूं के आटे और संबंधित उत्पादों का निर्यात प्रतिबंधित रहेगा। मौजूदा नीतिगत शर्तों के अतिरिक्त, पांच लाख टन तक गेहूं के आटे और संबंधित उत्पादों के निर्यात की अनुमति दी गई है। डीजीएफटी ने कहा कि जो आवेदक इस उत्पाद का निर्यात करना चाहते हैं, उन्हें महानिदेशालय से अनुमति लेनी होगी और इसके लिए आवेदन करना होगा। पहले चरण के तहत आवेदन 21 से 31 जनवरी, 2026 तक दिए जा सकते हैं। इसके बाद जब तक निर्यात की निर्धारित मात्रा उपलब्ध रहेगी, तब तक हर महीने के अंतिम दस दिनों के दौरान आवेदन आमंत्रित किए जाएंगे। निर्यात का यह अधिकार जारी होने की तारीख से छह महीने के लिए वैध होगा। निर्यातक, आटा मिलें या प्रसंस्करण इकाइयां इसके लिए आवेदन कर सकती हैं, हालांकि उनके पास वैध आईईसी (आयात निर्यात कोड) और एफएसएसएआई (एफएसएसएआई) लाइसेंस होना चाहिए। निर्यात प्रसंस्करण इकाइयों और विशेष आर्थिक क्षेत्रों के अलावा, ऐसे व्यापारी निर्यातक भी आवेदन कर सकते हैं जिनके पास वैध आईईसी और एफएसएसएआई लाइसेंस है, साथ ही उनका सहायक विनिर्माताओं के रूप में काम करने वाली आटा मिलों के साथ वैध अनुबंध या आपूर्ति समझौता है।

● तीन साल के बाद निर्यात पर लगे प्रतिबंध में दी गई आंशिक ढील

न्यूज ब्रीफ

चीन की आर्थिक वृद्धि दर 2025 में 5% पर

बीजिंग। चीन की अर्थव्यवस्था अमेरिकी शुल्क के बावजूद मजबूत निर्यात के दम पर 2025 में 5% बढ़कर 2001 अरब डॉलर पहुंच गई। वहीं इसकी सबसे बड़ी कमजोरी घरेलू खपत सुस्त बनी रही। चीन के राष्ट्रीय सांख्यिकी ब्यूरो (एनबीएस) द्वारा सोमवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, 2025 में चीन के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में वार्षिक आधार पर 5% की वृद्धि दर्ज की गई। यह देश के 5% के वार्षिक लक्ष्य के अनुरूप है। एनबीएस के अनुसार, जीडीपी 2001 अरब डॉलर (140,187 .9 अरब युआन) के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई।

डीजीसीए ने इंडिगो पर की मामूली कार्रवाई

मुंबई। पायलट संगठन एफआईपी ने बड़े पैमाने पर उड़ानें बाधित होने के मामले में इंडिगो पर विमानन नियामक डीजीसीए द्वारा लगाए 22 .20 करोड़ जुर्माने को मामूली करार देते हुए सोमवार को इसकी कड़ी आलोचना की। भारतीय पायलट महासंघ (एफपीआई) ने कहा कि यात्रियों और विमानों की सुरक्षा से किसी भी सूरत में समझौता नहीं किया जा सकता है। उसने उड़ानों को रद्द करने की अवधि पर डीजीसीए की जांच को लेकर भी सवाल उठाए।

बीसीसीएल सूचीबद्धता के दिन 77% उछला

नई दिल्ली। भारत कोकिंग कोल लिमिटेड (बीसीसीएल) अपनी बाजार सूचीबद्धता के दिन निर्गम मूल्य से 77% की तगड़ी बढ़त के साथ बंद हुआ। बीएसई पर शेयर 45 .21 रुपये के भाव पर सूचीबद्ध हुआ जो 23 रुपये के निर्गम मूल्य से 96 .56% अधिक है। बाद में यह मुनाफावसूली से थोड़ा गिरकर 40 .66 रुपये पर बंद हुआ। एनएसई पर यह शेयर निर्गम मूल्य से 95 .65% की बढ़त के साथ 45 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। कारोबार के अंत में यह 40 .58 रुपये पर बंद हुआ। बीसीसीएल का बाजार मूल्यांकन 18,935 .36 करोड़ रुपये रहा।

भारत 2030 तक बन जाएगा उच्च-मध्यम आय वाला देश

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत 2030 तक उच्च-मध्यम आय वाला देश बनकर चीन एवं इंडोनेशिया की कतार में शामिल हो जाएगा और यह 2028 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की राह पर भी अग्रसर है। सोमवार को एसबीआई रिसर्च की एक रिपोर्ट में यह संभावना जताई गई।

विश्व बैंक प्रति व्यक्ति सकल राष्ट्रीय आय (जीएनआई) के आधार पर देशों का वर्गीकरण निम्न आय, निम्न-मध्यम आय, उच्च-मध्यम आय और उच्च आय वाले देशों के रूप में करता है। 1990 में विश्व बैंक के इस वर्गीकरण के तहत कुल 218 देशों में से 51 निम्न आय, 56 निम्न-मध्यम आय, 29 ऊपरी-मध्यम आय और 39 उच्च आय वाले देश थे। हालांकि 2024 में प्रकाशित नवीनतम वर्गीकरण के तहत 26 देश निम्न आय, 50 निम्न-मध्यम आय, 54 उच्च-मध्यम आय और 87 उच्च आय वाले देश थे। एसबीआई रिसर्च के अनुसार, भारत को आजादी के बाद निम्न-मध्यम आय वाले वर्गीकरण से बाहर निकलने में 60 साल लग गए। इसकी 1962 में प्रति व्यक्ति सकल राष्ट्रीय आय 90 डॉलर थी जो 2007 तक 910 डॉलर हो गई। इसके बाद भारत ने 2009 में प्रति व्यक्ति आय 1,000 डॉलर, 2019 में 2,000 डॉलर और 2026 तक 3,000 डॉलर प्रति व्यक्ति आय हासिल कर ''उच्च-मध्यम आय'' वाला देश बनने की दिशा में कदम रख दिया है।

एसबीआई रिसर्च

● चीन एवं इंडोनेशिया की कतार में होगा शामिल

● 2028 तक तीसरी अर्थव्यवस्था बनने की राह पर अग्रसर

4 वर्षों में 4,000 डॉलर प्रति व्यक्ति होगी आय

भारत चार वर्षों में 2030 तक 4,000 डॉलर प्रति व्यक्ति आय हासिल करने की राह पर है जिससे वह उच्च-मध्यम आय वाला देश बन जाएगा और चीन एवं इंडोनेशिया के मौजूदा समूह का हिस्सा बन जाएगा। 2047 तक भारत को उच्च-आय वाला देश बनने के लिए प्रति व्यक्ति जीएनआई को 7 .5% की वार्षिक चक्रवृद्धि दर से बढ़ाना होगा जो हासिल किया जा सकता है। 2001-2024 के दौरान यह दर 8 .3% रही है। अगर उच्च आय देश बनने की सीमा 13,936 डॉलर से बदलकर 2047 तक 18,000 डॉलर प्रति व्यक्ति हो जाती है तो फिर भारत को उच्च आय वाला देश बनने के लिए उस समय तक प्रति व्यक्ति आय में सालाना 8 .9% की दर से बढ़ोतरी करनी होगी।

2028 तक 5 लाख करोड़ डॉलर वाली अर्थव्यवस्था

एसबीआई रिसर्च की रिपोर्ट कहती है कि भारत 2028 तक पांच लाख करोड़ डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की राह पर है, 2035 तक यह 10 लाख करोड़ डॉलर की अर्थव्यवस्था बन सकता है। अमेरिकी अर्थव्यवस्था अब भी सबसे बड़ी है जबकि उसके बाद चीन का स्थान आता है। भारत 2028 तक जर्मनी को पछाड़कर तीसरी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। भारत 1990 में दुनिया की 14वीं अर्थव्यवस्था था, 2025 में उसने चौथी अर्थव्यवस्था का तमगा पाया। भारत को अपने सुधारों के कार्यक्रम को जारी रखना चाहिए ताकि वह अतिरिक्त और तेजी से होने वाली आर्थिक वृद्धि हासिल कर सके, जो इसे उच्च-आय वाले देश की श्रेणी तक पहुंचाने के लिए जरूरी है।

डिजिटल ऋण मॉडल के तहत 52,300 करोड़ के एमएसएमई ऋण मंजूर

नई दिल्ली। वित्त मंत्रालय ने सोमवार को कहा कि डिजिटल ऋण मूल्यांकन के तहत सार्वजनिक बैंकों ने 1 अप्रैल से 31 दिसंबर, 2025 के बीच 52,300 करोड़ के 3.96 लाख से ज्यादा एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम) ऋण आवेदनों को मंजूरी दी है। सार्वजनिक बैंकों ने एमएसएमई के लिए डिजिटल गतिविधियों के रिकॉर्ड पर आधारित ऋण मूल्यांकन मॉडल की शुरुआत की थी।

वित्त मंत्रालय ने कहा कि यह ऋण मूल्यांकन मॉडल उपलब्ध डिजिटल और सत्यापन योग्य डेटा का लाभ उठाता है। यह आवेदनों के लिए निष्पक्ष निर्णय प्रक्रिया से एमएसएमई ऋण मूल्यांकन को स्वचालित मार्ग तैयार करता है। ये मॉडल बैंक के मौजूदा ग्राहकों के साथ नए एमएसएमई उधारकर्ताओं के लिए मॉडल आधारित ऋण सीमा का आकलन करता है।

सपोर्ट और रेजिस्टेंस

एंट्री-एग्जिट पॉइंट में मददगार

शेयर बाजार और तकनीकी विश्लेषण में सपोर्ट और रेजिस्टेंस को सबसे बुनियादी लेकिन सबसे महत्वपूर्ण अवधारणाएं माना जाता है। जब कोई निवेशक या ट्रेडर चार्ट पैटर्न को समझने की कोशिश करता है, तो सपोर्ट और रेजिस्टेंस उसकी दिशा तय करने में अहम भूमिका निभाते हैं। सपोर्ट वह स्तर होता है जहां कीमत गिरते-गिरते रुक जाती है, जबकि रेजिस्टेंस वह स्तर है जहां कीमत बढ़ते-बढ़ते अटक जाती है। ये स्तर बाजार में मांग और आपूर्ति के संतुलन को दर्शाते हैं। लगभग हर चार्ट पैटर्न, चाहे वह ब्रेकआउट हो, रिवर्सल हो या कंटिन्यूएशन, सपोर्ट और रेजिस्टेंस के इर्द-गिर्द ही बनता है।

सपोर्ट का महत्व

सपोर्ट वह मूल्य स्तर होता है जहां किसी शेयर या इंडेक्स की कीमत बार-बार गिरने के बाद रुक जाती है। इसका मुख्य कारण यह है कि उस स्तर पर खरीदारों की संख्या बढ़ जाती है। चार्ट पैटर्न में सपोर्ट एक मजबूत आधार की तरह काम करता है। ● डबल बॉटम, राउंड बॉटम जैसे पैटर्न सपोर्ट के आसपास बनते हैं। ● यदि सपोर्ट टूटता है, तो तेज गिरावट की संभावना बढ़ जाती है।

रेजिस्टेंस की जरूरत

रेजिस्टेंस वह स्तर होता है जहां कीमत ऊपर जाने में कठिनाई महसूस करती है। इस स्तर पर बिकवाली का दबाव बढ़ जाता है। ● डबल टॉप, हेड एंड शोल्डर जैसे पैटर्न रेजिस्टेंस के पास बनते हैं। ● रेजिस्टेंस के टूटने पर मजबूत तेजी (ब्रेकआउट) देखने को मिलती है।

अधिक सटीक और सुरक्षित

चार्ट पैटर्न को सही तरीके से समझने के लिए सपोर्ट और रेजिस्टेंस की भूमिका को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। ये स्तर बाजार की मानसिकता को दर्शाते हैं और सही विश्लेषण के साथ ट्रेडर को बेहतर निर्णय लेने में मदद करते हैं। यदि चार्ट पैटर्न के साथ सपोर्ट और रेजिस्टेंस को जोड़ा जाए, तो ट्रेडिंग अधिक सटीक और सुरक्षित बन सकती है।

सपोर्ट-रेजिस्टेंस का संबंध

● ट्राएंगल पैटर्न : में सपोर्ट और रेजिस्टेंस सिकुड़ते जाते हैं। ● फ्लैग और पेनेंट : में पुराने रेजिस्टेंस के ऊपर ब्रेकआउट होता है। ● ब्रेकआउट ट्रेडिंग : में रेजिस्टेंस सबसे अहम स्तर होता है।

रोल रिवर्सल

जब कोई रेजिस्टेंस टूटता है, तो वही आगे चलकर सपोर्ट बन सकता है। टूटा सपोर्ट बाद में रेजिस्टेंस का काम करता है। इसे रोल रिवर्सल कहा जाता है और यह ट्रेडिंग में उपयोगी सिद्धांत है।

ट्रेडिंग निर्णय में उपयोग

● एंट्री और एग्जिट तय करता है। ● स्टॉप लॉस लगाता है। ● जोखिम और मुनाफे का अनुपात समझता है

जीडीपी वृद्धि से आय को सहारा बीमा की बढ़ेगी मांग : मूडीज

नई दिल्ली, एजेंसी

● उद्योग की कमजोर लाभप्रदता में सुधार आने की उम्मीद

रेटिंग एजेंसी मूडीज ने चालू वित्त वर्ष में भारत की आर्थिक वृद्धि दर के 7.3% रहने का अनुमान लगाया, जिससे मजबूत आर्थिक विस्तार से औसत घरेलू आय को समर्थन मिलेगा और बीमा मांग मजबूत होगी। भारत के बीमा क्षेत्र पर जारी रिपोर्ट में मूडीज ने कहा कि उद्योग को प्रीमियम में निरंतर वृद्धि का लाभ मिलने की संभावना है जो मजबूत आर्थिक विस्तार, डिजिटलीकरण, कर बदलावों और सरकारी बीमा क्षेत्र में सुधारों से प्रेरित होगी। इससे उद्योग की वर्तमान में कमजोर लाभप्रदता में सुधार आने की उम्मीद है।

मूडीज ने कहा कि 2025-26 में भारत की अर्थव्यवस्था 7.3% की दर से बढ़ेगी, जो गत वर्ष के 6.5% से अधिक है। इससे औसत आय में वृद्धि होगी और बीमा की मांग को समर्थन मिलेगा। 2024-25 में प्रति व्यक्ति जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) सालाना आधार पर 8.2% बढ़कर 11,176 अमेरिकी डॉलर रही जबकि कुल जीडीपी वृद्धि 6.5% थी। भारत की मजबूत आर्थिक वृद्धि से 2025-26 के पहले आठ महीनों में कुल बीमा प्रीमियम आय 17% बढ़कर 10.9 लाख करोड़ रुपये हो गई। स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम में 14% और जीवन बीमा के नए कारोबार के प्रीमियम में 20% की वृद्धि दर्ज की गई। यह वृद्धि वित्त वर्ष 2024-25 की तुलना में तेज रही जब कुल प्रीमियम 7% बढ़कर 11.9 लाख करोड़ रुपये रहा।

भारत को पुनर्बीमा का वैश्विक केंद्र बनाने में आईएफएससीए की भूमिका : नागराजू

नई दिल्ली, एजेंसी

वित्तीय सेवा सचिव एम नागराजू ने सोमवार को कहा कि अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र प्राधिकरण (आईएफएससीए) भारत को वैश्विक पुनर्बीमा केंद्र बनाने की दिशा में अहम भूमिका निभा रहा है और भारतीय बीमाकर्ताओं एवं पुनर्बीमाकर्ताओं को गिफ्ट सिटी के जरिये वैश्विक अवसरों का लाभ उठाना चाहिए। नागराजू ने मुंबई में आईएफएससी आईआरडीएआई गिफ्ट सिटी वैश्विक पुनर्बीमा शिखर सम्मेलन में यह कहा।

नागराजू ने कहा कि भारत का पुनर्बीमा क्षेत्र रूपांतरकारी वृद्धि के दौर में है और यह देश की समग्र आर्थिक आकांक्षाओं को मजबूती प्रदान करेगा। बीमा एवं पुनर्बीमा क्षेत्र भारत को वैश्विक अर्थव्यवस्था में मजबूत भूमिका निभाने में मददगार हैं क्योंकि ये जोखिम प्रबंधन के साथ दीर्घकालिक पूंजी भी उपलब्ध कराते हैं। वित्तीय सेवा सचिव ने स्विस री की रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि 2024 में भारत कुल प्रीमियम मात्रा के आधार पर दुनिया का 10वां सबसे बड़ा बीमा बाजार बना रहा और उसकी वैश्विक हिस्सेदारी 1.8% रही। देश की 3.7% जनसंख्या ही बीमा दायरे में है, जिसमें जीवन बीमा 2.7% और गैर-जीवन बीमा 1% है। बीमा घनत्व बढ़कर 97 डॉलर हो गया जो यह दर्शाता है कि बाजार में अभी भी व्यापक अवसर मौजूद हैं।

सचिव ने कहा कि सरकार और बीमा नियामक ने क्षेत्र के विस्तार और बीमा की पहुंच बढ़ाने के लिए कई नीतिगत सुधार किए हैं। बीमा क्षेत्र में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) की सीमा बढ़ाकर 100% कर दी गई है और गत वर्ष एक नया पुनर्बीमाकर्ता भी पंजीकृत हुआ। उन्होंने सबका बीमा, सबकी रक्षा (बीमा कानून संशोधन) अधिनियम, 2025 का भी उल्लेख किया, जिसके तहत पॉलिसीधारकों के शिक्षा एवं संरक्षण कोष का गठन, डेटा संरक्षण कानून के साथ तालमेल और बीमा नियामक की शक्तियों को मजबूत किया गया है।

● वित्तीय सेवा सचिव बोले- दुनिया का 10वां बीमा बाजार भारत वैश्विक हिस्सेदारी 1.8%

ईयू की गैर-शुल्क बाधाएं शुल्क कटौती के लाभों को करेंगी कमजोर : जीटीआरआई

● एफटीए वार्ता के निष्कर्ष की घोषणा 27 जनवरी को ईयू के प्रतिनिधिमंडल की भारत यात्रा के दौरान होने की उम्मीद

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत को प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते के तहत घरेलू उत्पादों विशेष रूप से कृषि एवं दवा क्षेत्रों में, गैर-शुल्क बाधाओं को हटाने के लिए यूरोपीय संघ (ईयू) पर दबाव डालना चाहिए, क्योंकि ऐसे प्रतिबंध अक्सर शुल्क कटौती के लाभों को कमजोर कर देते हैं। आर्थिक शोध संस्थान जीटीआरआई ने सोमवार को यह बात कही।

भारत-ईयू मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के निष्कर्ष की घोषणा 27 जनवरी को ईयू के प्रतिनिधिमंडल की भारत यात्रा के दौरान होने की उम्मीद है। 18 वर्ष के बाद यह समझौता अंतिम चरण में है। वार्ता 2007 में शुरू हुई थी। यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंतोनियो लुइस सैंटोस दा कोस्टा और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन 25 से 27 जनवरी तक भारत की यात्रा पर रहेंगे। वे 77वें गणतंत्र दिवस में मुख्य अतिथि हैं। ईयू में भारतीय उत्पादों को जिन बाधाओं का सामना करना पड़ता है उनमें दवा संबंधी अनुमोदनों में नियामकीय देरी, खाद्य एवं कृषि निर्यात जैसे गोमांस को प्रभावित करने वाले कड़े स्वच्छता एवं पादप स्वच्छता (पौधों व जानवरों से संबंधित) नियम और जटिल परीक्षण, प्रमाणीकरण तथा अनुरूपता-मूल्यांकन जरूरत हैं। ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) के अनुसार, बासमती चावल, मसाले और चाय जैसे कृषि निर्यात अक्सर ईयू द्वारा कीटनाशक अवशेषों की सीमा में भारी कमी से अस्वीकार किए जाते हैं या उनकी गहन जांच होती है जबकि समुद्री निर्यात में एंटीबायोटिक दवाओं की चिंताओं से अधिक नमूना लेने की दर लागू होती है।

कार्बन कर पर चिंताओं का भी होना चाहिए समाधान

जीटीआरआई के संस्थापक अजय श्रीवास्तव ने कहा कि ईयू के साथ किसी भी व्यापार समझौते में नियामक सहयोग, त्वरित अनुमोदन एवं पारस्परिक मान्यता के बिना केवल शुल्क उदारीकरण से निर्यात में आनुपातिक लाभ नहीं मिलेगा। व्यापार समझौते में कार्बन कर को लेकर भारत की प्रमुख चिंताओं का भी समाधान होना चाहिए। कार्बन बॉर्डर एडजस्टमेंट मैकेनिज्म (सीबीएएम) 1 जनवरी से उन उत्पादों पर लागू हो गया है जो अपने निर्माण प्रक्रियाओं के दौरान उच्च कार्बन उत्सर्जन करते हैं जैसे कि इस्पात और एल्युमीनियम। ईयू संघ ने अमेरिकी वस्तुओं को सीबीएएम से छूट देकर पहले ही लचीलापन दिखाया है और भारत भी इसकी मांग कर सकता है। यह कर विशेष रूप से एमएसएमई के लिए हानिकारक है।

बजट-पूर्व विचार | एमपीसी सदस्य बोले- उद्योग के लिए दीर्घकालिक पूंजी सुनिश्चित करने के लिए एक संस्थागत कोष की आवश्यकता

आरएंडडी को बढ़ावा देने को नीतिगत प्रोत्साहन जरूरी

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) के सदस्य नागेश कुमार ने सोमवार को कहा कि सरकार को बजट में आरएंडडी गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए नीतिगत प्रोत्साहन देना चाहिए और उद्योग के लिए दीर्घकालिक पूंजी सुनिश्चित करने हेतु एक संस्थागत कोष बनाना चाहिए। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण एक फरवरी को वित्त वर्ष 2026-27 का आम बजट पेश करेंगी।

कुमार ने कहा कि विनिर्माण आधारित वृद्धि को बढ़ावा देने के लिए आम बजट 2026-27 में भारतीय कंपनियों की अपनी शोध एवं विकास (आरएंडडी) गतिविधियों को प्रोत्साहित करने के लिए कुछ नीतिगत उपायों पर विचार करना चाहिए। इससे उनकी उत्पादकता और प्रतिस्पर्धात्मकता को मजबूत करने में मदद मिलेगी।

उन्होंने कहा कि शोध, विकास और नवाचार (आरडीआई) तथा अनुसंधान राष्ट्रीय शोध फाउंडेशन (एएनआरएफ) हाल के समय में अपनाए गए महत्वपूर्ण उपाय हैं। उन्होंने कहा कि इन्हें कॉरपोरेट आरएंडडी गतिविधियों के प्रोत्साहनों के साथ पूरक बनाने की आवश्यकता है। एमपीसी सदस्य ने कहा कि आरएंडडी खर्च के लिए 200 प्रतिशत भारित कर कटौती को बहाल करना ऐसी ही एक नीति हो सकती है। कुमार के अनुसार एक अन्य सुझाव विनिर्माण के लिए सावधि ऋण देने के लिए एक नई संस्थागत संरचना तैयार करना होगा।

वाणिज्यिक बैंकों को उद्योग के लिए दीर्घकालिक ऋण देने में परिसंपत्ति-देनदारी असंतुलन का सामना करना पड़ता है। विनिर्माण के लिए एक नया विशेष विकास वित्त संस्थान समय की मांग है।

मुद्रा में गिरावट निर्यात-विनिर्माण के लिए मददगार

भारतीय मुद्रा की विनिमय दर में गिरावट पर कुमार ने कहा कि विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की निकासी, ट्रंप की शुल्क नीतियों और भारत के निर्यात पर उनके प्रभाव के बारे में अनिश्चितता जैसे कारकों से रुपये में गिरावट आई है। मुद्रा के मूल्य में गिरावट भारत के निर्यात और विनिर्माण क्षेत्र के लिए मददगार है और इस बारे में बहुत अधिक चिंतित होने की जरूरत नहीं है। रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 91 के करीब बना हुआ है। अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले रुपया सोमवार को 14 पैसे टूटकर 90 .92 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 91 के स्तर को पार कर गया था।

पलटवार: अमेरिका पर 93 अरब यूरो का शुल्क लगा सकता है यूरोपीय संघ

- ग्रीनलैंड पर ट्रंप की धमकियों के बीच तैयार कर रहा मसौदा

ब्रसेल्स, एजेंसी

ग्रीनलैंड पर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के लगातार बयानों और धमकियों के बीच यूरोपीय संघ (ईयू) अमेरिका पर 93 अरब यूरो (107.68 अरब डॉलर) का आयात शुल्क लगाने या अमेरिकी कंपनियों को यूरोपीय ब्लॉक में व्यापार करने से रोकने पर विचार कर रहा है।

सोमवार को जारी एक रिपोर्ट में आधिकारिक सूत्रों के हवाले से कहा गया कि अगले हफ्ते दावोस में विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) पर होने वाली बैठक से पहले इस शुल्क का मसौदा तैयार किया जा रहा है, ताकि ट्रंप पर यूरोपीय नेताओं को थोड़ी बढ़त मिल सके।

रिपोर्ट में कहा गया कि यूरोपीय यूनियन ने पिछले साल ही आयात शुल्क की सूची बना ली थी लेकिन व्यापार युद्ध रोकने के लिए उसे छह फरवरी तक के लिए स्थगित कर दिया था। ग्रीनलैंड पर अमेरिका-यूरोप के बीच बढ़ते तनाव के कारण ईयू नेताओं ने रविवार को इसे दोबारा लागू करने पर विचार किया। इसके अलावा यूरोपीय नेताओं ने दबाव-विरोधी मसौदे पर भी बातचीत की, जिसके लागू होने पर अमेरिकी कंपनियां यूरोप में अपना सामान नहीं बेच पाएंगी।

ट्रंप ने की है 10 फीसदी टैरिफ लेने की घोषणा

इससे पहले ट्रंप ने कहा था कि जो देश ग्रीनलैंड खरीदने के मुद्दे पर अमेरिका का समर्थन नहीं करेंगे, वह उन पर आयात शुल्क लगा सकते हैं। ट्रंप ने डेनमार्क, फिनलैंड, फ्रांस, जर्मनी, नीदरलैंड्स, नॉर्वे, स्वीडन और ब्रिटेन पर 10 प्रतिशत आयात शुल्क लगाने की घोषणा भी की थी। उन्होंने यह भी कहा था कि अगर हालात नहीं बदलते तो एक जून से यह बढ़कर 25 प्रतिशत हो जाएगा। जिसके बाद आठों देशों ने रविवार को एक संयुक्त बयान जारी कर ग्रीनलैंड और डेनमार्क के लिए पूर्ण समर्थन का एलान किया था।

मध्य पूर्व के नक्शे को बदलने की कोशिश

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का गाजा शांति प्लान केवल एक युद्धविराम समझौता नहीं है, बल्कि यह पूरे मध्य पूर्व के भू-राजनीतिक मानचित्र को बदलने की एक महत्वाकांक्षी कोशिश है। ट्रंप का मानना है कि जो बाइडन प्रशासन की नीतियां अनिर्णायक थीं, जिससे युद्ध लंबा खिंचा। ट्रंप की रणनीति का मुख्य स्तंभ अब्राहम समझौते का विस्तार है, जिसके तहत वे सऊदी अरब और इजराइल के बीच ऐतिहासिक राजनयिक संबंध स्थापित करना चाहते हैं। ट्रंप का दृष्टिकोण व्यावहारिक और व्यापारिक है। उनका तर्क है कि गाजा में युद्ध इजराइल की अर्थव्यवस्था और वैश्विक छवि को नुकसान पहुंचा रहा है, जबकि अमेरिका पर भी इसका भारी वित्तीय बोझ पड़ रहा है। उनके प्लान का केंद्र एक शांति समिति का गठन है, जो गाजा के पुनर्निर्माण और शासन को नियंत्रित करेगी।

ट्रंप का गाजा शांति प्लान

इजराइल के लिए सुरक्षा गारंटी

- अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की इस महत्वाकांक्षी योजना में फलस्तीनी संगठन हमास के लिए कोई जगह नहीं रखी गई है। ट्रंप गाजा को एक विसैन्यीकृत क्षेत्र के रूप में देखते हैं, जिसका प्रबंधन अरब देशों के सहयोग से किया जाएगा। यह योजना इजराइल के लिए एक सुरक्षा गारंटी और अरब देशों के लिए आर्थिक अवसर लेकर आई है। हालांकि, इसमें दो-राष्ट्र समाधान की तुलना में इजराइल की सुरक्षा और क्षेत्रीय एकीकरण पर अधिक जोर दिया गया है। ट्रंप का लक्ष्य 2026 के अंत तक गाजा को एक युद्ध क्षेत्र से निर्माण क्षेत्र में बदलना है, ताकि अमेरिकी संसाधन चीन और रूस जैसी बड़ी चुनौतियों पर केंद्रित किए जा सकें। गाजा के भविष्य के लिए घोषित बहुराष्ट्रीय गाजा पुनर्निर्माण एवं शांति परिषद में कई देशों और उनके नेताओं को शामिल करने की पहल की गई है। इसके लिए ट्रंप की ओर से तमाम नेताओं से आग्रह भी किया जा रहा है।

समिति में ये शामिल

- अमेरिका : मुख्य मध्यस्थ और सुरक्षा गारंटर के रूप में।
- इजराइल : सुरक्षा मानकों और सीमा नियंत्रण की निगरानी के लिए।
- सऊदी अरब और यूएई : मुख्य वित्तपोषक और प्रशासनिक सलाहकार।
- मिस्र : गाजा-मिस्र सीमा (फिलाडेल्फी कॉरिडोर) के प्रबंधन के लिए।
- तकनोक्रेट्स : गाजा के नागरिक।

समिति के कार्य

- पुनर्निर्माण फंड : अरब देशों के निवेश से गाजा में बुनियादी ढांचे का विकास।
- शिक्षा सुधार : गाजा के स्कूलों में शांति और सहिष्णुता को बढ़ावा देने वाला नया शैक्षणिक ढांचा बनाना।
- सुरक्षा प्रबंधन : नई स्थानीय पुलिस बल तैयार करना जिसे अरब देशों की सेनाओं द्वारा प्रशिक्षित किया जाएगा।

फिर भी इजराइल नाराज

- युद्ध रोकने की समय सीमा : ट्रंप ने स्पष्ट किया है कि वे युद्ध को अनिश्चितकाल तक नहीं खींचने देंगे। इजराइल का कट्टरपंथी खेमा (जैसे बेन-ग्वीर और स्मोट्रिच) पूरी सैन्य जीत तक युद्ध जारी रखना चाहता है।
- सऊदी अरब की शर्तें : ट्रंप ने सऊदी-इजराइल शांति के बदले फिलिस्तीनी राज्य की दिशा में 'अपरिवर्तनीय' कदम उठाने का दबाव डाला है, जो वर्तमान इजराइली सरकार को स्वीकार नहीं है।
- बफर जोन पर नियंत्रण : ट्रंप चाहते हैं कि सुरक्षा की जिम्मेदारी अंतर्राष्ट्रीय समिति की हो, जबकि इजराइल गाजा के भीतर पूर्ण सैन्य नियंत्रण बनाए रखना चाहता है। इसको लेकर इजराइल के राष्ट्रपति बेंजामिन नेतन्याहू अपनी नाराजगी भी जता चुके हैं।

वर्ल्ड ब्रीफ

ग्वाटेमाला हिंसा में 7 पुलिसकर्मियों की मौत

एस्कुइंटला। ग्वाटेमाला की राजधानी में रविवार को सुरक्षा बलों और एक गिरोह के सदस्यों के बीच हुई झड़पों में सात पुलिसकर्मियों की मौत हो गई। इससे पहले देश के दक्षिण-पश्चिमी हिस्से में स्थित तीन उच्च सुरक्षा वाली जेलों में से एक पर पुलिस ने दोबारा नियंत्रण हासिल कर लिया, जहां एक रात पहले कैदियों ने उपद्रव कर सुरक्षाकर्मियों को बंधक बना लिया था।

नेपाली खेल मंत्री बबलू गुप्ता ने दिया इस्तीफा

काठमांडू। नेपाल के खेल मंत्री बबलू गुप्ता ने आगामी पांच मार्च को होने वाला आम चुनाव लड़ने के लिए सोमवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया। राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) से जुड़े सूत्रों ने बताया कि युवा एवं खेल मंत्री गुप्ता वर्तमान में धनुषा जिले के जनकपुर में आरएसपी के लिए चुनाव प्रचार में जुटे हैं और पार्टी के टिकट पर चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे हैं।

पुतिन को गाजा शांति बोर्ड के लिए न्योता

मॉस्को। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के गाजा शांति बोर्ड में शामिल होने का आमंत्रण मिला है, जिस पर विचार किया जा रहा है। क्रेमलिन ने सोमवार को यह जानकारी दी। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने बताया कि वास्तव में, राष्ट्रपति पुतिन को भी राजनयिक चैनलों के माध्यम से इस शांति बोर्ड में शामिल होने का प्रस्ताव मिला था। हम फिलहाल इस प्रस्ताव के सभी विवरणों का अध्ययन कर रहे हैं।

काबुल के एक होटल में विस्फोट, 7 की मौत

काबुल। अफगानिस्तान के काबुल में सोमवार को विस्फोट से सात लोगों की मौत हो गई और कई घायल हो गए। विस्फोट का कारण अभी स्पष्ट नहीं है। प्रवक्ता खालिद जादरान ने बताया कि विस्फोट शहर-ए-नॉ जिले के एक होटल में हुआ। गृह मंत्रालय के प्रवक्ता अब्दुल मतीन कानी ने बताया कि विस्फोट में कई की मौत हुई है।

फैशन डिजाइनर वैलेंटिनो का निधन

रोम। इटली के मशहूर फैशन डिजाइनर वैलेंटिनो गारवानी का रोम स्थित घर में निधन हो गया है। वह 93 वर्ष के थे। लेंटिनो गारवानी लगभग 50 साल तक फैशन शो का अहम हिस्सा रहे। फाउंडेशन ने बताया कि वैलेंटिनो गारवानी हम सभी के लिए मार्गदर्शक और प्रेरणा थे बल्कि प्रकाश के सच्चे स्रोत भी थे। अंतिम संस्कार शुक्रवार को रोम के पियाजा डेला रिपब्लिका स्थित बेसिलिका सांता मारिया डेगली एंजेली ई डेई मार्टिरी में होगा।

हमारे पड़ोस में आतंकवादी ढांचे को बढ़ावा देने में मदद न करें: जयशंकर

विदेश मंत्री ने पोलैंड के अपने समकक्षी रादोस्लाव सिकोरस्की को दिया स्पष्ट संदेश

नई दिल्ली, एजेंसी

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने सोमवार को पोलैंड के विदेश मंत्री रादोस्लाव सिकोरस्की को एक तीखा संदेश देते हुए कहा कि उनके देश को आतंकवाद के प्रति कतई बर्दाश्त नहीं करने की नीति अपनानी चाहिए और भारत के पड़ोस में आतंकवादी ढांचे को बढ़ावा देने में मदद नहीं करनी चाहिए। जयशंकर का यह संदेश स्पष्ट रूप से अक्टूबर में पोलैंड-पाकिस्तान के संयुक्त बयान में कश्मीर के उल्लेख के संदर्भ में था।

सिकोरस्की के साथ एक बैठक में जयशंकर ने यूक्रेन संघर्ष को लेकर भारत को अनुचित और अन्यायपूर्ण तरीके से चयनात्मक रूप से निशाना बनाए जाने पर भी अपनी चिंता व्यक्त की। इसे रूस के साथ ऊर्जा संबंधों को लेकर नई दिल्ली की पश्चिमी देशों द्वारा की गई आलोचना के संदर्भ के रूप में देखा जा रहा है। नई दिल्ली में हुई बैठक में विदेश मंत्री ने ये टिप्पणी की। सिकोरस्की पोलैंड के उपप्रधानमंत्री भी हैं। वहीं, पोलैंड के विदेश मंत्री ने कहा कि वह भारत के रूस के साथ संबंधों को लेकर लगाए गए शुल्क के संदर्भ में अन्याय और चयनात्मक रूप से निशाना बनाए जाने के बारे में जयशंकर से पूरी तरह सहमत हैं।

सिकोरस्की भारत की तीन दिवसीय यात्रा पर हैं। जयशंकर ने कहा कि आप हमारे क्षेत्र से अपरिचित नहीं हैं और सीमा पार आतंकवाद की दीर्घकालिक चुनौती से निश्चित रूप से परिचित हैं। मुझे उम्मीद है कि इस बैठक में हम क्षेत्र की आपकी हालिया यात्राओं पर चर्चा करेंगे। पोलैंड को आतंकवाद के प्रति कतई बर्दाश्त नहीं करने की नीति अपनानी चाहिए और हमारे पड़ोस में आतंकवादी ढांचे को बढ़ावा देने में मदद नहीं करनी चाहिए। अक्टूबर के अंत में, सिकोरस्की ने पाकिस्तान के विदेश मंत्री इसहाक डार के साथ व्यापक वार्ता की थी जिसके बाद जारी किए गए एक संयुक्त बयान में कश्मीर मुद्दे को प्रमुखता दी।

द्विपक्षीय संबंधों को संभालने की जरूरत

विदेश मंत्री ने कहा, हमारे द्विपक्षीय संबंधों में भी लगातार प्रगति हुई है, लेकिन फिर भी, इसे निरंतर संभालने की आवश्यकता है। वार्ता में दोनों विदेश मंत्रियों ने व्यापार और निवेश, रक्षा और सुरक्षा, स्वच्छ प्रौद्योगिकी और डिजिटल नवाचार के क्षेत्र में जारी सहयोग को आगे बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की।

भारत को चुनिंदा रूप से निशाना बनाया जाना अनुचित और अन्यायपूर्ण

विदेश मंत्री ने यूक्रेन संघर्ष पर भारत के लगातार रुख का भी उल्लेख किया। जयशंकर ने कहा कि हाल के दिनों में, पिछले सितंबर में न्यूयॉर्क और इस जनवरी में पेरिस में, मैंने यूक्रेन संघर्ष और इसके निहितार्थों पर अपने विचार खुलकर आपके साथ साझा किए हैं। उन्होंने कहा, ऐसा करते हुए मैंने बार-बार इस बात पर जोर दिया है कि भारत को चुनिंदा रूप से निशाना बनाना अनुचित और अन्यायपूर्ण है। मैं आज फिर से यही बात दोहराता हूं। अपने संबोधन में जयशंकर ने भारत-पोलैंड संबंधों में आए सकारात्मक बदलावों के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा कि हम ऐसे समय में मिल रहे हैं जब दुनिया में काफी उथल-पुथल मची हुई है। अलग-अलग क्षेत्रों में स्थित दो राष्ट्रों के रूप में, जिनमें से प्रत्येक के समक्ष अपनी चुनौतियां और अवसर हैं, विचारों और दृष्टिकोणों का आदान-प्रदान करना स्पष्ट रूप से उपयोगी है।

स्पेन में दो रेलगाड़ियों की टक्कर, 40 लोगों की मौत

- दोनों ट्रेनों में 500 यात्री थे सवार बढ़ सकती है मृतकों की संख्या

आदमुज (स्पेन), एजेंसी

स्पेन में रविवार शाम को दो हाईस्पीड ट्रेनों की टक्कर में कम से कम 40 यात्रियों की मौत हो गई जबकि कई यात्री गंभीर रूप से घायल हैं जिससे मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका जताई जा रही है। स्पेनिश पुलिस ने सोमवार को बताया कि देश के दक्षिणी हिस्से में गत रात एक उच्च गति वाली ट्रेन की टक्कर में 40 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है। मृतकों की संख्या और बढ़ने की आशंका है।

रेल संचालक एडिफ के अनुसार, यह हादसा रविवार शाम करीब 7:45 बजे हुआ, जब मलागा से राजधानी मैड्रिड जा रही लगभग 300 यात्रियों को ले जा रही ट्रेन का पिछला हिस्सा पटरी से उतर गया। जिसके बाद वह मैड्रिड से दक्षिणी स्पेन के एक अन्य शहर हुएल्वा जा रही सामने से आ रही एक अन्य ट्रेन से टकरा गई। स्पेन के परिवहन मंत्री ऑस्कर पुएंते ने कहा कि दूसरी ट्रेन का अगला हिस्सा, जिसमें करीब 200 यात्री सवार थे, टक्कर से सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ। इस टक्कर के कारण ट्रेन की पहली दो बोगियां बेपटरी हो गईं।

यात्रियों ने बताया कि वे टूटी हुई खिड़कियों से बाहर निकले, जबकि कुछ लोगों ने आपातकालीन हथौड़ों से शीशे तोड़कर खुद को स्पेनिश पुलिस के अनुसार, इस हादसे में 159 लोग घायल हुए हैं, जिनमें से पांच की हालत गंभीर बताई जा रही है। इसके अलावा 24 अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हैं। यह टक्कर मैड्रिड से 370 किमी दक्षिण में कॉर्डोबा प्रांत के एक कस्बे आदमुज के पास हुई। परिवहन मंत्री पुएंते ने कहा कि दुर्घटना के कारण का अभी पता नहीं चला है।

रेल हादसे के बाद मैड्रिड रेलवे स्टेशन पर ट्रेनों की प्रतीक्षा करते यात्री।

द. अफ्रीका में हादसा, 13 स्कूली बच्चों की मौत

जोहानिसबर्ग। दक्षिण अफ्रीका के गौतेंग प्रांत में एक ट्रक और स्कूल मिनी बस की टक्कर में कम से कम 13 बच्चों की मौत हो गई। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 11 बच्चों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि दो बच्चों ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। अधिकारियों के अनुसार, सोमवार को सुबह करीब सात बजे यह घटना तब हुई जब बस जोहानिसबर्ग में प्राथमिक और उच्च विद्यालयों के छात्रों को ले जा रही थी। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि बच्चों को ले जा रही मिनी बस अन्य वाहनों से आगे निकलने का प्रयास कर रही थी तभी वह सामने से आ रहे ट्रक से टकरा गई। पुलिस ने बताया कि घटना की जांच की जा रही है और ट्रक चालक से पूछताछ की जाएगी। गौतेंग आपातकालीन सेवा ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया। घायलों में बस चालक भी शामिल है।

करूर भगदड़ केस : सीबीआई ने अभिनेता विजय से की पूछताछ

- एसयूवी के काफिले में लोधी रोड में एजेंसी के मुख्यालय पहुंचे विजय

नई दिल्ली, एजेंसी

सीबीआई ने करूर भगदड़ मामले के सिलसिले में तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) प्रमुख एवं अभिनेता विजय से सोमवार को यहां एजेंसी मुख्यालय में दूसरे दौर की पूछताछ शुरू की। अधिकारियों ने बताया कि अभिनेता आज सुबह लग्जरी एसयूवी के काफिले में लोधी रोड स्थित एजेंसी के मुख्यालय पहुंचे। उन्होंने बताया कि उनसे एजेंसी की भ्रष्टाचार रोधी इकाई से चुने गए एक उप अधीक्षक रैंक के अधिकारी के नेतृत्व में अधिकारियों की एक टीम द्वारा आज पूछताछ की जा रही है।

विजय से 12 जनवरी को यहां सीबीआई मुख्यालय में छह घंटे से अधिक समय तक पूछताछ की गई थी। उन्हें पिछले मंगलवार को फिर से आने के लिए कहा गया था, लेकिन अभिनेता ने पोंगल का हवाला देते हुए दूसरी तारीख मांगी।

अधिकारियों ने बताया कि केंद्रीय एजेंसी ने अभिनेता की मांग स्वीकार करते हुए उन्हें सोमवार की तारीख दी थी। अधिकारियों ने बताया कि विजय से रैली से जुड़े फैसलों, उनके देर से पहुंचने, भाषण जारी रखने के कारणों, मौके पर मची अफरा-तफरी की जानकारी होने, भीड़ की संख्या और भीड़ प्रबंधन में हुई चूक से संबंधित कई सवाल पूछे गए। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद केंद्रीय एजेंसी ने एसआईटी से जांच ली थी।

चिली में जंगल की आग से 19 की मौत, 15 सौ बेघर

पेंको। मध्य और दक्षिणी चिली में जंगलों में लगी भीषण आग में रविवार को कम से कम 19 लोगों की मौत हो गई, वहीं हजारों एकड़ जंगल जलकर राख हो गए तथा सैकड़ों मकान भी जल गए। दक्षिण अमेरिका का यह देश भीषण गर्मी की चपेट में है। चिली के राष्ट्रपति गैब्रियल बोरिक ने देश के मध्य बायोबियो क्षेत्र और राजधानी सैंटियागो से लगभग 500 किलोमीटर दक्षिण में स्थित नुब्ले क्षेत्र में आपदा की स्थिति घोषित कर दी है। चिली के सुरक्षा मंत्री लुइस कॉर्डेरो के अनुसार, आपातकाल की घोषणा से सेना के साथ बेहतर समन्वय स्थापित करने में मदद मिलेगी ताकि अब तक 8,500 हेक्टेयर में फैली जंगल की आग पर काबू पाया जा सके, जिसके कारण 1,500 लोगों को अपना घर छोड़ना पड़ा है। बोरिक ने एक्स पर पोस्ट किया, सभी संसाधन उपलब्ध हैं। हालांकि, स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि रविवार को हर तरफ तबाही थी और केंद्र सरकार की ओर से कोई मदद नहीं पहुंची। छोटे तटीय कस्बे पेंको के मेयर रोड्रिगो वेरा ने कहा, प्रिय राष्ट्रपति बोरिक, दिल की गहराइयों से कह रहा हूं कि मैं यहां चार घंटे से मौजूद हूं, एक पूरा क्षेत्र जल रहा है।

संत चिन्मयदास समेत अन्य के खिलाफ तय किए आरोप

- बांग्लादेश में प्रदर्शन के दौरान वकील की मौत का मामला

ढाका, एजेंसी

बांग्लादेश की एक अदालत ने संत चिन्मय कृष्ण दास और 38 अन्य लोगों पर नवंबर 2024 में बंदरगाह शहर चटगांव में एक वकील की मौत के संबंध में सोमवार को आरोप तय किए। बांग्लादेश सम्मिलित सनातनी जागरण जोते के प्रवक्ता दास को राजद्रोह के आरोप में 25 नवंबर, 2024 को ढाका के हजरत शाहजलाल अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से गिरफ्तार किया गया था।

इस्कॉन के पूर्व नेता दास को चटगांव की एक अदालत ने जमानत देने से इनकार कर दिया और उन्हें जेल भेज दिया। दास की गिरफ्तारी के बाद विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए और उनके समर्थकों ने अगले दिन ढाका और अन्य स्थानों पर प्रदर्शन किया। चटगांव में प्रदर्शन हिंसक हो गया, जहां 26 नवंबर को वकील की हत्या कर दी गई।

सोमवार को, चटगांव संभागीय त्वरित सुनवाई न्यायाधिकरण द्वारा आरोप सुनाए जाने के बाद अभियोजन पक्ष के एक वकील ने पत्रकारों को बताया कि अदालत ने चिन्मय के खिलाफ दंड संहिता की धारा 302 और 109 के तहत आरोप तय किए और 22 अन्य लोगों के खिलाफ अलग-अलग धाराओं के तहत आरोप लगाए।

मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने छह माओवादियों को मार गिराया

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले के उत्तर-पश्चिमी सीमावर्ती क्षेत्र में सुरक्षा बलों और माओवादियों के बीच दो दिन तक चली मुठभेड़ में छह माओवादी मारे गए हैं, जिनमें चार महिलाएं शामिल हैं। सोमवार को प्राप्त जानकारी के अनुसार मारे गए माओवादियों में इंद्रावती नेशनल पार्क एरिया कमेटी का इंचार्ज और आठ लाख रुपये इनामी दिलीप बेंडजा भी शामिल है। सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ स्थल से स्वचालित हथियार, विस्फोटक और माओवादी साहित्य भी बरामद किया है। शनिवार सुबह से शुरू हुई मुठभेड़ अलग-अलग जगहों पर रविवार तक चली थी। पुलिस को मुठभेड़ के बाद छह नक्सलियों के शव बरामद किए। इस दौरान जंगल में भालू और भैंस के हमले में दो जवान नीरज शर्मा और कृष्णा नेताम भालू घायल हो गए हैं। मुठभेड़ में कुल छह माओवादी कैडरों के शव बरामद हुए, जिनमें नेशनल पार्क एरिया कमेटी इंचार्ज डीवीसीएम दिलीप बेंडजा भी शामिल है, जिस पर आठ लाख रुपये का ईनाम था। मुठभेड़ स्थल पर खोजबीन के दौरान दो एके-47 रायफल, एक इंसास, दो .303 रायफल और एक कार्बाइन सहित छह हथियार बरामद किए गए हैं।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 20 जनवरी, मंगलवार 2026 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- माघ, पक्ष-शुक्ल पक्ष, द्वितीया 21 जनवरी 02.42 तक तत्पश्चात तृतीया।

आज का पंचांग

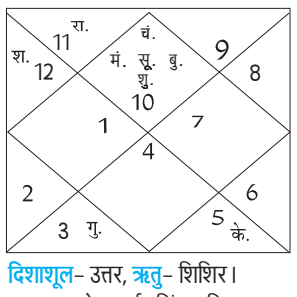

दिशाशूल- उत्तर, **ऋतु**- शिशिर।
चन्द्रबल- मेष, कर्क, सिंह, वृश्चिक, मकर, मीन।
ताराबल- अश्विनी, कृत्तिका, रोहिणी, मृगशिरा, आर्द्रा, पुष्य, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, स्वाति, अनुराधा, मूल, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद।
नक्षत्र- श्रवण 13.06 तक तत्पश्चात धनिष्ठा।

मेष — आज किसी धार्मिक आयोजन की संभावना बन रही है। पिता के ऊपर गर्व होगा। कार्यक्षेत्र की उलझनों को सुलझाने में मेहनत करनी पड़ेगी। अधिकारी वर्ग से आपको अत्यधिक समर्थन मिलेगा। परिवार के सदस्यों के बीच प्रेमभाव में वृद्धि होगी।

वृष — आज आपका स्वास्थ्य काफी अच्छा रहेगा। व्यापार में प्रभावशाली लोगों से आपके संपर्क मजबूत होंगे। कई दिनों से चली आ रही समस्या का समाधान मिलेगा। आईटी क्षेत्र में कार्यरत लोगों को विदेश से जॉब के ऑफर मिल सकते हैं।

मिथुन — आज नए सहयोगियों से आपको सावधान रहना चाहिए। शेयर मार्केट में बड़ा निवेश करने से आपको बचना चाहिए। माइग्रेन का दर्द उभर सकता है। घूमने-फिरने में समय बर्बाद न करें। वैवाहिक संबंधों में तनाव उत्पन्न होने की संभावना है।

कर्क — आज कानूनी मामलों में विजय मिलने की प्रबल संभावना है। अपने लोगों की सलाह लेने से पीछे न हटें। आपके मन में विचारों का आधिक्य रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपका विरोध करने वाले लोगों की आलोचना हो सकती है।

सिंह — आज नया काम शुरू करने के लिए दिन अच्छा है। आपके काम का श्रेय दूसरे लोग ले सकते हैं। पहले किए गए प्रयासों का उत्तम परिणाम मिलेगा। प्रेमीजन से झगड़ा हो सकता है। कुटीर उद्योगों से उत्तम धन लाभ होगा। तीखा भोजन करने से बचें।

कन्या — आज सरकारी काम में बाधा आ सकती है। अधीनस्थ कर्मचारियों से अपेक्षानुकूल सहयोग नहीं मिल पाएगा। आप अपने लक्ष्यों को लेकर थोड़े दबाव में रहेंगे। विरोधी आपके सामने दोबारा सक्रिय हो सकते हैं।

तुला — आज अपनी वाणी पर संयम रखें। कार्यक्षेत्र में आपके काम पर लोग नजर बनाए रखेंगे। जमीन के कारोबारियों के लिए दिन अच्छा नहीं है। व्यावसायिक अनुबंध करने से पहले पेपर्स वगैरह को ध्यान से रख लें। आप लोगों की मदद के लिए तैयार रहेंगे।

वृश्चिक — आज का दिन आपके लिए बहुत ही अच्छा है। मार्केटिंग संबंधित कार्यों से बेहतरीन लाभ होगा। ऑफिस में आपके काम की प्रशंसा होगी। परिवार में लोग आपकी बातों को अनसुना कर सकते हैं। घर में सुख-सुविधाओं का विशेष ध्यान रखेंगे।

धनु — आज आपसे ईर्ष्या रखने वाले लोगों की संख्या लगातार बढ़ रही है। व्यवसाय में आपको थोड़ी परेशानी का सामना करना पड़ेगा। अधिक सोच-विचार के चक्कर में काम बिगड़ सकते हैं। मौसम में आ रहे बदलाव के कारण सर्द-बुखार हो सकता है।

मकर — आज नया वाहन खरीद सकते हैं। भोग-विलास का भरपूर आनंद उठाएंगे। देव स्थल की यात्रा के लिए जा सकते हैं। अपने विचारों को दूसरों पर थोपने से बचें। आयात-निर्यात से संबंधित व्यवसाय से आपको धन लाभ होगा।

कुंभ — आज लंबी यात्रा करने से बचना चाहिए। मन अप्रसन्न रहने वाला है। कार्यक्षेत्र में लोगों के मनोभावों को इग्नोर न करें। पति-पत्नी के बीच मीठी नोक-झोंक होने की संभावना है। छात्रों का मन पढ़ाई से उचट सकता है।

मीन — आज आय के नए स्रोत विकसित हो सकते हैं। मित्र के सहयोग से आपको धन लाभ मिलने की संभावना बन रही है। शत्रुओं के ऊपर आपका प्रभाव बढ़ेगा। समाज में आपका मान-सम्मान बढ़ेगा। माता-पिता का आशीर्वाद लेना न भूलें।

सुडोकू-37

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

1		8	5			9		
	2			7	3	1	8	
6				8			4	
	5			2				3
		2				8		
7				9			6	
	1			5				2
	6	9	4	3			7	
		3			8	4		1

सुडोकू - 36 का हल

2	8	5	3	7	9	4	6	1
3	4	1	8	6	5	7	2	9
9	7	6	4	2	1	5	8	3
6	2	9	7	4	3	1	5	8
4	1	8	6	5	2	3	9	7
5	3	7	1	9	8	6	4	2
1	9	2	5	3	4	8	7	6
7	5	3	2	8	6	9	1	4
8	6	4	9	1	7	2	3	5

मुझे यह सुनकर अच्छा लगा। सेंचुरी बनाना बहुत अच्छा है। मैं शुरू में बहुत भाग्यशाली था कि मुझे कुछ ऐसे लोग मिले जिन्होंने मुझे सिखाया कि मैं अपने करियर में लंबी रेस का घोड़ा बनूं, जल्दी थक न जाऊं, और जितना हो सके उतना लंबा करियर बनाऊं।
–नोवाक जोकोविच

स्टेडियम

बरेली, मंगलवार ,20 जनवरी 2026

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

इंडोनेशिया मास्टर्स में श्रेष्ठ प्रदर्शन पर भारतीयों की निगाहें

जकार्ता। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी पिछले सप्ताह घरेलू धरती पर खेले गए इंडिया ओपन के निराशाजनक प्रदर्शन को पीछे छोड़कर मंगलवार से यहां शुरू होने वाले 500,000 अमेरिकी डॉलर इनामी इंडोनेशिया मास्टर्स में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए प्रतिबद्ध होंगे। पिछले सप्ताह नई दिल्ली में इंडिया ओपन में लक्ष्य सेन पुरुष एकल के क्वार्टर फाइनल में बाहर हो गए थे। भारत का कोई भी खिलाड़ी किसी भी वर्ग में अंतिम आठ से आगे नहीं बढ़ पाया था। चीनी ताइपे के लिन चुन यी और कोरिया की विश्व में नंबर एक खिलाड़ी आन से यंग ने क्रमशः पुरुष और महिला एकल खिताब जीता। अब सारा ध्यान जकार्ता पर केंद्रित हो गया है, जहां भारतीय खिलाड़ियों को कड़ा ड्रॉ मिला है और उन्हें अपने से अधिक रैंकिंग वाले खिलाड़ियों के खिलाफ अभियान की शुरुआत करनी होगी।

साइना ने बैडमिंटन से संन्यास लिया

नई दिल्ली। ओलंपिक पदक विजेता भारतीय बैडमिंटन स्टार साइना नेहवाल ने प्रतिस्पर्धी खेल से संन्यास की पुष्टि करते हुए कहा कि उनका शरीर अब एलीट खेल की मांगों के अनुरूप उनका साथ नहीं दे रहा है। लंदन ओलंपिक 2012 की कांस्य पदक विजेता साइना ने आखिरी प्रतिस्पर्धी मैच 2023 सिंगापुर ओपन में खेला था। उन्होंने एक पॉडकास्ट में कहा मैने दो साल पहले ही खेलना छोड़ दिया था। मुझे लगा कि मैंने अपनी शर्तों पर खेलना शुरू किया और अपनी शर्तों पर ही विदा लूंगी तो घोषणा करने की जरूरत ही नहीं थी। उन्होंने कहा अगर आप और खेलने में सक्षम नहीं हैं तो कोई बात नहीं।

पहली कबड्डी चैंपियंस लीग 25 जनवरी से

नई दिल्ली। पहली कबड्डी चैंपियंस लीग (केसीएल) का आयोजन 25 जनवरी से सात फरवरी तक हरियाणा के राय स्थित खेल विश्वविद्यालय में किया जाएगा। आयोजकों ने सोमवार को यह घोषणा की। केसीएल ने आधिकारिक तौर पर पहले सत्र के लिए मैचों का कार्यक्रम घोषित कर दिया है। यह प्रतियोगिता 12 दिन तक चलेगी जिसमें आठ फ्रेंचाइजी टीम भाग लेंगी।

प्रज्ञानानंदा की एक और हार

विज्क आन जी (नीदरलैंड्स)। गत चैंपियन आर प्रज्ञानानंदा का टाटा स्टील मास्टर्स शतरंज टूर्नामेंट में खराब प्रदर्शन जारी रहा और वह दूसरे दौर में उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसात्तोरोव से हार गए। विश्व चैंपियन गुकेश को एक और कड़े मुकाबले में नीदरलैंड के जॉर्डन वैन फॉरेस्ट ने ड्रॉ पर रोक दिया। लगातार दूसरे ड्रॉ के साथ गुकेश का कुल अंक एक हो गया है।

अच्छी शुरुआत को बदलना होगा बड़े स्कोर में

न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज हारने के बाद कप्तान गिल निराश, बोले- कैचिंग में सुधार की जरूरत

इंदौर, एजेंसी

न्यूजीलैंड के खिलाफ भारत की द्विपक्षीय वनडे श्रृंखला में पहली हार न केवल आंकड़ों के लिहाज से एक झटका थी, बल्कि इससे एक असहज स्पष्टता भी उजागर हुई और कप्तान शुभमन गिल ने हार के अंतर या कुछ खिलाड़ियों की गैर मौजूदगी का बहाना नहीं बनाया। श्रृंखला के तीसरे और अंतिम मैच में भारतीय टीम की पराजय के बाद गिल ने एक ऐसे पैटर्न का खुलासा किया, जिसने उनके शब्दों में दोनों टीमों के बीच अंतर पैदा किया।

गिल ने मैच के बाद संवाददाताओं से कहा ऐसा नहीं है कि हमने खराब बल्लेबाजी की। बात यह थी कि हम पर्याप्त देर तक बल्लेबाजी नहीं कर पाए। जब बल्लेबाजों को अच्छी शुरुआत मिलती है और वे उसे बड़े स्कोर में तब्दील नहीं कर पाते तो स्थिति बहुत मुश्किल हो जाती है। हमारे कम से कम दो बल्लेबाजों को लंबी पारी खेलनी चाहिए थी। यही उनके और हमारे बीच का अंतर रहा। भारत पूरी श्रृंखला में अच्छी शुरुआत को बड़े स्कोर में नहीं बदल पाया जिसमें इंदौर में खेला गया मैच भी शामिल है। इस मैच में विराट कोहली के शतक ने कुछ समय के लिए मैच का रुख पलटने की उम्मीद जगाई थी।

गिल बार-बार न्यूजीलैंड के दृष्टिकोण के साथ तुलना का मुद्दा उठाते रहे। उन्होंने कहा जब भी उनके बल्लेबाजों ने अच्छी शुरुआत की तो वह बड़ा स्कोर बनाने में सफल रहे। श्रृंखला में इसी ने मुख्य अंतर पैदा किया। पहले दो मैचों में मैं भी जम गया था, लेकिन मैं उसे 100, 120 या 130 रन में नहीं बदल पाया। बल्लेबाजी इकाई के रूप में हमें इसमें सुधार करने की जरूरत है।

रविंद्र जडेजा पिछले कुछ मैच में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए लेकिन गिल ने कहा कि हार के लिए सभी खिलाड़ी जिम्मेदार हैं। उन्होंने कहा जड्डू भाई बल्ले से अच्छी लय में दिख रहे थे। लेकिन बात सिर्फ उनकी नहीं थी। मुझे नहीं लगता कि हमारे किसी भी बल्लेबाज ने अच्छी शुरुआत को बड़े स्कोर में बदलने में कामयाबी हासिल की। ऐसी पिचों पर अगर आप अच्छी शुरुआत को बड़े स्कोर में नहीं बदल पाते तो आपको हमेशा मैच में पिछड़ना पड़ता है। उन्होंने कहा पिछले कुछ साल में जिस तरह से उन्होंने गेंदबाजी की है, वह हमेशा हमारे लिए पर मुख्य विकल्प थे।

गिल को विश्राम नहीं, खेलेंगे रणजी ट्रॉफी में

नई दिल्ली। भारत के टेस्ट और वनडे कप्तान शुभमन गिल ने न्यूजीलैंड के खिलाफ रविवार को समाप्त हुई वनडे श्रृंखला के बाद विश्राम नहीं करने का फैसला किया है और वह पंजाब की तरफ से सौराष्ट्र के खिलाफ गुरुवार से राजकोट में होने वाले रणजी ट्रॉफी मैच में खेलेंगे। गिल न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे श्रृंखला के तीनों मैच खेले थे। उन्होंने विश्राम करने के बजाय तुरंत ही लाल गेंद के क्रिकेट में लौटने का विकल्प चुना है क्योंकि वह भारत की टी20 विश्व कप टीम का हिस्सा नहीं हैं। इस 26 वर्षीय खिलाड़ी का लक्ष्य पंजाब को रणजी ट्रॉफी के नॉकआउट में पहुंचाना होगा। पंजाब टीम के एक करीबी सूत्र ने पीटीआई से कहा शुभमन ने वनडे श्रृंखला के बाद विश्राम नहीं करने का फैसला किया है। उन्हें इंदौर से राजकोट पहुंचने में आठ घंटे का समय लगा क्योंकि वहां से कोई सीधी उड़ान उपलब्ध नहीं है। पंजाब फिलहाल ग्रुप बी में पांच मैचों में 11 अंकों के साथ छठे स्थान पर है। उसे अगले दौर में जगह बनाने के लिए अपने बाकी बचे तीनों मैच में जीत हासिल करनी होगी। गिल की वापसी से उसकी बल्लेबाजी को मजबूती मिली है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ कोलकाता में पहले टेस्ट में चोटिल होने के बाद गिल पहली बार लाल गेंद का क्रिकेट खेलेंगे।

युवा खिलाड़ियों को विराट कोहली से सीख लेने की जरूरत : गावस्कर

नई दिल्ली। पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर का मानना है कि अच्छी शुरुआत नहीं मिलने के कारण भारत को न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे श्रृंखला में हार का सामना करना पड़ा और टीम के बल्लेबाजों को मुश्किल लक्ष्य का पीछा करते समय पारी को सही ढंग से आगे बढ़ाने के लिए विराट कोहली से सीख लेनी चाहिए। भारत को इंदौर में खेले गए तीसरे और अंतिम वनडे में न्यूजीलैंड से 41 रन से हार का सामना करना पड़ा और इस तरह वह न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू मैदान पर पहली बार वन डे श्रृंखला में हार गया। भारत के प्रमुख बल्लेबाजों में केवल कोहली ही अच्छा प्रदर्शन कर पाए। उन्होंने 108 गेंद पर 124 रन बनाए। गावस्कर ने जिओस्टार के एक कार्यक्रम में कहा विराट कोहली को पूरा सहयोग नहीं मिलने के कारण भारत के लिए चीजें मुश्किल हो गई। कोहली को बहुत कम सहयोग मिला। इस श्रृंखला में भारत के लिए असली समस्या अच्छी शुरुआत न कर पाना रही है। कहा भी जाता है कि अच्छी शुरुआत का मतलब आधा काम हो गया। उन्होंने बताया भारत की शुरुआत कभी अच्छी नहीं रही और यही उसकी हार के मुख्य कारणों में से एक है कि वह बड़े स्कोर का पीछा करने में सक्षम नहीं था। भारत के आधे बल्लेबाज 159 रन तक पवेलियन लौट गए थे जिससे टीम की जीत की संभावना को गंभीर झटका लगा था। गावस्कर ने कहा जब आप केएल राहुल जैसे शानदार फॉर्म में चल रहे खिलाड़ी को खो देते हैं और आपके पास नीतीश कुमार रेड्डी हैं, जिन्होंने 53 रन की इस पारी से पहले अपनी क्षमता का सही प्रदर्शन नहीं किया था, और फिर हर्षित राणा हैं, जिनसे आप कभी भी पूरी तरह से आश्वस्त नहीं हो सकते कि वह कैसा प्रदर्शन करेंगे तो लक्ष्य तक पहुंचना बड़ी चुनौती बन जाती है।

न्यूजीलैंड को ऐतिहासिक जीत पर गर्व : मिचेल

इंदौर। न्यूजीलैंड के स्टार बल्लेबाज डैरिल मिचेल ने कहा कि भारत के खिलाफ एकदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय श्रृंखला में ऐतिहासिक जीत दबाव में शांति के साथ फैसले लेने और एक दूसरे पर विश्वास करने के कारण मिली। न्यूजीलैंड ने रविवार को यहां खेले गए तीसरे और अंतिम वनडे में 41 रन से जीत दर्ज करके भारतीय धरती पर पहली द्विपक्षीय वनडे श्रृंखला जीती।

भारत ने शतकवीर विराट कोहली और हर्षित राणा की अहम साझेदारी के दम पर 338 रन के मुश्किल लक्ष्य का पीछा करने की उम्मीद जगाई, लेकिन यह साझेदारी टूटने के बाद उसकी उम्मीद पर पानी फिर गया। मिचेल ने स्वीकार किया कि तब उनकी टीम दबाव में थी, लेकिन उन्होंने अपने खिलाड़ियों की भी प्रशंसा की जिन्होंने संयम बनाए रखा। तीसरे मैच में 137 रन बनाने वाले मिचेल ने कहा उन्होंने बहुत अच्छी साझेदारी निभाई और तब इस मैदान की प्रकृति, विकेट और छोटे आकार के कारण हम पर काफी दबाव था। मुझे इस बात पर गर्व है कि हमारे खिलाड़ियों ने शांति से काम लिया और अपनी रणनीति पर अच्छी तरह से अमल किया। उन्होंने कहा यह शानदार मैच था जो रोमांचक स्थिति में पहुंच गया था।

विदर्भ की जीत आपस में भरोसे का नतीजा : कोच

बेंगलुरु। विदर्भ के मुख्य कोच उस्मान गनी का मानना है कि विजय हजारे ट्रॉफी में उनकी टीम की शानदार जीत खिलाड़ियों के एक-दूसरे पर भरोसे का नतीजा है, जिससे उन्हें चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों से सफलतापूर्वक उबरने में मदद मिली।

रणजी ट्रॉफी के मौजूदा चैंपियन विदर्भ ने रविवार को यहां सौराष्ट्र को 38 रन से हराकर घरेलू एक दिवसीय टूर्नामेंट का खिताब भी अपने नाम किया। गनी ने पीटीआई से कहा हम एक-दूसरे पर भरोसा करते हैं। हमारे पास सीमित ओवरों की क्रिकेट के लिए भी मजबूत टीम है लेकिन इससे पहले हम सफेद गेंद के प्रारूप में ट्रॉफी नहीं जीत पाए थे। इस साल सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में भी हम कुछ करीबी मैच में हार गए थे और सुपर लीग तक भी नहीं पहुंच पाए थे।

उन्होंने कहा लेकिन इस बार हम आत्मविश्वास से भरे थे और हमने एक-दूसरे का साथ दिया ताकि हम सीमित ओवरों की ट्रॉफी जीत सकें। टीम ने सकारात्मक क्रिकेट खेलकर चुनौती का बखूबी सामना किया। गनी ने अपनी टीम की जीत के रहस्य का खुलासा करते हुए कहा कि वह सभी खिलाड़ियों का समर्थन करते हैं और मुश्किल परिस्थितियों में भी सकारात्मक बने रहते हैं। उन्होंने कहा हमें प्रत्येक खिलाड़ी का समर्थन करना होगा, चाहे परिस्थिति कितनी भी मुश्किल क्यों न हो। हमें उनके साथ खड़े रहना होगा। गनी ने कहा यह अब टीम की मानसिकता बन गई है और अगर आप पिछले कुछ मैचों को देखें तो हमें इस तरह की स्थिति का सामना नहीं करना पड़ा है। यह सब एक टीम के रूप में सकारात्मक मानसिकता बनाए रखने से जुड़ा है।

अब टी-20 की तैयारी

नागपुर स्थित विदर्भ क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में अभ्यास करते भारतीय टी-20 क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव, वरुण चक्रवर्ती, ईशान किशन और रिंकू सिंह। यहां न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच मैचों की श्रृंखला का पहला मुकाबला 21 जनवरी को शाम 7 से बजे होगा। वनडे सीरीज हारने के बाद क्रिकेट प्रेमियों को इस प्रतियोगिता से बहुत उम्मीद है। ● एजसी

बेंगलुरु ने गुजरात को 61 रनों से हराया

महिला प्रीमियर लीग

वडोदरा, एजेंसी

गौतमी नाईक के अर्धशतक की मदद से रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू ने सोमवार को गुजरात जाएंट्स को 61 रन से हराकर महिला प्रीमियर लीग में अपना अपराजेय अभियान बरकरार रखा।

आरसीबी की टूर्नामेंट में यह लगातार पांचवीं जीत थी। पहले बल्लेबाजी के लिए भेजे जाने पर आरसीबी ने छह विकेट पर 178 रन का सम्मानजनक स्कोर बनाया। शीर्ष पर काबिज आरसीबी की शुरुआत अच्छी नहीं रही। पहले ओवर में ग्रेस हैरिस और दूसरे ओवर में जॉर्जिया वोल पवेलियन लौट गए जब स्कोर नौ रन ही था लेकिन इसके बाद नाईक ने पारी को संभाला। जवाब में गुजरात की टीम शुरू ही से दबाव में रही और सातवें ओवर में 34 रन के स्कोर पर उसके चार विकेट गिर गए। बेथ मूनी, सोफी डेवाइन, अनुष्का शर्मा और कनिका आहूजा पवेलियन लौट चुकी थीं। काशवी गौतम और जॉर्जिया वेयरहैम भी टिक नहीं सकीं। कप्तान एशले गार्डनर ने 43 गेंद में 54 रन बनाये लेकिन उन्हें दूसरे छोर से साथ नहीं मिल सका। गार्डनर ने अपनी पारी में पांच चौके और एक छक्का जड़ा लेकिन उनकी टीम 20 ओवर में आठ विकेट पर 117 रन ही बना सकी। आरसीबी की गेंदबाज सयाली सतघारे ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए 21 रन देकर तीन विकेट लिए जबकि नडाइन डि क्लेर्क को दो विकेट मिले। इससे पहले गुजरात के लिये आरसीबी का पहला विकेट तेज गेंदबाज रेणुका सिंह ने और दूसरा आस्ट्रेलिया दौरे के लिये भारतीय टीम में जगह बनाने वाली गौतम ने चटकाया।

पिछले मैच में 96 रन बनाने वाली कप्तान स्मृति मंधाना (23 गेंद में 26 रन) ने नाईक के साथ तीसरे विकेट के लिये 60 रन की साझेदारी करके पारी को संभाला। गुजरात की कप्तान गार्डनर ने हालांकि मंधाना को पगबाधा आउट करके इस साझेदारी को तोड़ा। नाईक ने 55 गेंद की अपनी पारी में सात चौकों और एक छक्के के साथ 73 रन बनाए।

जीत का जश्न मनातीं रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की खिलाड़ीं। एजेंसी

...तो बाहर रहने को तैयार रहे बांग्लादेश

नई दिल्ली, एजेंसी

- आईसीसी ने चेतावनी देते हुए कहा-कल तक लें फैसला
- भारत से मैच स्थानांतरित करने के लिए अड़ा है बांग्लादेश

आईसीसी ने बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड से कहा है कि भारत में होने वाले टी20 विश्व कप में भागीदारी को लेकर 21 जनवरी तक फैसला ले या सात फरवरी से शुरू हो रहे टूर्नामेंट से बाहर होने को तैयार रहे।

आईसीसी और बीसीबी के बीच बातचीत के बावजूद मसले का कोई हल नहीं निकल पाया है। यह संकट बीसीसीआई के निर्देश पर बांग्लादेश के तेज गेंदबाज मुस्ताफिजुर रहमान को आईपीएल 2026 से बाहर किए जाने के बाद शुरू हुआ।

आईसीसी के एक सूत्र ने कहा बीसीबी अधिकारियों को 21 जनवरी तक फैसला लेने के लिये कहा गया है। अगर वे भारत आने से इनकार करते हैं तो रैंकिंग के आधार पर किसी दूसरी टीम को चुन लिया जाएगा। सुरक्षा चिंताओं और राष्ट्रीय गौरव का हवाला देकर बीसीबी ने कहा है कि उसकी टीम कोलकाता और मुंबई में विश्व कप के लीग मैच खेलने भारत नहीं जाएगी। टूर्नामेंट का कार्यक्रम घोषित हो चुका है लिहाजा आईसीसी बांग्लादेश के मैच श्रीलंका में स्थानांतरित नहीं करेगी।

स्कॉटलैंड को मिल सकता मौका

बांग्लादेश अगर आने से इनकार करता है तो मौजूदा रैंकिंग के आधार पर स्कॉटलैंड को मौका मिल सकता है। बांग्लादेश ग्रुप सी में वेस्टइंडीज, इटली, इंग्लैंड और नेपाल के साथ है।

सेनेगल ने मोरक्को को हराकर जीता अफ्रीका कप

रबात (मोरक्को)। सेनेगल ने पेप गुये के अतिरिक्त समय में किए गए गोल की मदद से मेजबान मोरक्को को 1-0 से हराकर अफ्रीका कप ऑफ नेशंस फुटबॉल टूर्नामेंट का खिताब जीता। बेहद तनावपूर्ण परिस्थितियों में खेले गए फाइनल में दोनों टीम निर्धारित समय तक गोल नहीं कर पाई थी लेकिन आखिर में पेप गुये निर्णायक गोल करने में सफल रहे।

फाइनल मैच में तनाव काफी बढ़ गया था। मैच के दौरान ऐसा समय भी आया जब दर्शकों ने मैदान पर घुसने की कोशिश की। यही नहीं सेनेगल के खिलाड़ी दूसरे हाफ के स्टॉपेज टाइम में पेनल्टी के फैसले के विरोध में मैदान से बाहर चले गए थे। यह स्पष्ट नहीं था कि खेल जारी रह पाएगा या नहीं क्योंकि प्रशंसक सुरक्षाकर्मियों से भिड़ गए थे।

इसके कारण 14 मिनट तक खेल नहीं हो पाया था। खेल शुरू होने पर सेनेगल के एडुआर्ड मेंडी ने ब्राहिम डियाज़ की पेनल्टी को आसानी से बचा लिया।

ऑस्ट्रेलियाई ओपन

गॉफ ने पहले दौर के मैच में कामिला रखिमोवा को सीधे सेटों में पराजित किया

कोको गॉफ, अनिसिमोवा और मेडवेदेव दूसरे दौर में

मेलबर्न, एजेंसी

तीसरी वरीयता प्राप्त कोको गॉफ को अपनी सर्विस पर कुछ परेशानी का सामना करना पड़ा, लेकिन इसके बावजूद वह अमांडा अनिमिसोवा और दानिल मेडवेदेव के साथ सोमवार को यहां ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के दूसरे दौर में पहुंचने में सफल रही। गॉफ ने पहले दौर के मैच में कामिला रखिमोवा को सीधे सेटों में 6-2, 6-3 से पराजित किया।

गॉफ ने दो ग्रैंड स्लैम खिताब जीते हैं, लेकिन मेलबर्न पार्क में वह कभी सेमीफाइनल से आगे नहीं बढ़ पाई हैं। पिछले साल वह क्वार्टरफाइनल में बाहर हो गई थीं। अमेरिकी खिलाड़ी को फिर से डबल फॉल्ट की समस्या से जूझना पड़ा।

दूसरे दौर में गॉफ का सामना ओल्गा डैनिलोविच से होगा। डैनिलोविच ने रविवार को पहले दौर के मैच में 45 वर्षीय वीनस विलियम्स को हराया था। महिला वर्ग के अन्य महत्वपूर्ण मैचों में विश्व रैंकिंग में चौथे नंबर की खिलाड़ी और पिछले दो ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचने वाली अमांडा अनिसिमोवा ने सिमोना वाल्टरट को 6-3, 6-2 से, नंबर छह जेसिका पेगुला ने अनास्तासिया ज़खारोवा को 6-2, 6-1 से और नंबर 14 क्लारा टौसन ने डाल्मा गाल्फी को 6-3, 6-3 से हराया। इस बीच 27वीं वरीयता प्राप्त और 2020 की चैंपियन सोफिया केनिन का खराब प्रदर्शन जारी रहा। वह पहले दौर में हमवतन अमेरिकी खिलाड़ी पेटन स्टर्न्स से 6-3, 6-2 से हार गईं। स्टर्न्स का अगला मुकाबला क्रोएशिया की पेट्रा मार्किको से होगा। एम्मा नवारो भी पोलैंड की मैग्डा लिनेट से तीन सेटों में हार गईं। पुरुषों के वर्ग में कनाडा की सातवीं वरीयता प्राप्त फेलिक्स औगर अलियासिमे ने पुर्तगाल के नूनो बोर्गेस के खिलाफ अपना मैच बीच में ही छोड़ दिया। दो घंटे से कुछ अधिक समय तक चले इस मैच में तब बोर्गेस 3-6, 6-4, 6-4 से आगे चल रहे थे। ऑस्ट्रेलियाई ओपन में तीन बार के उपविजेता दानिल मेदवेदेव ने जेस्पर डी जोंग को 7-5, 6-2, 7-6 (2) से हराकर ऑस्ट्रेलिया में अपनी जीत का सिलसिला जारी रखा। उन्होंने ब्रिस्बेन में खिताब जीता था।

जोकोविच ने 100वीं जीत दर्ज की

मेलबर्न। सार्बिया के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने सोमवार को ऑस्ट्रेलिया ओपन में स्पेन के पेड्रो मार्टिनेज को हराकर अपने करियर की 100वीं जीत दर्ज की। आज यहां पूर्व नंबर वन टेनिस खिलाड़ी जोकोविच ने पेड्रो मार्टिनेज को 6-3, 6-2, 6-2 से हराकर शानदार प्रदर्शन करते हुए मेलबर्न पार्क में अपनी 100वीं करियर जीत हासिल की। रिकॉर्ड 10 बार के ऑस्ट्रेलिया ओपन चैंपियन जोकोविच की अब टूर्नामेंट में रोजर फेडरर के 102 मैच जीतने के ऑल-टाइम रिकॉर्ड को तोड़ने पर नजर हैं। मैच के बाद जोकोविच ने कहा मैं क्या कहूं। सेंचुरी बनाना बहुत अच्छा है। उन्होंने कहा मैं शुरू में बहुत भाग्यशाली था कि मुझे कुछ ऐसे लोग मिले जिन्होंने मुझे सिखाया और गाइड किया कि मैं अपने करियर में लंबी रेस का घोड़ा बनूं, जल्दी थक न जाऊं।